रांची
हिन्दी दैनिक
वनांचल आई
www.vananchaleye@gmail.com
हर खबर पर पहली नजर
PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:105 सोमवार,22 दिसंबर ₹5 Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में महायुति गठबंधन की बंपर जीत, मिलीं 224 सीटें

एजेंसी

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को बंपर जीत हासिल हुई है। रविवार को जारी हुए 288 सीटों (246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों) के रिजल्ट में महायुति को 224 सीटों पर जीत मिली। हालांकि अभी भी काउंटिंग जारी है। अंतिम रिजल्ट कुछ देर में सामने आएगा। गठबंधन में भाजपा 129 सीटों पर जीत के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 58 सीटें, एनसीपी अजित को 37 सीटें मिलीं। वहीं, विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी के हिस्से केवल 51 सीटें ही आईं। इसमें कांग्रेस 31, शिवसेना उद्धव को 10, शरद पवार की एनसीपी को केवल 10 सीटें ही मिलीं। 22 सीटें अन्य को मिली हैं, जिन्होंने स्थानिक अघाड़ी (लोकल अलायंस) बनाया था। दरअसल, महाराष्ट्र की 288 नगर परिषदों और नगर पंचायत के लिए दो चरणों में चुनाव हुआ था। पहले चरण में 2 दिसंबर को 263 निकायों में मतदान हुआ था। बाकी 23 नगर परिषदों और कुछ खाली पदों पर 20 दिसंबर को वोटिंग हुई थी। धुले की डोंडाइचा नगर परिषद और सोलापुर की उंगर नगर पंचायत में अध्यक्ष औरसदस्यों का चुनाव निर्विरोध हुआ था।

भारत का पहला फैटी लिवर मुक्त शहर बनेगा रांची : संजय सेठ

रांची : रोटरी क्लब रांची के तत्वावधान में रांची क्लब परिसर में आयोजित तीन दिवसीय रोटरी डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस 'समागम' का समापन रविवार को हुआ। अंतिम दिन के मुख्य वक्ता केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रांची को देश का पहला फैटी लिवर मुक्त शहर बनाने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। इसी अभियान के तहत फैटी लिवर की जांच और जनजा गरूकता के लिए छह करोड़ रुपये की लागत से चार अत्याधुनिक मोबाइल वैन शीघ्र ही रोटरी को दी जाएंगी। ये वैन रांची शहर के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण इलाकों में जाकर लोगों की स्क्रीनिंग करेंगी। उन्होंने कहा कि बीमारी से लड़ने का सबसे प्रभावी तरीका उसकी समय पर पहचान है।

पाक ने जीता अंडर-19 एशिया कप का खिताब

दुबई : एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान की टीम ने रविवार को भारत को 191 रनों से शिकस्त दी। यह ब्लॉकबस्टर मुकाबला दुबई के आईसीसी एकेडमी ग्राउंड में खेला गया। मुकाबले में पहले बैटिंग करते हुए पाकिस्तान ने भारत को जीत के लिए 50 ओवर्स में 348 रनों का टारगेट दिया था। इसके जवाब में उतरी भारतीय टीम 156 के स्कोर पर ही सिमट गई। रनचेज में भारतीय टीम की शुरूआत तो तूफानी रही, लेकिन उसने कम अंतराल में ही चार विकेट गंवा दिए। कप्तान आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी कोअली रजा ने पवेलियन भेजा।

'वीबी-जी राम जी' बना कानून

ग्रामीण परिवारों को अब 125 दिनों का रोजगार, राष्ट्रपति ने विधेयक को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी विधेयक, 2025' (वीबीजी राम जी) को मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ यह विधेयक कानून बन गया। इससे पहले संसद के दोनों सदन इस विधेयक को पास कर चुके हैं। अब ग्रामीण रोजगार व्यवस्था में बड़ा बदलाव लागू हो गया है। नए कानून के तहत अब ग्रामीण परिवारों को प्रति वित्त वर्ष 125 दिन का वैधानिक मजदूरी रोजगार सुनिश्चित किया जाएगा, जो पहले 100 दिन था। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, यह अधिनियम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 का स्थान लेगा और इसे विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप तैयार किया गया है। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आय सुरक्षा को मजबूत करने के साथ टिकाऊ और उत्पादक परिसंपत्तियों का निर्माण करना है, ताकि समावेशी और संतुलित विकास को बढ़ावा मिल सके। कानून के प्रावधानों के तहत इच्छुक ग्रामीण परिवारों को न्यूनतम 125 दिन का रोजगार देना सरकार की वैधानिक जिम्मेदारी होगी। मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक या अधिकतम 15 दिनों के भीतर करना अनिवार्य किया गया है। तय समयसीमा के भीतर भुगतान नहीं होने पर देरी का मुआवजा देने का भी प्रावधान रखा गया है। कृषि कार्यों के दौरान श्रमिकों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए राज्यों को एक वित्त वर्ष में कुल 60 दिन तक का समेकित विराम काल घोषित करने का अधिकार दिया गया है। हालांकि, इससे कुल 125 दिन के रोजगार के अधिकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा और शेष अवधि में पूरा रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इस कानून के तहत सभी कार्यों की योजना ग्राम सभा की मंजूरी से ग्राम पंचायतों द्वारा तैयार की जाएगी। योजना निर्माण की प्रक्रिया पूरी तरह नीचे से ऊपर की होगी, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न योजनाओं और विभागों के बीच समन्वय के लिए डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे संसाधनों की बबार्दी रुकेगी और विकास कार्यों में तेजी आएगी।

प्रधानमंत्री ने डिब्रूगढ़ के नामरूप में अमोनिया-यूरिया परियोजना के लिए किया भूमि पूजन

हमारी सरकार सुधार रही देश की उर्वरक व्यवस्था

उद्योग और कनेक्टिविटी विकास को दे रही नई गति

एजेंसी

डिब्रूगढ़ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के दौरान असम सहित देश के कई हिस्सों में खाद की फैक्ट्रियों के बंद होने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इसी के चलते किसानों को यूरिया के लिए लंबी कतारों में लगना पड़ता था और कई बार स्थिति संभालने के लिए लाठीचार्ज तक का सामना करना पड़ता था। उन्होंने आरोप लगाया कि हालात को कांग्रेस ने बिगाड़ा और उन्हें सुधारने के लिए वर्तमान सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है और देशभर में नई उर्वरक इकाइयों की स्थापना की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज डिब्रूगढ़ के नामरूप में असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी की अमोनिया-यूरिया परियोजना के लिए भूमि पूजन किया। नई ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया उर्वरक परियोजना में लगभग 1 करोड़ रुपये से अधिक का अनुमानित निवेश किया गया है। 10,600 करोड़ रुपये की यह परियोजना असम और पड़ोसी राज्यों की उर्वरक आवश्यकताओं को पूरा करेगी, आयात पर निर्भरता कम करेगी, पर्याप्त रोजगार सृजित करेगी और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति प्रदान करेगी। इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस आज भी देश-विरोधी सोच को आगे बढ़ा रही है और असम के जंगलों व जमीन पर बांग्लादेशी अवैध घुसपैठियों को बसाकर केवल अपना वोटबैंक मजबूत करनाचाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को असम की पहचान, संस्कृति और सम्मान से कोई सरोकार नहीं है। अवैध घुसपैठियों को बसाने और उन्हें संरक्षण देने का काम कांग्रेस ने ही किया है, इसी कारण वह वोटर लिस्ट के शुद्धिकरण एसआईआर का विरोध कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति के इस जहर से असम को बचाना जरूरी है और उन्होंने भरोसा दिलाया कि असम की पहचान और सम्मान की रक्षा के लिए भाजपा फौलाद बनकर जनता के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब उनकी सरकार ने भूपेन दा को भारत रत्न से सम्मानित किया, तो कांग्रेस ने खुले तौर पर इसका विरोध किया।उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से दिया गया बयान–ह्यमोदी नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है–केवल भूपेन दा का ही नहीं,

कोडरमा में कफ सिरप पीने के बाद डेढ़ साल की बच्ची की गई जान

संवाददाता

कोडरमा में कफ सिरप पीने के बाद डेढ़ साल की बच्ची की मौत का मामला प्रकाश में आया है। इससे स्वास्थ्य में हड़कंप है। मृत बच्ची की पहचान रवि भुइयां की पुत्री रागिनी कुमारी के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि रागिनी को पिछले दो दिनों से खांसी की शिकायत थी। इसी को लेकर परिवार के लोगों ने दूधीमाटी चौक के पास स्थित एक मेडिकल दुकान से खांसी का सिरप खरीदा था। परिजनों ने जैसे ही बच्ची को सिरप पिलाया, कुछ ही समय बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। बच्ची को बेचैनी होने लगी। उसकी हालत तेजी से खराब होने लगी, जिससे घर में अफरातफरी मच गई। बच्ची की हालत गंभीर होते देख परिजन उसे कोडरमा सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने बच्ची की जांच की, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद रागिनी को मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत से अस्पताल परिसर में मातम पसर गया। मृत बच्ची की मां ने बताया कि अचानक रागिनी की तबीयत ज्यादा खराब हो गई थी। उन्होंने बताया कि खांसी के लिए जो सिरप मेडिकल स्टोर से लिया गया था, उसी के सेवन के बाद बच्ची की हालत बिगड़ी और उसकी जान चली गई।

सुनवाई : झारखंड हाईकोर्ट ने अपनाया कड़ा रुख, दिया आदेश

रिम्स की जमीन पर अतिक्रमण मामले की जांच करेगी एसीबी

संवाददाता

रांची। पिछले कई दिनों से राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स की जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ झारखंड हाईकोर्ट के आदेश से कार्रवाई की जा रही है। सभी अतिक्रमित संरचनाओं को हटाया जा रहा है। अब अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए इस अतिक्रमण मामले में सभी दोषी अफसरों के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) से जांच कराने का आदेश दिया है। इस मामले में दोषी अधिकारियों, संस्थाओं और बिल्डरों को चिह्नित कर जालसाजी के शिकार हुए लोगों के नुकसान की भरपाई का आदेश भी दिया गया है। न्यायालय ने इस मामले की सुनवाई की अगली तिथि छह जनवरी 2026 निर्धारित की है। उल्लेखनीय है कि मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह और न्यायाधीश सुजीत नारायण की पीठ ज्योति शर्मा द्वारा दायर जनहित याचिका और स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रही है। अब तक की सुनवाई के पहले भी न्यायालय ने अपने फैसले में कहा है कि इससे पहले हरनारायण लोखोटिया द्वारा दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान गलत नक्शा और निर्माण मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया था। सीबीआई ने जांच के बाद रांची नगर निगम के अधिकारियों व अन्य की भूमिका के सिलसिले में रिपोर्ट दी थी।अपने आदेश में न्यायालय ने रिम्स के लिए अधिगृहित जमीन की खरीद बिक्री, नक्शा पास करने और बैंक द्वारा आम लोगों को इस जमीन पर बने फ्लैट की खरीद के लिए कर्ज देने में हुई गड़बड़ी की जांच का आदेश दिया है।

215 किलोमीटर से अधिक का सफर करने वाले यात्रियों पर ही पड़ेगा प्रभाव

रेलवे ने लंबी दूरी की यात्रा के लिए बढ़ाया किराया

एजेंसी

नई दिल्ली। रविवार को भारतीय रेलवे ने लंबी दूरी की यात्रा के लिए किराए में इजाफे का एलान किया है। यह नया किराया चार दिन बाद 26 दिसंबर 2025 से लाग हो जाएगा। 215 किलोमीटर से ज्यादा का सफर करने वाले यात्रियों को अब हर किलोमीटर के लिए 1 से 2 पैसे अतिरिक्त चुकाने होंगे। रेलवे का अनुमान है कि इस बदलाव से उसे सालाना 600 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई होगी। हालांकि, 215 किलोमीटर से कम दूरी की यात्रा करने वालों और मंथली सीजन टिकट होल्डर्स के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह महत्वपूर्ण है कि रेलवे ने छोटे रूट पर यात्रा करने वाले करोड़ों यात्रियों पर कोई बोझ नहीं डाला है। 215 किलोमीटर से कम के सफर पर किराए में बढ़ोतरी नहीं की गई है। इसका मतलब है कि कम दूरी की यात्राएं पहले की तरह ही सस्ती बनी रहेंगी।रोजाना सफर करने वाले यात्रियों के लिए भी राहत है। रेलवे ने सब-अर्बन (उपनगरीय) ट्रेनों और मंथली सीजन टिकट (एमएसटी) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई जैसे शहरों में लोकल ट्रेनों से सफर करने वाले लाखों यात्रियों पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। रेलवे का तर्क है कि यह किराया बढ़ोतरी ऑपरेशनल कॉस्ट में हो रही वृद्धि और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स को फंड करने के लिए जरूरी है।

धनकुबेर

एलन मस्क ने दुनिया भर में रच दिया इतिहास, पैसों की हुई बारिश

700 अरब डॉलर से ज्यादा की सम्पति वाले पहले व्यक्ति बने मस्क

एजेंसी

वॉशिंगटन : अमेरिका के उद्योगपति एलन मस्क 700 अरब डॉलर से ज्यादा की सम्पति वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए है। फोर्ब्स मैगजीन ने यह जानकारी दी है। डेलावेयर शीर्ष अदालत के मस्क के 2018 टेस्ला स्टॉक विकल्प पैकेज को अमान्य करने वाले निचली अदालत के फैसले को पलटने के बाद मस्क की दौलत बढ़ गई, जिसकी अब कीमत 139 अरब डॉलर है। फोर्ब्स ने कहा कि उसका अनुमान है कि इस फैसले के खिलाफ सफलतापूर्वक अपील करने के बाद मस्क की कुल सम्पति रिकॉर्ड 749 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। मैगजीन ने पहले मस्क को 600 अरब अमरीकी डॉलर से ज्यादा सम्पति वाला पहला व्यक्ति बताया था जब स्पेसएक्स ने एक आईपीओ की घोषणा की थी जिसमें कंपनी की कीमत 800 अरब अमरीकी डॉलर थी। हाल ही में मार्च 2020 तक मस्क की कुल सम्पति 24.6 अरब अमरीकी डॉलर आंकी गई थी। जनवरी 2021 में वह दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। उसी साल उन्होंने 300 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया और 2024 में मस्क की कुल सम्पति बढ़कर 500 अरब डॉलर से ज्यादा हो गई। मस्क के अलावा ओरेकल के सह-संस्थापक लैरी एलिसन की कुल सम्पति 400 अरब डॉलर के आंकड़े तक पहुँची है। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की कुल संपत्ति अब 700 अरब डॉलर के पार जा चुकी है, जिसके बाद अब एलन मस्क की कुल संपत्ति यानी नेटवर्थ 749 अरब डॉलर हो चुकी है। एलन मस्क की संपत्ति में एकदम से यह इजाफा तब हुआ है, जब डेलावेयर सुप्रीम कोर्ट ने एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के स्टॉक को लेकर एलन मस्क के पक्ष में फैसला सुनाया है। दरअसल, पिछले हफ्ते डेलावेयर सुप्रीम कोर्ट ने एलन मस्क के साल 2018 के पे पैकेज से जुड़े स्टॉक ऑप्शन को बहाल कर दिया, जिसे पहले एक निचली अदालत ने रद्द कर दिया था। एलन मस्क का साल 2018 का सैलरी पैकेज 56 अरब डॉलर का था। इसे सुप्रीम कोर्ट ने बहाल किया और कहा कि पे पैकेज रद्दकरने वाला 2024 का फैसला मस्क के लिए अन्यायपूर्ण था।

टेस्ला से एलन मस्क का पैकेज

एलन मस्क की संपत्ति में इस इजाफा होने का एक कारण यह भी है कि टेस्ला स्टेकहोल्डर्स ने मस्क के लिए 1 ट्रिलियन डॉलर के पे पैकेज को मंजूरी दी थी, जिसके बाद डेलावेयर सुप्रीम कोर्ट ने 139 अरब डॉलर के टेस्ला स्टॉक ऑप्शन को फिर शुरू करने का फैसला सुनाया, जिसके बाद एलन मस्क की संपत्ति में इजाफा हुआ। साथ ही पिछले हफ्ते यह खबरें भी आई थी कि एलन मस्क की स्पेसएक्स कंपनी आईपीओ लाने वाली है, जिससे भी मस्क की संपत्ति में इजाफा हुआ। एलन मस्क के बाद दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज है, जो मस्क की संपत्ति से 500 अरब डॉलर पीछे हैं। लैरी पेज की कुल संपत्ति लगभग 260 अरब डॉलर है।मस्क की कुल सम्पति बढ़कर 500 अरब डॉलर से ज्यादा हो गई। मस्क के अलावा ओरेकल के सह-संस्थापक लैरी एलिसन की कुल सम्पति 400 अरब डॉलर के आंकड़े तक पहुँची है।दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की कुल संपत्ति अब 700 अरब डॉलर के पार जा चुकी है,

चाईबासा घटना के बाद सरकार का बड़ा फैसला

सभी जिलों के सदर अस्पतालों में होंगे 4-4 मोक्ष वाहन

संवाददाता

रांची : झारखंड के चाईबासा में झोले में शिशु के शव को ले जाने की हालिया घटना के बाद राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक संवेदनशील और जवाबदेह बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राज्य के सभी जिलों में मोक्ष वाहन की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य मंत्री ने रविवार को आदेश जारी करते हुए कहा कि राज्य के सभी जिलों के सदर अस्पतालों में अनिवार्य रूप से चार-चार मोक्ष वाहन (मॉच्युरीवाहन) उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि एक माह के भीतर सभी जिलों में इन वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि शोकाकुल परिवारों को कठिन समय में किसी भी प्रकार की अमानवीय परिस्थिति का सामना न करना पड़े। इस योजना पर लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत आएगी। चाईबासा प्रकरण पर स्थिति स्पष्ट करते हुए डॉ.अंसारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को बदनाम करने के उद्देश्य से जानबूझकर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया गया। जांच रिपोर्ट के अनुसार संबंधित बच्चा मात्र चार माह का था, जबकि कुछ माध्यमों में उसकी उम्र चार वर्ष बताई गई। उन्होंने बताया कि परिजन स्वयं बच्चे को लेकर चले गए थे और मौके पर दो मोक्ष वाहन मौजूद थे, जिनमें से एक तकनीकी कारणों से खराब था,

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर 28 दिसंबर को घर-घर फहराया जाएगा पार्टी का झंडा

रांची,भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस आगामी 28 दिसंबर को पूरे देश में मनाया जाएगा। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी निर्णय लिया है कि प्रदेश के जिला, प्रखंड, मंडल, ग्राम पंचायत एवं वार्ड कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता अपने-अपने आवासों पर कांग्रेस का झंडा फहराएंगे।

इसी क्रम में रविवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने काके विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बुड़मू प्रखंड के ठाकुरगांव में पंचायत अध्यक्षों के बीच कांग्रेस के झंडों का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस का स्थापना दिवस संगठनात्मक एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति संकल्प के रूप में मनाया जाना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान बुड़मू पंचायत अध्यक्ष चंदन तिर्की, छापर पंचायत अध्यक्ष प्रभु यादव, हेसलपीरी पंचायत अध्यक्ष ललित महतो एवं गुरुगाई पंचायत अध्यक्ष तबारक हुसैन को 12झ12 कांग्रेस के झंडे सौंपे गए।

इस अवसर पर सकील अख़्तर अंसारी, गोपाल तिवारी तथा प्रखंड अध्यक्ष बलराम साहू सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

रांची में बजरंग दल का भव्य शौर्य संचलन, हजारों कार्यकताओं ने लिया भाग

रांची, राजधानी रांची में महानगर बजरंग दल के तत्वावधान में रविवार को चुटिया स्थित शास्त्री मैदान से भव्य शौर्य संचलन निकाला गया। संचलन का शुभारंभ बजरंग दल के ध्वजारोहण और प्रार्थना के साथ हुआ। इससे पूर्व शौर्य सभा का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समाज के लोग शामिल हुए।

शौर्य सभा को संबोधित करते हुए बजरंग दल के प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने कहा कि एक दिसंबर से गीता जयंती के अवसर पर देशभर में बजरंग दल द्वारा शौर्य यात्रा, शौर्य संचलन और शौर्य सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भगवद् गीता की ऐतिहासिक गरिमा और उसके महत्व को समाज तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि भगवद् गीता के 700 श्लोक जीवन की हर परिस्थिति में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

रंगनाथ महतो ने कहा कि अन्य धर्मग्रंथों की तुलना में भगवद् गीता की जयंती इसलिए मनाई जाती है, क्योंकि इसका उपदेश स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र की भूमि पर मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी के दिन दिया था। उन्होंने युवाओं से सनातन परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को समझने तथा उनसे जुड़ने का आह्वान किया।

श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण सामूहिक प्रयासों और लंबे संघर्ष का परिणाम है। यह सहज रूप से प्राप्त नहीं हुआ, बल्कि इसके लिए लाखों लोगों ने अपना बलिदान दिया। उन्होंने समाज में एकता बनाए रखने और विभाजनकारी प्रवृत्तियों से सतर्क रहने की अपील की।

रंगनाथ महतो ने बांग्लादेश की वर्तमान परिस्थितियों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वर्ष 1971 में भारत की सेना ने बांग्लादेशी नागरिकों की जान-माल और सम्मान की रक्षा की थी। उन्होंने भारत सरकार से अपील की कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाए जाएं।

शौर्य संचलन में महानगर के सभी नगरों से विहिपझबजरंग दल, दुगार्वाहिनी, मातृशक्ति सहित सैकड़ों कार्यकताओं के साथ बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग शामिल हुए। घोष दल अग्रिम पंक्ति में अपने वादन के साथ चल रहा था, जिसके पीछे गणवेशधारी बजरंग दल के कार्यकर्ता और अन्य संगठनों के लोग अनुशासित ढंग से चल रहे थे। संचलन के दौरान ह्नजय श्रीरामह्न, ह्नभारत माता की जयह्न सहित अन्य नारे गूंजते रहे।

संचलन को देखते हुए चुटिया और आसपास के क्षेत्रों में रांची जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

स्थानीय हिंदू, धार्मिक और सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर तथा शरबत, जल और चना वितरण के स्टॉल लगाकर संचलन का स्वागत किया।

शौर्य संचलन शास्त्री मैदान से प्रारंभ होकर सरस्वती शिशु मंदिर, मंडा टांड़, श्रीराम मंदिर, इंदिरा गांधी चौक, बहुबाजार, गणपत नगर और ऑक्सफोर्ड स्कूल होते हुए पुनः शास्त्री मैदान पहुंचकर संपन्न हुआ। समापन स्थल पर प्रसाद की व्यवस्था की गई थी।

इस अवसर पर प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र, प्रचार-प्रसार प्रांत प्रमुख प्रकाश रंजन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रांची विभाग बौद्धिक प्रमुख आशुतोष द्विवेदी, बजरंग दल प्रांत सह विद्यार्थी प्रमुख अमर प्रसाद, दुगार्वाहिनी प्रांत सह संयोजिका कीर्ति गौरव सहित बड़ी संख्या मं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

›››: संक्षिप्त खबर :‹‹‹

विश्वंभर फाउंडेशन के वार्षिक पंचांग का विमोचन

रांची, विश्वंभर फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को वार्षिक पंचांग सह कैलेंडर पंचांगझ2026 का विमोचन किया गया। हरमू स्थित बसंत बिहार के भगवती एम्पायर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत जयझजय भैरवी गीत के साथ हुई, वहीं बालिका आशी के स्वागत गान ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पंचांग का विमोचन बिहार विधानसभा के पूर्व अधिकारी और समाजसेवी अयोध्यानाथ मिश्र ने किया। उन्होंने इसे भारतीय संस्कृति, परंपरा और समृद्ध अतीत का सशक्त दस्तावेज बताया। मिश्र ने कहा कि विश्वंभर फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य, पौधरोपण और साहित्य जैसे क्षेत्रों में लगातार सराहनीय कार्य कर रहा है। फाउंडेशन के सचिव नवीन कुमार झा ने कि यह पंचांग केवल तिथियों का संकलन नहीं, बल्कि काल, संस्कृति और जीवन दर्शन का परिचायक है, जो भविष्य की दिशा भी दिखाता है। मंच संचालन कौशल झा ने किया। कार्यक्रम में गायक यतीन्द्र नाथ दास और अश्वनी झा ने अपनी प्रस्तुति से सांस्कृतिक रंग बिखेरा। मौके पर प्रभास चंद्र मिश्रा, डॉ विजय कुमार दास, सुशील कुमार मिश्र, श्रीकांत झा, बिनोदानंद झा सहित अनेक गणमान्य सहित अन्य मौजूद थे।

एचईसी कर्मियों को 31 माह से वेतन नहीं, प्रबंधन की सुविधाओं पर उठे सवाल

रांची, हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी) के मजदूर और कर्मचारी पिछले लंबे समय से गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। एचईसी मजदूर संघ के महामंत्री रमाशंकर प्रसाद ने आरोप लगाया कि जहां एक ओर मजदूरों को 28 माह और अधिकारियों को 31 माह से वेतन नहीं मिला है, वहीं दूसरी ओर प्रबंधन निदेशकों की सुविधाओं पर लाखों रुपये खर्च कर रहा है। उन्होंने बताया कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे कर्मचारियों के बीच 18 नई नेक्सॉन यूवी और इलेक्ट्रिक कार खरीदने का प्रस्ताव प्रबंधन की प्राथमिकताओं पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। मजदूरों के सामने परिवार चलाने और इलाज कराने तक का संकट है, जबकि निदेशकों को निजी वाहन, लिफ्ट, मिनरल वाटर, बड़े टीवी और आलीशान कार्यालय उपलब्ध कराए गए हैं। मजदूर क्वार्टरों की हालत जर्जर बताई गई है। बरसात में घरों में पानी भर जाता है, दीवारों में करंट की शिकायत है, लेकिन मरम्मत नहीं हो रही।

कार्यस्थलों पर पीने के पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है, इससे महिला कर्मियों को विशेष परेशानी हो रही है। संघ ने चिकित्सा सुविधाओं की बदहाली का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार से सख्त निगरानी और तत्काल वेतन भुगतान की मांग की है। मजदूरों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो स्थिति और भयावह हो सकती है।

सीबीएसई का कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम संपन्न, शिक्षण को रोचक बनाने पर रहा जोर

रांची, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से रविवार को कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय स्टोरी टेलिंग ऐज पेडगॉजी रहा, जिसका उद्देश्य शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, रोचक और छात्र-केंद्रित बनाना था।

कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) हजारीबाग की प्राचार्या प्रेमलता तथा विद्या विकास पब्लिक स्कूल, रांची के प्रधानाध्यापक संजीव कुमार चक्रवर्ती उपस्थित रहे। दोनों विशेषज्ञों ने शिक्षण में कहानी कहने की विधा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्टोरी टेलिंग के माध्यम से विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता, समझ और रचनात्मक सोच को किस प्रकार विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कक्षा शिक्षण में कहानियों के व्यावहारिक उपयोग से जुड़े कई उपयोगी उदाहरण भी प्रस्तुत किए।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा के कुल 60 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नई शिक्षण तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। शिक्षकों ने सत्र को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया। समापन अवसर पर वेन्यू डायरेक्टर एवं विद्यालय के प्राचार्य ललन कुमार ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के कौशल संवर्धन के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारत का पहला फैटी लिवर मुक्त शहर बनेगा रांची : संजय सेठ

रोटरी डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस समागम का समापन

रांची, रोटरी क्लब रांची के तत्वावधान में रांची क्लब परिसर में आयोजित तीन दिवसीय रोटरी डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस ह्नसमागमह्न का समापन रविवार को हुआ। अंतिम दिन कार्यक्रम की शुरूआत प्रेसिडेंट इलेक्ट ललित त्रिपाठी ने की।

ललित त्रिपाठी ने दूसरे दिन के सत्र की समीक्षा करते हुए रोटरी द्वारा संचालित सेवा कार्यों की प्रगति और भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रोटरी समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

अंतिम दिन के मुख्य वक्ता केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रांची को देश का पहला फैटी लिवर मुक्त शहर बनाने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। इसी अभियान के तहत फैटी लिवर की जांच और जन-जागरूकता के लिए छह करोड़ रुपये की लागत से चार अत्याधुनिक मोबाइल वैन शीघ्र ही रोटरी को दी जाएंगी। ये वैन रांची शहर के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण इलाकों में जाकर लोगों की स्क्रीनिंग करेंगी। उन्होंने कहा कि बीमारी से लड़ने का सबसे प्रभावी तरीका उसकी समय पर पहचान है। यह अभियान केवल इलाज तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक जन-जागरूकता का प्रयास है, जिसमें रोटरी की भूमिका अहम होगी।संजय सेठ ने रोटरी के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में रोटरी का योगदान प्रेरणादायी और अनुकरणीय रहा है। रोटरी केवल सेवा कार्य नहीं करती, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की मजबूत नींव रखती है।

महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि रोटरी के माध्यम से आगामी माह तीन करोड़ रुपये की सिलाई मशीनें महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रदान की जाएंगी। इससे हजारों महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में सहायता मिलेगी और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

सम्मेलन के तीसरे दिन काउंसिल ऑफ लेजिस्लेशन के चुनाव भी संपन्न हुए, जिसमें सत्र 2026झ29 के लिए पीडीजी जोगेश गंभीर एवं सत्र 2028झ29 के लिए गवर्नर पद पर डॉ. अजय कुमार इलेक्ट हुए। चुनाव प्रक्रिया इलेक्शन ऑब्जर्वर पीडीजी दीपक कुमार, चेयरमैन पीडीजी राकेश प्रसाद, पीडीजी शिवप्रकाश बागड़िया और बैलेटिंग कमेटी चेयरमैन पीडीजी डॉ. बिंदु सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। संपूर्ण चुनावी प्रक्रिया का संचालन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नम्रता की देखरेख में किया गया।

कार्यक्रम का संचालन शाहिद पॉल और अजय छाबड़ा ने संयुक्त रूप से किया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में रोटरी सदस्य, पदाधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फरवरी 2026 में दामोदर नदी के प्रदूषण का फिर होगा अध्ययन : सरयू

रांची, दामोदर बचाओ आंदोलन के प्रणेता सह विधायक सरयू राय ने कहा कि फरवरी 2026 में दामोदर नदी के प्रदूषण का एक बार फिर गहन अध्ययन किया जाएगा। इस अध्ययन में जर्मनी के पर्यावरणविद हस्को भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि नदी को गंदा करने से बचना होगा, क्योंकि हर मानसून में दामोदर स्वयं को शुद्ध करने की क्षमता रखती है। सरयू राय रविवार को युगांतर भारती, नेचर फाउंडेशन और आईआईटी (आईएसएम) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी और युगांतर भारती की वार्षिक आम सभा में बोल रहे थे। राय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर देश में पर्याप्त कानून हैं, लेकिन उनका पालन नहीं हो रहा है। यदि सख्ती से कार्रवाई हो, तो प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। कार्यक्रम में युगांतर भारती के अध्यक्ष अंशुल शरण ने कहा कि पहले दामोदर का पानी कोई नहीं पीता था, लेकिन आज लोग इसका उपयोग कर रहे हैं और नदी में छठ जैसे पर्व फिर से होने लगे हैं। आईआईटी (आईएसएम) के प्रो अंशुमाली ने चेतावनी दिया कि नदियां खत्म हुईं तो इंसानी सभ्यता भी संकट में पड़ जाएगी। वहीं सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी संजय रंजन सिंह ने हाइड्रोजन और न्यूक्लियर ऊर्जा को भविष्य का समाधान बताया। सभा में पर्यावरण, उद्योग और सतत विकास पर गहन मंथन हुआ और स्मारिका का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

कांग्रेस के मीडिया टैलेंट हंट के अंतिम चरण में 70 प्रतिभागियों ने लिया भाग

रांची, मीडिया टैलेंट हंट के तहत अंतिम चयन के लिए राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागियों का साक्षात्कार और विभिन्न स्तरों पर जांच प्रक्रिया कांग्रेस भवन में रविवार को संपन्न हुई।

इस अवसर पर राज्य भर के आए प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि टैलेंट हंट के माध्यम से झारखंड के प्रतिभाशाली लोगों को सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे प्रतिभावान लोग जो कांग्रेस की नीतियों सिद्धांतों के प्रति आदर रखते हैं और कांग्रेस के विचारों को लोगों तक प्रभावशाली तरीके से पहुंचाने की क्षमता रखते हैं उनकी खोज उन्हें संगठन से जोड़ने का प्रयास टैलेंट हंट के माध्यम से किया जा रहा है।इस पूरी कवायद के माध्यम से आए लोग राष्ट्रीय राज्य स्तर पर मीडिया और संचार विभाग के अंतर्गत आने वाले पदों पर नियुक्त होंगे। इस पूरी प्रक्रिया से काफी नए लोग जो कांग्रेस के विचारों को लोगों तक पहुंचाना चाहते थे, लेकिन उन्हें उचित माध्यम नहीं मिल पा रहा था। टैलेंट हंट से उन्हें मौका मिला है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नए और ऊजार्वान लोगों के जुड़ने से निश्चित रूप से संगठन को मजबूती मिलेगी। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि टैलेंट हंट के अंतिम चरण में 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनकी क्षमता का आकलन विभिन्न स्तरों पर किया गया। उन्होंने कहा कि लेखन,ग्रुप डिस्कशन मौखिक साक्षात्कार सहित अन्य स्तरों पर प्रतिभागियों की जांच की गई, ताकि अंतिम रूप से चयनित प्रतिभागी कांग्रेस को मजबूत करने में अपना योगदान दे सकें। एक माह से चल रहे विभिन्न स्तरों पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने संपर्क साध कर संगठन से जुड़ना चाहा। साक्षात्कार में मुख्य रूप से टैलेंट हंट के झारखंड कोऑर्डिनेटर डॉ हामिद हुसैन, मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी, वरिष्ठ पत्रकार शशि सिंह, राकेश रंजन ने प्रतिभागियों का आकलन विभिन्न चरणों में किया।

झारखंड राज्य सीनियर सुपर स्पीड खो-खो खुली चयन प्रतियोगिता सम्पन्न

रांची, राजधानी रांची के धुर्वा स्थित सेक्टर-2 के बंगीय सांस्कृतिक परिषद उच्च विद्यालय में रविवार को झारखंड राज्य स्तरीय सुपर स्पीड खो-खो खुली बालकझबालिका चयन प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। प्रतियोगिता में रांची, धनबाद, लातेहार, गढ़वा, सिमडेगा, रामगढ़, हजारीबाग, चतरा और लोहरदगा सहित राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 90 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में टाटा डीएवी चैनपुर, रामगढ़ की बालक टीम की ओर से वतन कुमार, रंजीत कुमार, आयन प्रसाद, अक्षत कुमार, मोहम्मद अर्ष, राजवीर कुमार, लखराज, सौरभ कुमार और आशिष कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

खुली चयन प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि धुर्वा सेक्टर-2 स्थित बीएसपी विद्यालय के सचिव सजल बनर्जी, विशिष्ट अतिथि कार्तिक उरांव तथा सुपर स्पीड प्रशिक्षण केंद्र, बाल विकास आवासीय विद्यालय रातू के अध्यक्ष रंजीत तिर्की ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर डीएवी टाटा चैनपुर, रामगढ़ के प्राचार्य तारकेश्वर कुमार ने भी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। चयन प्रक्रिया में रिया सिंह, सन्नी कुमार, अभिषेक उरांव, शिवम नायक, प्रीति प्रजापति एवं सोनाली होरो ने निर्णायक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरी प्रतियोगिता का संचालन झारखंड राज्य सुपर स्पीड खो-खो संघ के अध्यक्ष डॉ. अजय झा ने किया। उन्होंने बताया कि चयनित झारखंड बालकझबालिका खो-खो टीम का प्रशिक्षण शिविर 26 दिसंबर से 5 जनवरी 2026 तक बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय में आयोजित किया जाएगा। डॉ. झा ने जानकारी दी कि चयनित झारखंड सीनियर बालकझबालिका खो-खो टीम 9 से 11 जनवरी तक गुरुग्राम (हरियाणा) में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। टीम 7 जनवरी को हटिया रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेगी।

संतोष ट्रॉफी: ग्रुप उ के मुकाबलों में दिल्ली ने झारखंड को तो रेलवे ने बिहार को हराया

रांची। 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी 2025-26 के तहत ग्रुप उ के मुकाबले राजधानी रांची के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए. जहां रेलवे और दिल्ली की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत दर्ज की. दिन के दोनों मुकाबले एकतरफा रहे और दर्शकों को तेज, आक्रामक फुटबॉल देखने को मिला. दिन का पहला मुकाबला रेलवे और बिहार के बीच खेला गया, जिसमें रेलवे की टीम ने बिहार को 7झ0 के बड़े अंतर से पराजित किया. मैच की शुरूआत से ही रेलवे ने दबदबा बना लिया और लगातार आक्रमण करते हुए बिहार की रक्षापंक्ति को पूरी तरह बिखेर दिया.

रेलवे की ओर से सौरभ ने 62वें और 68वें मिनट में दो अहम गोल किए. वहीं इमरसन ने मैच के अंतिम क्षणों में 89वें और 93वें मिनट में दो गोल दागकर जीत को और भी शानदार बना दिया. इसके अलावा ऊर्जा, नरेश और अविनाश ने एक-एक गोल कर रेलवे की बड़ी जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया. बिहार की टीम पूरे मैच में संघर्ष करती नजर आई, लेकिन कोई भी गोल करने में सफल नहीं हो सकी.

दिन का दूसरा मुकाबला मेजबान झारखंड और दिल्ली के बीच खेला गया, जिसमें दिल्ली ने झारखंड को 8झ1 से करारी शिकस्त दी. दिल्ली की टीम ने शुरूआत से ही तेज रफ्तार खेल दिखाया और लगातार गोल करते हुए झारखंड को बैकफुट पर धकेल दिया. दिल्ली के कप्तान हिमांशु राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक लगाई, जबकि शिखर ने चार गोल दागकर मैच के स्टार खिलाड़ी बने. एजाज अहमद ने भी एक गोल कर दिल्ली की जीत में योगदान दिया. झारखंड की ओर से एकमात्र सांत्वना गोल निखिल बारला ने 86वें मिनट में किया, लेकिन तब तक मैच पूरी तरह दिल्ली के पक्ष में जा चुका था.

वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा-

सरकार वैश्य ओबीसी के साथ छल कर रही है

- 25 दिसंबर से सदस्यता अभियान की शुरूआत
- 1 जनवरी से झंडा लगाओ अभियान
- 30 जनवरी को भुरकुंडा में वैश्य सद्भावना महासम्मेलन
- 23 मार्च को रांची में छात्र-युवा महासम्मेलन

संवाददाता । रांची

रांची, 21 दिसंबर : आज रांची के रेडियम रोड़ स्थित आलोका सभागार में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा द्वारा प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया. प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि आने वाला वर्ष 2026 वैश्य मोर्चा के लिए संघर्ष का वर्ष होगा. केंद्रीय अध्यक्ष साहु ने कहा कि संविधान में वैश्य एवं पिछड़ों के समग्र विकास के लिए काफी प्रावधान किए गए हैं, लेकिन सरकार और प्रशासन द्वारा लगातार अनदेखी की जाती रही है. यह काफी दुखद है. लेकिन अब इसका जवाब आंदोलन से ही दिया जायेगा. हम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी वंशज और अनुयाई हैं. आंदोलन से सरकार और प्रशासन को झुकने पर मजबूर कर देंगे. 20 दिसंबर को वैश्य मोर्चा के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पदाधिकारियों एवं सदस्यों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में जुझारू आंदोलन शुरू करें. अब उपेक्षा और जुल्म बर्दाश्त नहीं किया जायेगा.

श्री साहु ने कहा कि नगर निकाय चुनाव में भी वैश्य ओबीसी के साथ छल किया जा रहा है. राज्य निर्वाचन आयोग कह रही है कि ओबीसी को सबसे अंत में आरक्षण दिया जायेगा. जबकि झारखंड में ओबीसी की आबादी सबसे ज्यादा है और संवैधानिक तौर पर पहला हक ओबीसी का ही बनता है. वैश्य मोर्चा माँग करती है कि चाईबासा नगर परिषद में ओबीसी की आबादी 54% से अधिक है, इसलिए सरकार चाईबासा नगर परिषद को तत्काल ओबीसी के लिए आरक्षित करने की घोषणा करे. इसके लिए कल 22 दिसंबर को मुख्यमंत्री एवं राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र दिया जायेगा. श्री साहु ने कहा कि शपथ ग्रहण कार्यक्रम में सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं जिलाध्यक्ष को निर्देश दिया गया कि 1 जनवरी को अपने-अपने घरों, प्रतिष्ठानों में वैश्य मोर्चा का झंडा लगा कर झंडा लगाओ अभियान की शुरूआत करेंगे. इसके पूर्व 25 दिसंबर से आम वैश्यजनों को संगठन से जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान की शुरूआत की जायेगी. यह भी तय किया गया कि आंदोलन को धारदार बनाने के लिए सभी स्तर के पदाधिकारियों का आगामी 18 जनवरी को रांची में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा. जबकि 30 जनवरी को भुरकुंडा में वैश्य सद्भावना सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा. उसके बाद 23 मार्च को रांची में छात्र युवा महासम्मेलन का आयोजन किया जायेगा. इसके पूर्व केंद्रीय पदाधिकारी और जिलाध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्र में बैठक करके समाज के बुनियादी मुद्दों को जानने का काम करेंगे.

इस अवसर पर रांची नव नियुक्त जिलाध्यक्ष कृष्णदेव साहु को केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु एवं कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु ने माला पहना कर और बुके दे कर सम्मानित किया.

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु, वरीय उपाध्यक्ष अधिवक्ता सहदेव चौधरी, प्रधान महासचिव बीरेन्द्र कुमार, केंद्रीय महासचिव चतुर साहु, मीडिया प्रभारी राहुल कुमार साहु, जिलाध्यक्ष कृष्णदेव साहु (रांची), युवा मोर्चा अध्यक्ष हलधर साहु, सचिव आदित्य पोद्दार, छात्र मोर्चा सचिव मनोज चौरसिया मुख्य रूप से शामिल थे.

अंजुमन इस्लामिया, रांची – चुनाव 2025

ड्राफ्ट सूची का उद्देश्य जनता को त्रुटियों की पहचान करने का अवसर प्रदान करना तथा पारदर्शिता को और अधिक मजबूत बनाना।

संवाददाता । रांची

रांची, किसी भी संगठन या संस्था में पारदर्शी, निष्पक्ष और ईमानदार चुनाव एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील चरण होता है।इसी चुनावी प्रक्रिया का एक मूलभूत हिस्सा ड्राफ्ट सूची का निर्माण और उसका प्रकाशन है। यह बात स्पष्ट रहनी चाहिए कि ड्राफ्ट सूची अंतिम सूची नहीं होती, बल्कि यह एक प्रारंभिक चरण है, जिसका उद्देश्य जनता के समक्ष जानकारी रखना, त्रुटियों की पहचान का अवसर प्रदान करना और पारदर्शिता को और अधिक मजबूत बनाना होता है।इस चरण में आपत्ति, संशोधन और मार्गदर्शन की गुंजाइश रखी जाती है, ताकि यदि किसी नाम, विवरण या पात्रता के संबंध में कोई कमी या त्रुटि रह गई हो तो उसे समय रहते सुधारा जा सके।यह समझना भी अत्यंत आवश्यक है कि ड्राफ्ट सूची में किसी नाम का शामिल होना या हटाया जाना न तो किसी का अपमान है और न ही किसी के अधिकार का अंतिम निर्णय।किसी नाम का शामिल होना या हटाया जाना चुनावी प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा है।बहरहाल, ड्राफ्ट सूची केवल एक प्रारूप होती है, जिस पर जनमत और आपत्तियों के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाता है।इस प्रकार चुनावी प्रक्रिया में जनता की भी भागीदारी सुनिश्चित होती है।अतः ड्राफ्ट सूची जारी करते समय प्रेस कॉन्फ्रेंस और प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट रूप से कहा और लिखा गया कि–

ह्यह सूची ड्राफ्ट है, अंतिम नहीं। इसका उद्देश्य सदस्यों को जांच-पड़ताल एवं सत्यापन का मौका देना है, ताकि किसी भी प्रकार की गलती, दोहराव या कमी की पहचान की जा सके तथा जिनके नाम छूट गए हों, उन्हें अपनी सदस्यता साबित कर सूची में शामिल होने का मौका मिल सके। साथ ही सदस्यों को अपने नाम, पिता का नाम, पता, फोटो, मोबाइल नंबर, पंचायत, संस्था तथा अन्य आवश्यक विवरण सही हैं या नहीं, इसकी जांच का अवसर देना भी इसका उद्देश्य है। यदि किसी व्यक्ति को ड्राफ्ट सूची में दर्ज किसी भी जानकारी के संबंध में आपत्ति हो या सुधार आवश्यक हो, अथवा अपने नाम आदि से संबंधित कोई गलती दिखाई दे, किसी का नाम गलत चढ़ गया हो, यदि किसी योग्य व्यक्ति का नाम सूची में शामिल नहीं हुआ हो, या किसी अयोग्य व्यक्ति का नाम गलती से दर्ज हो गया हो, तो वह अपनी शिकायत या सुधार के लिए अपने हस्ताक्षर के साथ लिखित आवेदन चुनावी कार्यालय में जमा कर सकता हैइतनी स्पष्टता के बावजूद दुर्भाग्यवश ड्राफ्ट सूची के प्रकाशन के तुरंत बाद से कुछ हलकों में बिना जाँच-पड़ताल और बिना प्रमाण शंकाएँ, बदगुमानियाँ और अनुचित आपत्तियाँ उत्पन्न की जा रही हैं, जिससे न केवल चुनावी प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है बल्कि संस्था की साख को भी नुकसान पहुँच सकता है। पारदर्शी चुनाव केवल चुनावी कार्यालय की ही जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक जागरूक व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी है। अतः जनता से विनम्र अपील है कि अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें और अफवाहों, अटकलों तथा सुनी-सुनाई बातों से परहेज करें।यदि किसी प्रकार की कोई आपत्ति, संशोधन या सुझाव देना हो, तो निर्धारित प्रक्रिया और समय के भीतर लिखित रूप में अवगत कराएँ।सकारात्मक, रचनात्मक और गरिमामय सहयोग के माध्यम से चुनावी प्रक्रिया को सफल बनाएँ।याद रखिए, अनुचित बदगुमानी संस्थाओं को कमजोर करती है,

हुदाईबिया इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिक खेल दिवस सफलतापूर्वक संपन्न

संवाददाता । रांची

रांची।हुदाईबिया इंटरनेशनल स्कूल, कांके, रांची में आयोजित वार्षिक खेल दिवस बहुत ही उत्साह और जोश के साथ संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि श्री सुरेश कुमार बैठा ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और छात्रों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिताओं की झलकः

- कबड्डी, खो-खो, टग ऑफ वॉर में जमकर हुआ मुकाबला !
- परेड और ड्रिल्स में छात्रों ने दिखाया अद्भुत तालमेल।

विजेताओं को पुरस्कार मुख्य अतिथि और विद्यालय के प्रधानाचार्य जेबा, डायरेक्टर सैयद अब्दुलमाजिद, और सीओओ रिजवान अहमद ने वितरित किए।

अभिभावकों का भरपूर सहयोग मिला, और छात्रों का उत्साह देखते ही बनता था ! शानदार कार्यक्रम के लिए सभी को बधाई दी गई।

'कायस्थ व्यवसाय निर्देशिका' का भव्य लोकार्पण

सम्मानित किये गए प्रेस क्लब के अध्यक्ष एवं सचिव

संवाददाता । रांची

रांची` अखिल भारतीय कायस्थ महासभा (एबीकेएम) की व्यापारिक प्रकोष्ठ की ओर से 'कायस्थ व्यवसाय निर्देशिका' का लोकार्पण रविवार शाम को किया गया। कड़रू रोड स्थित होटल पर्ल में आयोजित कार्यक्रम में महासभा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष मुकेश कुमार बतौर मुख्य अतिथि और महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सी.बी. सहाय बतौर सम्मानित अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कायस्थ समुदाय के व्यावसायिक विकास, आपसी सहयोग और नेटवर्किंग के लिए इस निर्देशिका को मील का पत्थर बताया मौके पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष शंभू चौधरी एवं सचिव ए सिन्हा को सम्मानित किया गया। साथ ही पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रवि कुमार ने की। इस अवसर पर सुमित बरियार, अस्था किरण, रजनीश सिन्हा, कृष्ण कांत, सुधा रानी, सजल सहाय, सदन सिन्हा, राहुल कश्यप, राजेश सिन्हा, सत्या सिन्हा, सुशील लाल, दीपक मलिक, दया शंकर वर्मा, डॉ. मधु एवं विवेक अखौरी समेत महासभा के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

माउंट हेरा स्कूल इरबा में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

सफलता के लिए कड़ी मेहनत और इच्छा शक्ति जरूरःरामटहल चौधरी

संवाददाता । रांची

ओरमांझी।माउंट हेरा स्कूल इरबा में रविवार को शैक्षिक गतिविधियों से सजा एक दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित किया गया।इस प्रतियोगिता में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्साह और उमंग के साथ अपनी प्रतिभा का मनमोहक प्रदर्शन किया। खेलकूद में बच्चों ने मैदान में खूब पसीना बहाया।इस दौरान पूरे विद्यालय परिसर में उत्सवी माहौल रहा।प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मेमेंटो,मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर स्कूल प्रबंधन द्वारा सम्मानित किया गया।उपहार पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने अपने संबोधन में बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि पठन-पाठन के साथ खेलकूद शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए जरूरी है।सफलता के लिए कड़ी मेहनत और इच्छा शक्ति की जरूरत होती हैं। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंची जिला परिषद सदस्य पूर्वी सरिता देवी ने कहा कि खेलकूद जीवन में अनुशासन और संगठित रहने का तरीका सिखाता है.वहीं उन्होंने बच्चों से कहा कि मोबाइल में समय बिताने से अच्छा है खेलकूद कर अपना शरीर को बेहतर बनाएं।वहीं स्कूल के सचिव अंजुम परवीन ने बताया कि हमारे स्कूल में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ को खेलकूद में आगे लाने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है,ताकि बच्चे समाज और राष्ट्र निर्माण में अपना सराहनीय योगदान दे सके।इस एक दिवसीय स्पोर्ट्स मीट में युवा समाज सेवी सरफराज शाहीदी,शाहजहां अंसारी, मौलाना महफूज आलम,शम्स नदीम,रूफी परवीन,रूही परवीन शाजिया परवीन,शबनम परवीन,शाहिन परवीन,मंजर इमाम,आशिया रहमान शिफा सईद,असलम अंसारी,निभा खालको,नीलोफर परवीन सहित स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिकायें व अभिभावक उपस्थित थे।

अबुआ हेमंत सोरेन सरकार , आंदोलनकारियों को अपमानित करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही करें : पुष्कर महतो

संवाददाता

- झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष गुमला , बिशुनपुर की बैठक बनारी पंचायत भवन में सम्पन्न
- 3 जनवरी को रांची में आयोजित मुख्यमंत्री आभार यात्रा में भाग लेंने का निर्णय

बनारीः झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष गुमला , बिशुनपुर की बैठक बनारी पंचायत भवन में हुई. बैठक में झारखंड आंदोलनकारियों के राजकीय मान सम्मान, अलग पहचान, बाल - बच्चों के रोजी रोजगार नियोजन की सौ प्रतिशत गारंटी करने तथा जेल जाने के बाध्यता समाप्त कर सभी को सम्मान पेंशन राशि 50 - 50 हजार रु. देने की मांग सरकार से की गई. साथ ही आंदोलनकारियों को निशुल्क मेडिकल सुविधा तथा 10-10 लाख रु का समूह बीमा देने की मांग की गई. बैठक में निर्णय लिया गया कि 3 जनवरी 2026 मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती के अवसर पर रांची में मुख्यमंत्री आभार यात्रा में भाग लेने का निर्णय लिया गया. मौके पर

मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों के लिए अबुआ सरकार है लेकिन दिकू राज व्यवस्था होने के कारण सहज सरल रूप से झारखंड आंदोलनकारियों के अधिकारों की रक्षा की गारंटी नहीं हो पा रहे हैं. अभी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आंदोलनकारियों के आश्रितों के नियोजन में 5 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने हेतु गजट नोटिफिकेशन किया है. साथ ही आंदोलनकारियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है. लेकिन गुमला जिला सहित कई जिला के उपायुक्त ने आंदोलनकारियों को प्रमाण पत्र न देकर अपमानित किया है एवं सरकार के आदेश का उल्लंघन किया है. ऐसे दिकू उपायुक्तों को चिन्हित कर समुचित कार्यवाही सुनिश्चित करें.

उन्होंने मांग की कि उत्तराखंड के आंदोलनकारियों को देय सुविधाओं के अनुरूप झारखंड आंदोलनकारियों को भी दिए जाएं. उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों को अपने बाल बच्चों के अधिकारो की रक्षा के पूरी तन्मयता से जागरूक रहना है. झारखंड आंदोलनकारी अपने अधिकारों की हकमरी ना होने दे.इस अवसर विशिष्ट अतिथि दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल रोजलीन तिर्की ने कहा कि जल, जंगल, जमीन व अपने अस्तित्व अस्मिता की रक्षा की लड़ाई के साथ माय माटी के मूल्यों के लिए संघर्ष करत्ते हजारों लोगों ने शहादत दी हैं.

ब्रीफ न्यूज

जलेस रांची की ऑनलाइन बैठक कुमार बृजेंद्र और डॉक्टर किरण जी की संयुक्त अध्यक्षता में सम्पन्न हुई.

संवाददाता ।

आज दिनांक 21 दिसंबर अपरा 3 बजे जलेस रांची की ऑनलाइन बैठक कुमार बृजेंद्र और डॉक्टर किरण जी की संयुक्त अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. जलेस सचिव ने दिल्ली में 14 दिसंबर को केंद्रीय कार्यकारिणी में लिए गए निर्णय से अवगत कराते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष 14 फरवरी को जलेस का स्थापना दिवस एवं 9 नवंबर को विश्व उर्दू दिवस मनाया जाएगा. तथा जनवरी 2026 से मार्च 2026 तक सदस्यता नवीकरण कराया जाएगा . जनवरी 26 से वार्षिक शुल्क ?30/- होगा.आम सहमति से निर्णय लिया गया कि 1. 23 दिसंबर को ऑड्रे हाउस में जन जातीय महोत्सव में जलेस रांची का बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी डॉ आलम आरा और सुकेशी कर्मकार को दी गई. 2. संयोजकों (2)से आग्रह है कविता पाठ करने वालों की सूची 22 दिसंबर तक ग्रुप में शेयर कर दी जाय.3. केंद्रीय कार्यकारिणी के निर्णयानुसार राज्य परिषद की प्रस्तावित बैठक में रांची ज़िला के राज्य परिषद के सदस्य अवश्य अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे.4. जनवरी 26 से सदस्यता अभियान चलाए जाने का प्रयास किया जाएगा. बैठक को अपराजिता मिश्रा, डॉ अशरफ अली, डॉ शांति खलको, रवि कुमार, फि रदौस जहां, आलम आरा,नाहिद साहेबा, सुधीर पाल,कुमार बृजेंद्र,डॉ किरण आदि ने अपने विचार रखे .बैठक का संचालन एम जेड खान ने किया.बैठक में सैयद उजैर अहमद,सुधीर साहू, समीउल्लाह खान, कलाम खान भी उपस्थित थे.

उदयन पब्लिक स्कूल में किया गया वन भोज कार्यक्रम का आयोजन

बच्चों संग शिक्षकों ने लिया वन भोज का आनंद

संवाददाता ।

सिमरिया : प्रखंड क्षेत्र के तेतरमोड़ स्थित उदयन पब्लिक स्कूल में वन भोज कार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय साइंस ओलिंपियाड फाउंडेशन के द्वारा आयोजित ओलंपियाड एग्जामिनेशन में बच्चों के द्वारा बेहतरीन प्रदर्शन करने पर आयोजन किया गया।वनभोज में विद्यालय के सभी बच्चों ने अपने वर्ग शिक्षकों के साथ खूब मौज मस्ती की।इस दौरान सभी वर्गों के बच्चों के लिए अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ खेल कूद में भी बढ चढ़ कर हिस्सा लिया।खेलकूद में खो-खो, कबड्डी, वालीबाल इत्यादि छोटे बच्चों के लिए संगीतमय कुर्सी, बोतल रेस, इत्यादि का आयोजन खेलकूद शिक्षक मोहम्मद एनुल एवं राहुल यादव के नेतृत्व में किया गया।सभी बच्चों ने मौज मस्ती के साथ-साथ स्वादिष्ट व्यंजन का भी खूब लुफ़्त उठाया।कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति की ओर से सचिव डॉ. चेतलाल प्रसाद, कोषाध्यक्ष मनोज चंद्रा,प्रबंधन समिति सदस्य प्रेमलता चंद्रा, प्रशासन प्रबंधन राजकुमार साहू, प्राचार्या शैली राय चौधरी, सभी शिक्षण कर्मचारी एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने बढ़ चलकर भाग लिया।

श्रीमती दुर्ग राय गुप्ता सम्मानित

संवाददाता ।

रांची ।ज्योतिष चिकित्सक, रांची मान्यचक्र के उद्योक्ता त्ता श्रीमति दुर्ग रायगुप्ता ने 19.12.2025 में निल शिंक फाउडेशन द्वारा आयोजित नई दिल्ली ₹कॉन्स्टिट्यूशन क्लब क्लव₹ में आयुस मंत्रालय में जुड़े डाः दिनेश उपाध्याय, उत्तराखंड के पूर्व केविनेट मंत्री माननीय श्री कमल सिंह नेगी, उप प्रभागीय व्यायाधीश श्री संजय गुप्ता जी द्वारा ₹ ल्ङ्क्ल्लङ्क१८ अ२३१ङ्क'ङ्क२३ अ६१ ङ्का 2025₹ को ग्रहण किए है. श्रीमती दर्ता जी ने माननीय कः दिवंश उपाध्धाय जी आयुष चिकित्सा के साथ ज्योतिष चिकिया को भी चिक्किस्था सहायक रूप से जोड़ने के लिए निवेदन किए है। और इसके द्वारा उन्होंने समाज सेवा करना चाहती है । दिनेश उपाध्याय जी ने उनको इस वात समाज पर ध्यान देने का आश्वासन दिए ।

विश्व ध्यान दिवस पर सेवा, साधना और संवेदना का संगम

संवाददाता ।

विश्व ध्यान दिवस के पावन अवसर पर श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम, पुंदाग स्थित सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन आश्रम में रह रहे दिव्यांग एवं निराश्रितजनों के साथ आत्मिक शांति, मानसिक एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा के संदेश के साथ मनाया गया।कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकाल पंडित अरविंद पांडे द्वारा कराए गए एकाग्र ध्यान से हुई। उन्होंने सरल एवं सहज विधि से उपस्थित सभी लोगों को ध्यान की प्रक्रिया करवाई, जिससे आश्रम में एक शांत, पवित्र और ऊर्जा से परिपूर्ण वातावरण बन गया। ध्यान सत्र के दौरान दिव्यांग एवं निराश्रितजनों ने पूरे मनोयोग से सहभागिता की और आत्मिक शांति का अनुभव किया। पंडित पांडे ने बताया कि नियमित ध्यान से मानसिक तनाव कम होता है, आत्मबल बढ़ता है तथा जीवन में संतुलन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है।आश्रम में प्रतिदिन योगाभ्यास भी कराया जाता है, जिससे यहां निवास कर रहे लोगों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हो रहा है। योग और ध्यान को जीवन का अभिन्न अंग बनाकर आश्रम मानव सेवा के साथ-साथ आत्मिक उत्थान का भी महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने विश्व ध्यान दिवस की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में ध्यान अत्यंत आवश्यक हो गया है। ध्यान न केवल मानसिक शांति प्रदान करता है, बल्कि व्यक्ति को स्वयं से जोड़ने का माध्यम भी बनता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सोच और संवेदना को बढ़ावा देते हैं।कार्यक्रम का समापन सेवा, सद्भाव और मानव कल्याण के संकल्प के साथ हुआ। विश्व ध्यान दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम यह संदेश देता है कि ध्यान और सेवा के माध्यम से समाज के हर वर्ग के जीवन में शांति और आशा का संचार किया जा सकता है।

मनरेगा से गांधी का नाम हटाने की साज़िश गरीबों और संविधान पर हमला : बिमला कुमारी

गांधी की विरासत की रक्षा को लेकर पलामू कांग्रेस का जोरदार विरोध प्रदर्शन

संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाने की कथित साजिश के विरोध में रविवार को पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में व्यापक धरना प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गांधी स्मृति भवन परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और धरना के साथ हुई। आंदोलन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष बिमला कुमारी ने किया। धरना को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष बिमला कुमारी ने कहा कि मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने की कोशिश केवल नाम परिवर्तन का मामला नहीं है, बल्कि यह गरीबों के रोजगार, उनके संवैधानिक अधिकारों और संविधान की मूल भावना पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के नाम से जुड़ी यह योजना करोड़ों ग्रामीण गरीबों के लिए आजीविका की जीवनरेखा रही है। उन्होंने केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि मनरेगा को कमजोर करने या गांधी का नाम हटाने की किसी भी कोशिश को कांग्रेस पार्टी किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगी। कांग्रेस सड़क से लेकर संसद तक इस मुद्दे पर निरंतर संघर्ष करती रहेगी। धरना प्रदर्शन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्यानंद दुबे, विनोद तिवारी, रामदेव यादव, ओमप्रकाश अमन, विश्राम दुबे, गोपाल त्रिपाठी, रुद्र शुक्ला, मुकेश सिंह, जितेंद्र कमलापुरी, राजेश चौरसिया, मुन्ना खान, गोपाल सिंह, अभिषेक तिवारी, धनंजय पाठक, अंकित सिंह, तुलसी पासवान, आशीष ठाकुर, सुधीर सिन्हा, शहजाद अली सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने एक स्वर में महात्मा गांधी की विरासत और मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया।

कोडरमा उपायुक्त ऋतुराज ने किया जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण व अलाव व्यवस्था का लिया जायजा

संवाददाता

कोडरमा : कड़ाके की ठंड और शीतलहर से आमजन को राहत दिलाने के उद्देश्य से उपायुक्त ऋतुराज बीती रात्रि में स्वयं निरीक्षण पर निकले। इस दौरान उन्होंने झुमरी तिलैया के झंडा चौक एवं कोडरमा रेलवे स्टेशन परिसर का दौरा कर गरीब, असहाय, निर्धन एवं दिव्यांग व्यक्तियों को अपने हाथों से कंबल वितरित किए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्टेशन परिसर में मौजूद लोगों से सीधे संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने झुमरी तिलैया के विभिन्न क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा की गई अलाव व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उपायुक्त ऋतुराज ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अलाव नियमित रूप से जलते रहें, लकड़ियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त अलाव की व्यवस्था की जाए, ताकि ठंड से किसी भी व्यक्ति को परेशानी न हो। इस अवसर पर उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा नगर परिषद क्षेत्र के साथ साथ जिले के सभी प्रखंडों में जरूरतमंद परिवारों के बीच लगातार कंबल वितरण अभियान चलाया जा रहा है। ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जिले एवं प्रखंडों के प्रमुख चौक चौराहों पर अलाव की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण पीड़ित न हो और जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचे। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, उप विकास आयुक्त रवि जैन, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह व अन्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

रविवार देर सुबह तक कोहरे की चादर से लिपटा रहा पतरातू घाटी, कमरे में कैद करते रहे मनोरम दृश्य को सैलानी

पतरातू: साल के विदाई और नए साल के स्वागत के लिए पतरातू डैम परिक्षेत्र के साथ पतरातू घाटी पूरी तरह तैयार है। नित्य प्रतिदिन देश के विभिन्न राज्यों से सैलानी पहुंच रहे हैं पतरातू क्षेत्र। इसके मनोरम दृश्य को अपने कैमरे में कैद करने को उत्सुक दिखते हैं सैलानी। इसी कड़ी में रविवार सुबह देर तक सूर्य देव के दर्शन नहीं होने के कारण कोहरे की चादर से लीपटा रहा पूरा पतरातू घाटी। जिसके मनोरम दृश्य को सैलानी अपने कैमरों में कैद करने को बेहद उत्सुक नजर आये। ऐसा हो भी क्यों ना, नजारा ही इतना खूबसूरत था। कोहरे की धुंध से कुछ भी साफ नजर नहीं आ रहा था मगर फिर भी सैलानी जुट रहे थे। कोहरे के छंटने का इंतजार करने के बाद सैलानीयों ने घाटी के मनोरम दृश्य का भरपूर आनंद उठाया।

विधायक ममता देवी के सौजन्य से जरूरतमंदों के बीच दर्जनों कंबलों का वितरण

दुलमी: दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सह जिला कांग्रेस प्रवक्ता एवं मीडिया चेयरमैन सुधीर मांगलेश के नेतृत्व में स्थानीय विधायक आदरणीय ममता देवी जी के सौजन्य से क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों के बीच दर्जनों कंबलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्री मांगलेश ने कहा कि ठंड के इस मौसम में गरीब एवं असहाय परिवारों को राहत पहुंचाना कांग्रेस पार्टी की प्राथमिकता है। विधायक ममता देवी जी हमेशा जनहित के कार्यों में आगे रहती हैं और उनके सहयोग से यह सेवा कार्य सफल हुआ। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है और आगे भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर जारी रहेंगे। कंबल वितरण कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, कांग्रेस कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिली।

डाटा कलाकार जगलाल महतो की पुण्यतिथि मनी

चोकाहात्तु: जुर्णे के मंजूर भवन में इप्टा के कलाकार जगलाल महतो का दूसरी पुण्यतिथि मनाई गई। मौके पर इप्टा कलाकार के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि जगलाल महतो इप्टा के एक बड़े कलाकार थे। छोटे मंच से कई बड़े मंच सैकड़ों कार्यक्रम में हिस्सा लेकर लोगों का मनोरंजन करने का काम किए थे। उनकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकता है। मौके पर मेघनाथ महतो, तेजनारायण करमाली, शिवनाथ महतो, बैजनाथ महतो, उमेश महतो, जानकी सिंह, जीवाधन सिंह, संजय घोषी, गंगा महतो, सुरेश रजवार, पांडेय रजवार, लखनलाल रजवार, महादेव महतो, टेकलाल महतो सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

चितरपुर मे अभियुक्त के घर मे रजरप्पा पुलिस ने इश्तिहार चिपकाया

रजरप्पा: चितरपुर प्रखंड अंतर्गत चितरपुर मे अभियुक्त अजहर हुसैन पिता मुबारक हुसैन के घर मे इश्तिहार चिपकाया गया, वा चितरपुर थाना रजरप्पा जिला रामगढ़ के न्यायालय के आदेशानुसार माननीय न्यायालय से निर्गत इश्तिहार को विधिवत अभियुक्त के घर के समक्ष दो स्वतंत्र गवाह 1.मुर्शिद अहमद पिता खुर्शीद अहमद 2.अमीर हुसैन पिता स्व मूल्ल अमीन सा जवाहर रोड चितरपुर थाना रजरप्पा जिला रामगढ़ के समक्ष तामिल किया रजरप्पा थाना के सहायक अवर निरीक्षक आलोक सिंह रजरप्पा थाना के द्वारा अभियुक्त के घर पर इश्तिहार चिपकाया गया।

बढ़ती कड़ाके की ठंड को देखते हुए सभी स्कूल स्थगित कराए जिला प्रशासन :नीरज मंडल सेक्रेटरी आजसू पार्टी रामगढ़ नगर

रामगढ़ : आजसू पार्टी रामगढ़ नगर सचिव नीरज मंडल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जिला उपायुक्त रामगढ़ से बढ़ते ठंड को देखते हुए अभी सभी स्कूल को छुट्टी करवाने का आग्रह किया है, और साथ ही कहा कि विगत कई दिनों से काफी ठंड बढ़ी हुई है और मौसम काफी खराब हो रहा है ' ऐसे में छोटे बच्चों को स्कूल आने जाने में काफी परेशानी हो रही है, जब इस कड़ाके की ठंड में युवा, बुजुर्गों को काफी परेशानी हो रही है तो ऐसे में छोटे बच्चों को स्कूल जाने के लिए सुबह से ही उठकर तैयारी करनी पड़ती है ' इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन से आग्रह है कि कुछ दिनों के लिए अभी स्कूल को छुट्टी कर दी जाए मौसम अनुकूल हो जाए उसके बाद स्कूल कोई फ़ायदा शुरू करें, जिससे रामगढ़ वासियों को काफी सहूलियत होगी ' और साथ ही जिला प्रशासन से मांग किया कि सभी चौक चौराहा जैसे न्यू बस स्टैंड , सब्जी मंडी, ट्रेकर स्टैंड, रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों आम जनमानस को कड़ाके के ठंड से बचाव के लिए (आग) अलाव की व्यवस्था की जाए ' रामगढ़ कैंटोनमेंट क्षेत्र में इन दिनों कड़ाके की ठंड अपने पूरे शबाब पर है। ठंड से बचने के लिए लोग जगह जगह अलाव जलाकर राहत पाने का प्रयास कर रहे हैं। सुबह और शाम ठंड का असर सबसे अधिक देखा जा रहा है।

विनीता उरांव का उत्कृष्ट प्रदर्शन युवाओं के लिए बनेगा प्रेरणा स्रोत : पुलिस अधीक्षक

आईआरबी- 10 की विनीता उरांव ने खेलकूद में लहराया परचम, पुलिस अधीक्षक ने दी बधाई प्रमाण पत्र

संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : आईआरबी 10वीं वाहिनी मुख्यालय जोहलर कॉलेज परिसर से वेबीस खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महिला आरक्षी विनीता उरांव ने सभी का दिल जीत लिया। पलामू पुलिस अधीक्षक सह आईआरबी 10 समादेष्टा रिष्मा रमेशन ने उन्हें प्रोत्साहन किया साथ ही बधाई प्रमाण पत्र प्रदान किया। मौके पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि विनीता के शानदार प्रदर्शन से पूरा आईआरबी 10 परिवार गर्वित है। उन्होंने आशा जताई कि वह इसी जोश के साथ आगे बढ़ेगी व राष्ट्रीय स्तर पर भी नाम रोशन करेंगी। यह उपलब्धि महिलाओं की खेल क्षमता में बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है। कहा कि पलामू पुलिस द्वारा पुलिसकर्मियों को खेलों में प्रोत्साहित करने का यह प्रयास संगठन की मजबूती का प्रतीक है। विनीता उरांव का प्रदर्शन युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगा।

सतगावां के रास्ते अवैध कोयला लेकर बिहार जा रहे तीन ट्रक जब्त, जीएसटी विभाग की कार्रवाई

संवाददाता

कोडरमा : जिला के सतगावां थाना क्षेत्र अंतर्गत थाना मोड़ चेक पोस्ट के समीप जीएसटी विभाग की टीम ने अवैध रूप से कोयला लदे तीन ट्रकों को जब्त किया। जब्त किए गए ट्रकों की जांच की जा रही है। जानकारी अनुसार तीनों ट्रक धनबाद से कोयला लादकर सतगावां के रास्ते बिहार की ओर जा रहे थे। मामले में एक ट्रक ने बताया कि पिछले कई महीनों से सतगावां मार्ग से कोयले का परिचालन हो रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्थानों पर 'कोड ठाकुर जी' के नाम पर ट्रकों को पासिंग मिल जाती थी, जबकि जहां सेटिंग नहीं होती थी वहां पैसे देकर रास्ता पार कराया जाता था। चालक ने यह भी दावा किया कि कोयला परिवहन के दौरान जीएसटी चालान नहीं दिया जाता था और पहली बार ट्रकों को रोका गया है। चालक के अनुसार, विशेष जांच के दौरान कई बार कोडरमा की ओर से वैकल्पिक रास्ते का इस्तेमाल किया जाता था। उन्होंने यह भी बताया कि जीएसटी विभाग की टीम ने सभी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाकर अपने साथ ले लिया है। इस पूरे मामले में एक बड़ा सवाल सामने आ रहा है कि आखिर 'ठाकुर साहब' कौन हैं, जिनके नाम से कथित तौर पर पासिंग हो जाती है। साथ ही यह भी जांच का विषय है कि अवैध कोयला कारोबार में किन लोगों की संलिप्तता है और किसके संरक्षण में यह खेल चल रहा था, जिससे सरकार को राजस्व की क्षति हो रही है। वहीं, इस संबंध में थाना प्रभारी सौरव कुमार शर्मा ने बताया कि जीएसटी विभाग की टीम द्वारा ट्रकों को जब्त कर थाने को सुपुर्द किया गया है। उन्होंने कहा कि आगे की कार्रवाई संबंधित विभाग द्वारा की जा रही है। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी जिला प्रशासन के निर्देश पर अवैध कोयला लदे ट्रकों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी, जिसमें सतगावां थाना क्षेत्र से छह ट्रकों को जब्त कर पुलिस के हवाले किया गया था।

विनोद मेले में छऊ नृत्य ने बांधा समां, ठंड के बावजूद उमड़ी दर्शकों की भीड़

बलियापुर। विनोद बिहारी महतो स्मारक समिति के तत्वावधान में शनिवार की रात विनोद मेला परिसर में भव्य छऊ नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कड़ाके की ठंड के बावजूद छऊ नृत्य का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक देर रात तक डटे रहे। कार्यक्रम में पुरुलिया जिले के काशीपुर से आए प्रसिद्ध छऊ नृत्य कलाकार नरेश चंद्र महतो की टीम ने एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रात भर चले छऊ नृत्य कार्यक्रम को दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा नेत्री तारा देवी ने किया। उन्होंने छऊ नृत्य को क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए ऐसे आयोजनों की सराहना की। इस अवसर पर डॉ. निशि महतो, मेला कमेटी के अध्यक्ष अंकित राहुल कुमार महतो, सचिव परिमल कुमार महतो, सुनील महतो, पाचु महतो, निताई रजवार, स्वपन कुमार महतो, मटू रवानी, सुनील बोद्दार, पूर्व मुखिया खगेन महतो, विश्वामित्र महतो, जयदेव महतो, दिवाकर महतो, करमचंद महतो, उमीर प्रामाणिक, गौतम रवानी, चंदन रवानी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भारतीय राजपूताना सेवा संगठन की बैठक संपन्न ब्रजेंद्र सिंह

संवाददाता

धनबाद : धनबाद के लुबी सर्कुलर रोड स्थित विवाह भवन में आज भारतीय राजपूताना सेवा संगठन की बैठक बहुत धूमधाम से हुई जिसमें मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार उपस्थित रहे। इस अवसर पर धनबाद के भारी मात्रा में क्षत्रिय और ब्राह्मणों उपस्थित हुए और सभा में अपनी बातें रखे गया। सभा में मुख्य अतिथि सिकरवार ने कहा की राजपूत समाज में सबसे राजपूत का सबसे पहले सेवा करना है और जो आर्थिक रूप से कमजोर राजपूत है उनको हर हाल में हम सभी को मिलकर देखना है और कैसा कोई भी काम जो उनसे नहीं हो पा रहा है हम सभी को मिलकर करना होगा तभी असली सेवा होगा। इस संगठन के द्वारा कई राज्यों में लड़कियों की शादी कराई गई बहुत सारे समाजों को सुलझाया गया है उन्होंने कुछ राज्यों का उदाहरण भी लोगों के समक्ष रखा। उन्होंने विशेष आग्रह किया की धनबाद में भी हमारे जाति के बहुत सारे लोग हैं केवल सभी को संगठित करने की जरूरत है और एक छत्री के नीचे लाकर सभी को इकट्ठा करना है हम सबसे मजबूत हैं हमको कोई भी ताकत हिला नहीं सकती है और अंत में उन्होंने कहा कि हर हाल में क्षत्रिय को एकता बनाकर रखना होगा। इस सभा की अध्यक्षता गजेंद्र सिंह ने किया और संचालन अशोक सिंह ने किया। इस सभा को मुख्य रूप से संबोधित करने वालों में वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह, डॉ प्रताप सिंह मुकेश सिंह अरुण कुमार सिंह शाही सिंह अनंजय सिंह के अलावे कई लोगों ने अपनी बातों को रखा इस सभा में क्षत्रिय समाज परिवार से लोग शामिल हुए, जिसमें मुख्य रूप से अधिवक्ता अरुण कुमार सिंह ब्रह्मदेव सिंह अंशल चंद्र अतुल सिंह चंद्र देव सिंह अभिषेक सिंह मनोज सिंह सरोज सिंह सहित लगभग 500 लोगों ने भाग लिया।

मां शीतला मंदिर में विधायक चन्द्रदेव महतो ने लिया आशीर्वाद, न्यू बिरसा मुंडा बस्ती शीलापट का उद्घाटन

संवाददाता

सिंदरी। सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक चन्द्रदेव महतो ने मनोहरटांड स्थित लिंक रोड में मां शीतला मंदिर पहुंचकर मां का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर मंदिर के पंडित दीपक जी ने विधिवत पूजा अर्चना कराई एवं मां की चुनरी विधायक को प्रदान की। इसके पश्चात विधायक श्री महतो ने लिंक रोड स्थित न्यू बिरसा मुंडा बस्ती के शीलापट का उद्घाटन किया। उद्घाटन के उपरांत खुशी के अवसर पर उपस्थित लोगों के बीच लड्डू का वितरण किया गया। भाकपा माले के सिंदरी नगर सचिव राजीव मुखर्जी ने बताया कि इस बस्ती में डालडा के पूर्व विस्थापितों को भी बसाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। वहीं स्थानीय लोगों ने विधायक के समक्ष क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं को रखते हुए लिंक रोड के पास बच्चों के खेलने हेतु मैदान, सामुदायिक भवन, स्ट्रीट लाइट तथा सड़क मरम्मत की मांग की। साथ ही रेलवे लाइन के नीचे पुल एवं कलवर्ट निर्माण की आवश्यकता से भी अवगत कराया गया। इस दौरान विधायक चन्द्रदेव महतो ने बताया कि उनके प्रयास से छातावाद नीचे तालाब के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य को लेकर लघु सिंचाई विभाग से अनुशंसा कर दी गई है, जिससे क्षेत्रवासियों को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में भाकपा माले नगर सचिव राजीव मुखर्जी, जेएसएम नगर अध्यक्ष फगराम सिंह, विमल रवानी, मुखिया राजा राम रजक, सुदर्शन मुंडा, दीवास बेसरा, गोपाल महतो, बबली ठाकुर, सुभाष हांसदा, नाजु सिंह, जगदीश हांसदा, मंगल हरो, बाबूलाल अग्रवाल, अमित सिंह, राजू सिंह, मंगल महतो, राजेश मुखर्जी, विनोद महतो सहित सैकड़ों स्थानीय लोग उपस्थित थे।

सर्वमंगला पब्लिक स्कूल नगरीकला में 7वां वार्षिक खेलकूद महोत्सव का आयोजन

संवाददाता

कतरास : सर्वमंगला पब्लिक स्कूल नगरीकला, धनबाद में रविवार को सातवां वार्षिक खेल कूद महोत्सव धूमधाम से मनाया गया । मुख्य अतिथि श्री मथुरा प्रसाद महतो, माननीय विधायक, टुंडी विधानसभा सह पूर्व कैबिनेट मंत्री झारखंड सरकार, लेफ्टिनेंट कर्नल चरनजीत सिंह, एन० सी० सी०, धनबाद एवं श्री रवि कुमार मिश्रा, जिला युवा पदाधिकारी, धनबाद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि ने स्कूल प्रबंधन, विद्यार्थी एवं अभिभावक को खेल कूद के भव्य कार्यक्रम के लिए बधाई दिया एवं विद्यार्थियों को जीवन मे खेल कूद के महत्व को बताया। लेफ्टिनेंट कर्नल चरनजीत सिंह ने इस स्कूल में उपलब्ध एन० सी० सी० सुविधा को ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने को कहा ताकी विद्यार्थी को भविष्य में सरकारी/प्राइवेट नौकरी में काम आए। जिला युवा पदाधिकारी रवि कुमार मिश्रा ने भी विद्यार्थी को स्कूल में उपलब्ध मेरा युवा भारत सुविधा का लाभ उठाने को कहा। इस कार्यक्रम में विभिन्न दौड़, गोला फेंक, एन० सी० सी० कैडेड के द्वारा मार्च पास्ट, मेरा युवा भारत युथ द्वारा मार्च पास्ट, विद्यार्थी के अभिभावक एवं स्कूल के शिक्षक/शिक्षिकाएं द्वारा 100 मी० नींबू रेस का आयोजन किया गया एवं मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के द्वारा विजेताओ को मेडल एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। डॉ० सर्वमंगला प्रसाद, डॉ० प्रभा सक्सेना, डॉ० हरदेव प्रसाद एवं ई० महेन्द्र प्रसाद ने स्कूल के विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अलावे खेल कूद की सुविधा एवं अच्छे संस्कार प्रदान करने का वचन दिया ताकि स्कूली शिक्षा के बाद हर विद्यार्थी योग्य एवं अच्छा नागरिक बन सके। कल्याणी नायर, विंदु कुमारी, प्रबंधक प्रकाश कुमार, दिलीप पंडित, मृत्युंजय मंडल, विकास कुमार, जितेंद्र विश्वकर्मा, किशन महतो, विधायक प्रतिनिधि विकास महतो, बसंत महतो, कृष्ण देव पंडित, सावित्री कुमारी, महेंद्र सिंह, केशव प्रसाद, चन्दलाल महतो एवं सभी शिक्षक/शिक्षिकाएं तथा स्कूल के सहयोगगण इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे योगदान दिया। इस कार्यक्रम में करीब सात सौ विद्यार्थी भाग लिए। इस मौके पर स्कूल के सभी विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे। सभा का संचालन डॉ० हरदेव प्रसाद ने किया।

डीएवी बरोरा में अंग्रेजी कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन, विजेताओं को किया सम्मानित

संवाददाता

कतरास : डीएवी बरोरा में सह पाठ्यचर्या गतिविधियों के अंतर्गत अंग्रेजी कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा एलकेजी से पाँचवीं तक के छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कक्षा एलकेजी से युवा प्रथम, विद्या द्वितीय तथा आर्वी और अनन्या तृतीय स्थान पर रहीं। यूकेजी वर्ग में अनिका पांडे प्रथम, अंशिका द्वितीय और मुस्कान व धनश्री तृतीय स्थान पर रहीं। कक्षा पहली से आयुष और कनक ने प्रथम, सृष्टि ने द्वितीय तथा नव्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा दूसरी में लक्ष्मी प्रथम, मोहम्मद अनस द्वितीय और अमायरा व अनोखी तृतीय स्थान पर रहीं। कक्षा तीसरी से साक्षी प्रथम, परी द्वितीय और आराध्या तृतीय स्थान पर रहीं। कक्षा चौथी में मिहिक, आदित्य और आराध्या ने प्रथम, कनिष्का ने द्वितीय तथा साक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा पाँचवीं से अर्चना कुमारी प्रथम, अर्पिता चौरसिया द्वितीय और सुनिधि चौहान तृतीय स्थान पर रहीं। विजेता प्रतिभागियों को विद्यालय के प्राचार्य डॉ. शरद श्रीवास्तव ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। निर्णायक मंडली में अंग्रेजी विभाग के वरीय शिक्षक प्रणय चटर्जी और अर्थशास्त्र की शिक्षिका कल्पना कुमारी शामिल थीं। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका नकिता परवीन ने किया। प्राचार्य डॉ. श्रीवास्तव ने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को प्रोत्साहित करें ताकि अधिक से अधिक छात्र सह पाठ्यचर्या गतिविधियों में भाग ले सकें। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षकों ने भरपूर सहयोग दिया।

जनवरी से चालू होगा शहर का पांचवां पावर सब स्टेशन

बिहार शरीफ में बिजली संकट से मिलेगी राहत, 7 करोड़ रुपए किए गए हैं खर्च

नालंदा, एजेंसी। बिहार शरीफ में शहरवासियों के लिए राहत भरी खबर है। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार सुपर ग्रिड कैंपस में बना पांचवां पावर सब स्टेशन जनवरी से चालू हो जाएगा। इस नए पीएसएस के संचालन से शहर के दक्षिणी हिस्से के मोहल्लों और आसपास के ग्रामीण इलाकों में बिजली की आपूर्ति बेहतर होगी।

पूरी तरह तैयार है नया पीएसएस- पुलिस लाइन के पास सुपर ग्रिड कैंपस में स्थापित इस पावर सब स्टेशन का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। बिजली विभाग के अधिकारियों ने पावर ट्रांसफॉर्मरों को चार्ज कर दिया है और सफल ट्रायल भी हो चुका है। कुछ छोटे-मोटे काम बाकी हैं, जिन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस नए पीएसएस की कुल क्षमता 20 एमवीए होगी। इसमें 10-10 एमवीए के दो पावर ट्रांसफॉर्मर लगाए गए हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर करीब सात करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

रामचंद्रपुर पीएसएस पर घटेगा बोझ- वर्तमान में शहरी क्षेत्र में बड़ी पहाड़ी, रामचंद्रपुर, सोहसराय और चांदपुरा में चार पावर सब स्टेशन कार्यरत हैं। बढ़ती आबादी और बिजली की खपत में लगातार वृद्धि के कारण मौजूदा पीएसएस पर लोड बढ़ता जा रहा है। नया पीएसएस चालू होने से रामचंद्रपुर पीएसएस के चार फीडर - मणिकाबा, टाउन-वन, टाउन-टू और तुंगी फीडर को नए पीएसएस पर स्थानांतरित किया जाएगा। इससे रामचंद्रपुर पीएसएस पर दबाव कम होगा।

गर्मी में नहीं आएगी ट्रिपिंग की समस्या- बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नया पीएसएस चालू होने से खासकर गर्मी के मौसम में जब बिजली की मांग चरम पर होती है, तब भी ट्रिपिंग की समस्या नहीं आएगी। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति बनी रहेगी। कार्यपालक अभियंता विकास कुमार ने बताया कि सुपर ग्रिड कैंपस में नए पीएसएस का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। पावर ट्रांसफॉर्मर को चार्ज कर दिया गया है। कुछ काम बाकी है, जिन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है। जनवरी से पीएसएस चालू हो जाएगा तो शहरी क्षेत्र में बिना रुकावट बिजली आपूर्ति में काफी सहूलियत होगी।

दो और पीएसएस की तैयारी- शहर में बिजली व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए नालंदा कॉलेज और मणिराम अखाड़ा के पास भी पावर सब स्टेशन बनाने की स्वीकृति मिल चुकी है। हालांकि, जमीन के स्थानांतरण और सीमांकन की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण इन दोनों पीएसएस का निर्माण कार्य अभी शुरू नहीं हो सका है। इन सभी पीएसएस के बन जाने के बाद बिहारशरीफ शहर में बिजली की समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी।

राघोपुर दियारे में शॉर्ट सर्किट से 20 घर जले: घरों से सामान निकालने लगे लोग

नुकसान का किया जा रहा आकलन

हाजीपुर, एजेंसी। वैशाली के राघोपुर दियारे में शुक्रवार शाम भीषण आग लग गई, जिसमें लगभग 20 घर जलकर राख हो गए। यह घटना जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र की जुड़ावनपुर करारी पंचायत के माली टोला में हुई। आग बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। तेज पछुआ हवा के कारण आग तेजी से फैली और आसपास के कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना से प्रभावित परिवारों को भारी नुकसान हुआ है। आग लगने की सूचना मिलते ही कई अग्निशमन वाहन तुरंत मौके पर पहुंचे। दमकलकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। नुकसान का किया जा रहा आकलन आग लगने के बाद क्षेत्र में दहशत फैल गई और लोग अपने घरों से सामान निकालने लगे। फिलहाल, घटना में हुए कुल नुकसान का आकलन किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता प्रदान करने की तैयारी में है।

मुजफ्फरपुर में शीतलहर का प्रकोप तेज घना कोहरा और पछुआ हवा बनी मुसीबत; पारा लुढ़का

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले में कड़ाके की ठंड ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। तापमान में लगातार गिरावट के चलते लोगों को मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शाम ढलते ही सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है, जबकि सुबह के समय घने कोहरे के कारण वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया है। देर शाम से अहले सुबह तक घने कोहरे और पछुआ हवा के कारण कनकनी बढ़ गई है। ठंड से बचाव के लिए लोग जगह-जगह अलाव का सहारा ले रहे हैं। जिले में कुहासे के कारण दृश्यता काफी कम हो गई है, जिससे शहरी और ग्रामीण इलाकों में आवागमन प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार न्यूनतम तापमान गिरकर 9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि अधिकतम तापमान में भी करीब 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट की संभावना जताई गई है। घने कोहरे के कारण सुबह के समय स्कूल बसों और बच्चों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। ठंड का असर अब आम लोगों की दिनचर्या और दैनिक गतिविधियों पर भी साफ नजर आने लगा है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए शीतलहर और घने कोहरे को लेकर अलर्ट जारी किया है। विभाग ने लोगों से सावधानी बरतने, सुरक्षित रहने और जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। वहीं जिला प्रशासन ने भी ठंड को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग को अलर्ट पर रखा है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अलाव की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जरूरतमंद लोगों को राहत मिल सके।

खेत देखने गए लापता व्यक्ति का गंगा किनारे मिला शव, इलाके में मचा हड़कंप परिजनों ने किया सड़क जाम

पटना, एजेंसी। पटना के बाढ़ अनुमंडल के सालिमपुर थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। चार दिन पहले दियारा क्षेत्र में खेत देखने गए लापता व्यक्ति कन्हैया कुमार का शव लखीपुर गांव के पास गंगा नदी के किनारे बरामद किया गया है। शव मिलने की खबर से इलाके में हड़कंप मच गया। आक्रोशित परिजनों ने न्याय की मांग को लेकर स्टेट हाईवे-106 को जाम कर दिया। करीब आधे घंटे तक सड़क जाम रहने से यातायात प्रभावित रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, बाढ़ भेजा गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। मामले में हत्या की आशंका को देखते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस को 16 दिसंबर की रात सूचना मिली थी कि खेत देखने गए कन्हैया शर्मा लापता हैं। इस मामले में 14 लोगों को नामजद किया गया है, जिनमें से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि 16 दिसंबर को लखीपुर गांव के सामने दियारा क्षेत्र में खेत देखने गए कन्हैया कुमार लापता हो गए थे। परिजनों ने हथियारबंद अपराधियों द्वारा अपहरण कर हत्या की आशंका जताई थी। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। दो दिनों से लगातार छापेमारी के दौरान आज शव की बरामदगी हुई है।

वीटीआर के जंगल से भटका भालू बना जानलेवा खतरा, खेत की ओर गई युवती पर किया हमला; गांव में दहशत

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना (वीटीआर) से सटे इलाकों में जंगली जानवरों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। जंगल से भटककर आए एक जंगली भालू ने खेत की ओर जा रही एक युवती पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे नाजुक हालत में सदर अस्पताल बेतिया रेफर किया गया है। यह घटना गोबर्धन थाना क्षेत्र के शेरही सरया गांव की है। ग्रामीणों के अनुसार, युवती रोज की तरह सुबह खेत की ओर जा रही थी। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे भालू ने अचानक उस पर हमला कर दिया। युवती की चीखें-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शोर मचाया, जिसके बाद भालू जंगल की ओर भाग गया। घायल युवती की पहचान फूलवंती कुमारी के रूप में हुई है। भालू के हमले में उसके सिर और हाथ में गहरे जख्म आए हैं। रामनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक डॉ. राजेश कुमार ने हालत गंभीर बताते हुए उसे सदर अस्पताल बेतिया रेफर कर दिया। घटना के बाद गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले कई दिनों से भालू की गतिविधियां देखी जा रही हैं, लेकिन वन विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों ने मांग की है कि भालू को जल्द पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा जाए, गांव के आसपास गश्त बढ़ाई जाए और लोगों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं। फिलहाल घायल युवती का इलाज जारी है और ग्रामीण सहमे हुए हैं।

सीएम की सास का निधन, निशांत ने दिया कंधा ;कहा- मिस यू नानी

पटना, एजेंसी। बिहार के सीएम नीतीश कुमार की सास मां विद्यावती देवी (90) का निधन हो गया है। लंबे समय से बीमार थीं। आईजीआईएमएस में इलाज चल रहा था। शुक्रवार शाम 6:40 बजे अंतिम सांस ली। आज शनिवार को बांस घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। सीएम नीतीश कुमार अपने बेटे निशांत कुमार के साथ बांस घाट पहुंचे। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी भी मौजूद रहे। बता दें कि नीतीश कुमार की सास लंबे समय से बीमार थीं। वो बीते 2 महीने से इलाजरत में भर्ती थीं। उन्होंने लगभग हर शाम सीएम के बेटे निशांत अपनी नानी से मिलने जाते थे। सीएम के बेटे निशांत ने लिखा - मिस यू नानी सीएम के बेटे निशांत ने नानी को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखा। जिसमें उन्होंने कहा, "प्यारी नानी मां के देहांत की दुखद खबर से मन बहुत व्यथित है। वे न केवल एक नानी थीं, बल्कि एक प्यार भरी छांव थीं, जिनकी कहानियां, दुलार और मुस्कान हमेशा हमारे दिलों में बसी रहेंगी।" निशांत ने आगे लिखा, "आपने मुझे प्यार और अच्छाई का पाठ पढ़ाया। मैं वादा करता हूं कि आपकी सीख को कभी नहीं भूलूंगा। आप जहां भी हैं, खुश रहें और हमें आशीर्वाद दें। ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें।" 7 साल पहले हुआ था ससुर का निधन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ससुर कृष्णनंदन सिन्हा का 7 साल पहले कंकड़बाग के पीसी कॉलोनी स्थित आवास पर निधन हो गया था। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री अपने बेटे निशांत कुमार के साथ ससुराल पहुंचे थे। दिवंगत कृष्णनंदन सिन्हा हाईस्कूल के शिक्षक थे। इलाके में उनकी एक प्रतिष्ठित शिक्षक के रूप में पहचान थी। स्व. सिन्हा का अंतिम संस्कार विद्युत शवदाह गृह में किया गया था। उनके बड़े बेटे अरुण कुमार ने उन्हें मुखाग्नि दी थी। साल 1985 : बिहार के मौजूदा सीएम नीतीश कुमार उस वक्त पहली बार विधायक बने। जब चुनाव जीतकर अपने घर बख्तियारपुर पहुंचे, तो उनका खूब स्वागत हुआ, लेकिन धूम-धाम के बीच नीतीश की आंखें पत्नी मंजू को ढूंढ रही थीं, जो उस समय अपने मायके सेवदह जा चुकी थीं। बख्तियारपुर से सेवदह का रास्ता करीब 40 किमी था। बेचैन नीतीश ने आधी रात अपने एक साथी से कहा- मोटरसाइकिल निकालो, हम मंजू से मिलने जाएंगे। तड़के नीतीश को अपने दरवाजे पर देख मंजू की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

बिहार में ठंड के कारण किसी जिले में स्कूल बंद, किसी जिले में टाइमिंग चेंज

पटना/सारण, एजेंसी। बिहार में ठंड कहर बरपाना शुरू कर दिया है। इसकी चपेट में कई लोग आ रहे हैं। बच्चों पर इसका प्रभाव नहीं पड़े इसको लेकर एहतियातन कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य के विभिन्न जिलों के डीएम आदेश निर्गत कर रहे हैं। 21 दिसंबर तक बंद रहेंगे स्कूल : छपरा में बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए सारण जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए डीएम वैभव श्रीवास्तव ने धारा 163 के तहत कक्षा 10 तक के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को 21 दिसंबर तक बंद करने का आदेश दिया है। आंगनबाड़ी केंद्र दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक खुलेंगे। पटना के स्कूलों में टाइमिंग चेंज : वहीं दूसरी तरफ बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को ध्यान में रखते हुए पटना डीएम ने जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं। इस आदेश के तहत प्री-स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों समेत सभी शैक्षणिक संस्थानों में सुबह 10:00 से पहले और शाम के समय 3:30 के बाद कक्षाओं के संचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है। सुबह 10:00 के बाद होगा कक्षाओं का संचालन : जिला दंडाधिकारी (डीएम) डॉ. त्यागराजन एसएम द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के अंतर्गत यह निर्णय लिया गया है. आदेश के अनुसार पटना जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियां सुबह 10.00 बजे से पहले और अपराह्न 03.30 बजे के बाद संचालित नहीं की जाएंगी. आदेश 19 दिसंबर 2025 को डीएम के हस्ताक्षर और न्यायालय जिला दंडाधिकारी की मुहर से जारी किया गया है.

घर बैठे छात्राएं 2 लाख किताबों को कर सकेंगी बुक

ई-ग्रंथालय से जुड़ेगी मगध महिला कॉलेज की लाइब्रेरी, नए साल से मिलेगी सुविधा

पटना, एजेंसी। मगध महिला कॉलेज की छात्राएं अब घर बैठे, बस एक क्लिक से लाइब्रेरी की पुस्तकों को देख सकती हैं। कॉलेज की लाइब्रेरी से ई-ग्रंथालय को जोड़ा जाएगा। यूजर आईडी और पासवर्ड डालकर छात्राएं अपने जरूरत वाली किताब को सर्च करके देख सकती हैं। अगर वह किताब लाइब्रेरी में उपलब्ध होगी, तो उसे बुक कर सकती हैं और फिर कॉलेज में आकर इशू करवा सकती हैं। अगर वह बुक लाइब्रेरी में अवेलेबल नहीं होगी, तो वह रिक्वेस्ट भी डाल सकती हैं कि अगली टाइम जब वह किताब रिटर्न हो, तो वह उन्हें इशू हो जाए।

छात्राओं को मिलेगा आईडी और पासवर्ड- कॉलेज की वेबसाइट पर ही ई-ग्रंथालय के लिंक को अटैच किया जाएगा। बच्चे इस लिंक को क्लिक करके जानकारी ले सकती हैं। इसके लिए आईडी और पासवर्ड ने छात्राओं को कॉलेज की ओर से ही प्रोवाइड किया जाएगा। बच्चे यहां से सभी चीज को एक्सेस कर सकती हैं। इसके लिए बच्चों को कोई अलग से चार्ज नहीं देना होगा। कौन-सा किताब लाइब्रेरी में अवेलेबल है या इशू किया गया है, उसका स्टेटस देख सकेंगी।

2 लाख से ज्यादा किताबें हो सकती एक्सेस- कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. नागेंद्र वर्मा ने कहा कि सभी छात्राएं ई-ग्रंथालय के माध्यम से घर बैठे लाइब्रेरी की पुस्तकों को देख सकती हैं। हमारे कॉलेज की लाइब्रेरी में 2 लाख से ज्यादा किताबें हैं। छात्राएं ई-ग्रंथालय के माध्यम से लाइब्रेरी में कौन-कौन से बुक उपलब्ध है, उसे देख सकती हैं।

छात्राएं उपलब्ध किताबों को ऑनलाइन बुक करके, इशू करवा सकती हैं। हमने पिछले साल ही ई-ग्रंथालय का सब्सक्रिप्शन ले लिया था, मगर किसी टेक्निकल ग्लिच के कारण शुरू नहीं किया जा सका। मगर अब नए साल में फरवरी महीने से इसे शुरू कर दिया जाएगा।

सारी किताबों की लिस्टिंग कर हो रही कैटालॉगिंग- उन्होंने आगे बताया कि मगध महिला कॉलेज की लाइब्रेरी में जो किताबें हैं उसे ही ई-ग्रंथालय में हम लोग अपलोड करेंगे। यह एक तरह का सर्वर है, जिसमें लाइब्रेरी में मौजूद सभी किताबों को अपलोड किया जाएगा।

अभी सारी किताबों की लिस्टिंग कर उसकी कैटालॉगिंग करनी है। उसे एक्सेल शीट पर अपलोड करना है। पहले जो काम किया गया था, वह फाइल करप्ट हो गया है, जिसका कोई बैकअप नहीं मिल पाया। इस कारण इसमें देरी आ रही है। अब बस सारी लिस्टिंग कर ई-ग्रंथालय को मेल करना है। उसके बाद यह वेबसाइट पर अपलोड हो जाएगी और छात्राएं इसे एक्सेस कर सकती हैं।

बिहार में दून एक्सप्रेस से 102 जिंदा कछुआ बरामद

ऑपरेशन विलेप के तहत कार्रवाई

गया, एजेंसी। बिहार में तस्करों के खिलाफ एक्शन लगातार जारी है. जहां एक ओर बिहार पुलिस शराब तस्करों पर नकेल कस रही है. वहीं आरपीएफ भी ट्रेनों के जरिए हो रही तस्करी पर लगाम लगा रहा है. इसका उदाहरण गया में देखने को मिला. गया में ऑपरेशन विलेप : बिहार के गया में फिर ऑपरेशन विलेप चला. इसके तहत दून एक्सप्रेस ट्रेन से 102 जीवित कछुओं की बरामदगी की गई है. कछुओं का अनुमानित मूल्य 51 लाख रुपए बताये जाते है. आरपीएफ की कार्रवाई में यह सफलता मिली है. हफ्ते भर के भीतर यह दूसरी बार है, जब जिंदा कछुओं की बरामदगी हुई है. इसी सप्ताह पिछली दिनों 74 कछुआ की बरामदगी हुई थी. इस बार 102 जीवित कछुआ बरामद किए गए हैं. दून एक्सप्रेस के कोच एस 3 से हुई बरामदगी, तस्कर फरार : जानकारी के अनुसार आरपीएफ गया के सहायक उपनिरीक्षक पवन कुमार कई आरक्षी के साथ दलबल कार्रवाई में जुटे थे. गश्ती के दौरान ट्रेन संख्या 13010 दून एक्सप्रेस के कोच एस 3 में एक संदिग्ध तौर पर रखा हुआ झोला दिखा. इसके बाद जांच शुरू हुई. जांच के दौरान 102 कछुए झोला और पिट्ठू बैग से बरामद किए गए. वहीं कछुआ के संबंध में बैठे यात्री कुछ भी नहीं बता पाए. वन विभाग को सौंपा गया कछुआ : इसके बाद सभी कछुआ को वन विभाग को बुलाकर सुपुर्द कर दिया गया. वन विभाग की रेंज अधिकारी आरती कुमारी को सभी 102 कछुए सही सलामत सुपुर्द कर दिए गए. आरपीएफ के प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव ने कहा है कि रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गया रेल यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ वन्य जीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

'पिछली बार आने में 5 घंटे लगे थे, इस बार 3 घंटे में पहुंच गया', राजगीर महोत्सव में बोले कैलाश खेर

'विकास के पथ पर बिहार'

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा जिले के अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल राजगीर में पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन द्वारा तीन दिवसीय राजगीर महोत्सव आयोजित किया गया. इसके पहले दिन पद्म श्री से सम्मानित गायक कैलाश खेर के लाइव शो ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. कैलाश खेर के लिए हजारों की उमड़ी भीड़: कैलाश खेर के पार्श्व और सूफी संगीत की प्रस्तुति देखने के लिए हजारों की संख्या में दर्शक जुटे. जैसे ही कैलाश खेर मंच पर पहुंचे, दर्शक झूमने लगे और पूरे वातावरण में उत्साह की लहर दौड़ गई.

बिहार के विकास की तारीफ: मंच से कैलाश खेर ने बिहार और नालंदा की जमकर प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि जब विश्व में कहीं विश्वविद्यालय नहीं थे, तब नालंदा में विश्वविद्यालय था. उन्होंने राजगीर को साधु-संतों और बुद्धिजीवियों की नगरी बताते हुए इसे नमन किया. सड़क विकास पर बोले सिंगर: कैलाश खेर ने बताया कि पहले राजगीर महोत्सव में आने पर पटना से राजगीर पहुंचने में 5 घंटे लगते थे, लेकिन अब मात्र साढ़े तीन घंटे में पहुंच गए. उन्होंने कहा कि बिहार अब प्रगति और विकास के पथ पर अग्रसर है. उनकी इन बातों से दर्शक काफी उत्साहित हुए.

शानदार गीतों की प्रस्तुति: कार्यक्रम के दौरान कैलाश खेर ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किए. इस बीच मंच के नीचे डांस कर रही कुछ लड़कियों को उन्होंने मंच पर बुलाया और उनके साथ डांस किया. ग्रुप फोटो और इंस्टाग्राम का वादा: इसके बाद कैलाश खेर ने सभी लड़कियों के साथ ग्रुप फोटो खिंचवाई और इसे अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने का वादा किया. कार्यक्रम के अंत में जिला प्रशासन ने उन्हें सम्मानित किया, जबकि एक फैन ने हाथ से बनाई पेंटिंग भेंट की.

दूसरे दिन सलमान अली का इंतजार: महोत्सव के दूसरे दिन इंडियन आइडल फेम सलमान अली अपनी सूफी आवाज से दर्शकों का मन मोहेंगे. कड़ाके की ठंड के बावजूद दूर-दराज से आए लोगों ने कैलाश खेर के शो का भरपूर आनंद उठाया. जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे.

धमदाहा एसडीएम पर मारपीट के संगीन आरोपः एलडीसी स्टाफ बोला- एसडीएम तानाशाह

जबरन इस्तीफा लिखवाया; एसपी से लगाई गुहार

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में एलडीसी स्टाफ ने एसडीएम पर मारपीट और जबरन इस्तीफा लिखवाने का आरोप लगाया है। थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। मामला धमदाहा एसडीएम अनुपम कुमार से जुड़ा है। आरोप लगाते हुए स्टाफ आशीष कुमार ने कहा कि एसडीएम ने उनके साथ अभद्रता की, बल्कि मारपीट कर उनसे जबरन इस्तीफा लिखवा लिया। एसडीएम का व्यवहार कर्मचारियों के प्रति अक्सर तानाशाही रहता है। मेरे सिर पर हमला किया गया। अधिकारी होने के कारण उनके खिलाफ कोई कुछ नहीं बोल पाता था, लेकिन जब बात मारपीट और जबरन इस्तीफे तक पहुंच गई, तो मजबूर होकर एससी-एसटी थाने में उनके खिलाफ आवेदन देना पड़ा। कार्रवाई की मांग पटना के विरोध में गोलबंद हुए संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने पूर्णिया एसपी से मुलाकात कर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की।

आरोपों को किया खारिज वहीं, अपने ऊपर लगे आरोपों को एसडीएम अनुपम कुमार ने बेबुनियाद करार दिया है। उन्होंने कहा कि आपदा विभाग से जुड़ी महत्वपूर्ण फाइलें लंबे समय से पेंडिंग थी। बार-बार निर्देश देने के बावजूद आशीष काम में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा था। काम को लेकर पूछताछ की गई, तो कर्मचारी ने अपनी गलती मानने के बजाय इसे धमकाने का रूप दे दिया। मैं जनता के प्रति जवाबदेह हूं। मेरा उद्देश्य किसी को अपमानित करना नहीं, बल्कि सरकारी काम को समय पर पूरा कराना था।

एसबीआई एटीएम काटकर 23.50 लाख रुपए उड़ाए

बेतिया व नौतन की घटना, सीसीटीवी कैमरे पर काला स्प्रे डाल शातिरों ने घटना को दिया अंजाम

बेतिया, एजेंसी। शटरकटवा गिरोह के बदमाशों ने गुरुवार की रात नगर के आलोक भारती चौक व नौतन थाना क्षेत्र के गहिरी स्थित एसबीआई के एटीएम को गैस सिलेंडर से काटकर चोरी की है। इस क्रम में करीब 23 लाख 50 हजार रुपये चोरी का मामला उजागर हुआ है। शुक्रवार सुबह एटीएम में चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गयी। एसडीपीओ व संबंधित थाना की पुलिस मौके पर पहुंच जांच शुरू की। जांच के लिए डॉग स्क्वायड व एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज को भी खंगाला गया। हालांकि पुलिस को अबतक कोई सुराग नहीं मिल सका है। घटना में शातिर अपराधियों के शामिल होने का अंदेशा जताया जा रहा है। दोनों एटीएम एसबीआई के है। बदमाशों ने एटीएम सेंटर पर लगे सीसीटीवी कैमरा पर काला स्प्रे कर दिया है। ताकि उनका चेहरा कैमरे में कैद ना हो सके। इसके बाद गैस कटर से एटीएम को काट घटना को अंजाम दिया। चोरी की इस वारदात ने पुलिस की गश्ती व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया है।

बिहार में फेमस डॉक्टर के साथी ने ही दी अपहरण की सुपारी, मास्टरमाइंड समेत 7 गिरफ्तार

छपरा, एजेंसी। बिहार के छपरा में प्रसिद्ध डॉक्टर सजल कुमार के अपहरण के असफल प्रयास का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है. सारण के एसएसपी डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि इस सनसनीखेज मामले में अब तक सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिनमें मुख्य साजिशकर्ता भी शामिल है. मुख्य साजिशकर्ता निकला साथी डॉक्टर: मामले की जांच से पता चला है कि अपहरण की साजिश रचने वाला मुख्य आरोपी डॉ. शिवनारायण सिंह है, जो खुद एक एनेस्थीसिया स्पेशलिस्ट है और डॉ. सजल कुमार के साथ काम करता था. डॉ. शिवनारायण पटना के ईस्ट बोरिंग कैनाल रोड स्थित बुद्धा कॉलोनी का निवासी है. पुलिस के अनुसार, दोनों डॉक्टरों के बीच जमीन के एक बड़े टुकड़े को लेकर विवाद था, जिसके चलते यह साजिश रची गई.

क्यों रची अपहरण की साजिश: हाल ही में डॉ. सजल कुमार ने एक बड़ा भूखंड खरीदा था, जिसके बाद डॉ. शिवनारायण ने उसमें अपना हिस्सा मांगा. डॉ. सजल को मालदार समझकर शिवनारायण ने अपहरण कर फिरौती वसूलने की योजना बनाई. एसएसपी ने बताया कि फिरौती की राशि करीब एक करोड़ रुपये थी, हालांकि सटीक आंकड़ा अभी स्पष्ट नहीं हो सका है. अपहरण का प्रयास कैसे हुआ नाकाम: घटना 17 दिसंबर के रात की है, जब डॉ. सजल कुमार अपने क्लिनिक से घर लौट रहे थे. हथियारबंद अपराधियों ने उन्हें और उनके केयर टेकर को बंदूक की नोक पर कार में बिठा लिया. चलती कार से डॉ. सजल कुमार ने सूझबूझ दिखाते हुए छलांग लगा दी और भाग निकले. इस दौरान अपराधियों की कार एक पोल से टकरा गई, जिससे वे अफरा-तफरी में फरार हो गए.

पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मुठभेड़: मामले की गंभीरता को देखते हुए, अनुमंडल पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई. जांच में दो अपराधियों गोलू कुमार और रंजन राय को पहले गिरफ्तार किया गया. हथियार बरामद करने पहुंची पुलिस टीम पर इन अपराधियों ने फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने गोली चलाई और दोनों को पैर में घायल कर पकड़ लिया. दोनों अभी अस्पताल में भर्ती हैं.

गिरफ्तार आरोपियों की लिस्ट: एसएसपी डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य साजिशकर्ता डॉ. शिवनारायण सिंह, हरियाणा निवासी मोंटी भारती, गोलू कुमार, धीरज गिरि, रंजन राय, सोनू राय शामिल है. एक आरोपी अभी फरार है. पुलिस ने इनके पास से दो देसी कट्टा, एक देसी पिस्तौल, जिंदा कारतूस, खोखे और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं.

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका: इस सफल ऑपरेशन में अनुमंडल पुलिस अधिकारी सदर, थाना अध्यक्ष नगर संजीव कुमार, थाना अध्यक्ष भगवान बाजार सुभाष कुमार और जिला सूचना इकाई के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही. एसएसपी ने टीम की तारीफ करते हुए कहा कि तकनीकी जांच और छापेमारी से मामले का तेजी से खुलासा संभव हुआ. पुलिस आगे की जांच कर रही है.

कानपुर कपड़ा कमेटी चुनाव : युवा गुट का दबदबा- सभी 14 प्रत्याशी जीते, अमित दोसर को मिले सर्वाधिक वोट

कानपुर, एजेंसी। कानपुर कपड़ा कमेटी की 23 सदस्यीय कार्यकारिणी के गठन के लिए हुए मतदान में युवा गुट ने शानदार जीत हासिल की। युवा गुट के सभी 14 प्रत्याशी जीते जबकि काशी गुट के आठ प्रत्याशी ही जीत पाए। उनका एक प्रत्याशी चुनाव हार गया। निर्दलीय लक्ष्मण सहगल जीत गए। निवर्तमान अध्यक्ष अमित दोसर को सबसे ज्यादा 901 वोट मिले। चुनाव में जोरदार टक्कर देखने को मिली। कई प्रत्याशियों में एक से लेकर चार वोटों में जीत का अंतर रहा। वहीं, 28 दिसंबर को आमसभा बुलाई गई है। इसके 15 दिन बाद कमेटी के नए पदाधिकारियों का चयन होगा। अब नए साल में कमेटी बन जाएगी। मुख्य चुनाव अधिकारी सत्य नारायण सिंहानिया ने बताया कि चुनाव में बुधवार को 73.44 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसमें 1548 में से 1137 लोगों ने वोट डाले थे। दो दिन तक चली मतगणना में 1086 वैध वोटों की गिनती की गई। 51 वोट अवैध रहे। 23 सदस्यीय कार्यकारिणी के लिए 24 प्रत्याशी मैदान में थे। कम प्रत्याशी होने से जीत का अंतर भी बेहद कम रहा। पिछले चुनाव में भी युवा गुट ने परचम लहराया था 12, 13, 21 और 22 नंबर के बीच जीत का अंतर एक-एक वोट रहा जबकि 19 से 20 नंबर के सदस्य के बीच जीत का अंतर चार वोट रहा। वहीं, जीत के बाद विजयी प्रत्याशियों ने ढोल-नगाड़ों के बीच डांस किया। एक दूसरे और मिठाई खिलाई। बाद में बाजार में जुलूस भी निकाला गया। पिछले चुनाव में भी युवा गुट ने परचम लहराया था। इस दौरान सहायक चुनाव अधिकारी करुणेश मिश्रा, राधेश्याम माहेश्वरी मौजूद रहे। युवा गुट के सदस्य और उनके मिले वोट अमित दोसर को 901, रुमित सिंह सागरी को 851, नवीन कुमार नेवटिया को 844, अशोक माहेश्वरी को 827, राकेश कपूर को 786, अभिषेक चावला को 776, राकेश कुमार सेठिया को 753, अशोक कुमार माहेश्वरी को 746, करनराज वोहरा को 721, संजय कुमार गुप्ता को 702, राम प्रकाश गुप्ता को 693, श्याम जी गुप्ता को 675, सुनील कुमार अग्रवाल को 651, अनिल कुमार जैन को 647 वोट मिले। काशी गुट के सदस्य और उनके मिले वोट विश्वनाथ गुप्ता को 855, दीपक कुमार गुप्ता को 844, वीरेंद्र गुलाटी को 777, काशी प्रसाद शर्मा को 722, श्रीकृष्ण गुप्ता को 694, कमल कुमार अग्रवाल को 659, सुदेश चंदानी को 646, अमित कुमार गुप्ता को 606, , गंगा नारायण गुप्ता को 242 वोट। निर्दलीय लक्ष्मण सहगल को 654 वोट मिले

जिस बिजली समस्या का नहीं ऑनलाइन निदान, मातृ-शक्तियां कर रही ऑफलाइन हल

लखनऊ , एजेंसी। बिजली की नई वर्टिकल व्यवस्था के तहत लखनऊ मध्य जोन के जिम्मेदारों ने नया प्रयोग किया है। इस प्रयोग में बिजली विभाग की मातृ-शक्तियों को उपभोक्ताओं की उन समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिनका ऑनलाइन निदान संभव नहीं हो पा रहा है। अधीक्षण अभियंता (कॉमर्शियल) मुकेश त्यागी के अनुसार, उपभोक्ताओं के कनेक्शन का नाम परिवर्तन, नाम की स्पेलिंग में संशोधन, बिजली कनेक्शन का स्थायी विच्छेदन (पीडी), स्मार्ट मीटर तेज चलने की शिकायत पर चेक मीटर लगवाना और विद्युत लोड घटाने-बढ़ाने जैसी सेवाएं ऑनलाइन सहजता से उपलब्ध नहीं हैं। इन सभी समस्याओं का ऑफलाइन समाधान उपभोक्ता सेवा सेल की मातृ-शक्ति नीलम यादव, प्रियंका जोशी, रेखा भट्ट और अलमीन फातिमा प्रभावी ढंग से कर रही हैं। मुकेश त्यागी ने बताया कि कॉमर्शियल विंग में कुल 22 मातृ-शक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। रोजाना 50 शिकायतों का निस्तारण उपभोक्ता सेवा सेल की चार मातृ-शक्तियां प्रतिदिन करीब 50 उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान कर रही हैं। अब तक 1250 से अधिक उपभोक्ताओं के कनेक्शन का नाम परिवर्तन कराने से लेकर चेक मीटर लगवाने तक का कार्य पूरा किया जा चुका है। शिकायत दर्ज होने के बाद उपभोक्ता को शिकायत संख्या दी जाती है, जिसके जरिये वह स्थिति की जानकारी भी ले सकता है और समाधान की सूचना भी मिलती है। टोकन वीमेन शांति देवी पहली कड़ी हुसैनगंज स्थित वर्टिकल कार्यालय में आने वाले उपभोक्ताओं की पहली मुलाकात टोकन वीमेन शांति देवी से होती है। वह उपभोक्ता का विवरण रजिस्टर में दर्ज कर उसे टोकन नंबर जारी करती हैं। इसी टोकन नंबर के आधार पर उपभोक्ता सेवा सेल में सुनवाई होती है। व्यवस्था संभालतीं आशा सिंह लखनऊ मध्य जोन की मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल ने बताया कि वर्टिकल कार्यालय में उपभोक्ताओं का आवागमन सुचारू रखने की जिम्मेदारी आशा सिंह को सौंपी गई है। वह बेढंगी वाहन खड़े करने वालों को डंडा दिखाकर सही स्थान पर पार्किंग के लिए निर्देशित करती हैं, जिससे प्रतिदिन आने वाले 200 से 250 वाहनों की पार्किंग व्यवस्था सुचारू बनी रहती है। उपभोक्ता सेवा अत्यंत संवेदनशील कार्य है। इसमें विश्वसनीयता और पारदर्शिता सबसे अहम होती है। इसी उद्देश्य से वर्टिकल सिस्टम में कॉमर्शियल विंग में महिलाओं की तैनाती की गई है, ताकि कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनी रहे ।

परेड ग्राउंड में होंगे जिलास्तरीय खेलकूद

उन्नाव , एजेंसी। शिक्षा विभाग परिषदीय स्कूलों के छात्रों की जिलास्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता कराने जा रहा है। 22 व 23 दिसंबर को होने वाली इस प्रतियोगिता में ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में सफल छात्र प्रतिभाग करेंगे। भोजन, स्वलपाहार, रजाई और गद्दे की व्यवस्था की जिम्मेदारी बीएसए ने बीईओ को दी है। बीएसए शैलेष कुमार पांडेय ने बताया कि प्रतियोगिता पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में 22 और 23 दिसंबर को होने जा रही है। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्रों की सूची सभी बीईओ को 20 दिसंबर तक जिला व्यायाम शिक्षक पुरुषोत्तम कुमार को देने के निर्देश दिए गए हैं। ठंड को देखते हुए ब्लॉक से आने वाले टीम प्रभारी छात्रों को ठंड से बचाव के लिए जरूरी कपड़ों के साथ बाल्टी, लोटा, प्राथमिक चिकित्सा किट, दरी, चादर और कंबल लाने के लिए कहा गया है। छात्राओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसके लिए उनके साथ महिला शिक्षिकाएं रहेंगी। प्रतिभागी पूरी किट के साथ ही प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे, साथ ही अपने-अपने ब्लॉक के रंगों के झंडे और स्टील पाइप भी लाएंगे। स्टील का पाइप कम से कम 10 फीट का होना अनिवार्य है। क्रीड़ा स्थल पर सुबह नौ बजे पहुंचना होगा।

कोसी कोसती है: रामपुर में अफसर-माफिया गठजोड़ से अवैध खनन, दिन-रात चल रहा गंदा खेल

रामपुर/बरेली, एजेंसी। हिमालय से निकलने वाली कोसी नदी की अविरलता पर उत्तराखंड से सटे रामपुर जिले में पोकलेन व जेसीबी से रोजाना घातक प्रहार किया जा रहा है। नदी की तलहटी को गहरे गड्ढों में तब्दील किया जा रहा है। खनन विभाग और पुलिस-प्रशासन की शह पर माफिया खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ओवरलोड डंपर व ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़कों की दुर्दशा कर रहे हैं। इससे कोसी नदी का प्राकृतिक स्वरूप बिगड़ रहा है। पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंच रहा है। यह खेल बाढ़ और कटान का गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। इन सबके बीच वायु व ध्वनि प्रदूषण सामान्य समस्या बन चुका है। आश्चर्य यह कि जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं। उनके अनुसार सब कुछ ठीक है। उत्तराखंड से सटा मुरादाबाद मंडल का रामपुर जिला बालू-मिट्टी के अवैध खनन के लिए कुख्यात है। कई इलाकों में खनन माफिया का एकछत्र राज चल है। सुविधानुसार अवैध खनन किया जा रहा है। मानकों की खुली अनदेखी हो रही है। और टांडा तहसील क्षेत्र के दढ़ियाल, मसवासी, घोसीपुरा, सुल्तानपुर पट्टी, चौहरा, समोदिया समेत कई गांवों के पास हालात बेहद गंभीर हैं। स्वार क्षेत्र के पट्टी कलां और घोसीपुरा गांव के पास उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड की सीमा है। ओवरलोड डंपरों की रफ्तार से दोनों राज्यों को जोड़ने वाले मार्ग जर्जर हो चुके हैं। कहने को अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए चेक पोस्ट बनाए गए हैं, टास्क फोर्स गठित की गई है और नोडल अधिकारी भी नियुक्त हैं, लेकिन जैसे-जैसे रात गहराती है, जेसीबी और पोकलेन का प्रहार और तेज हो जाता है।

रामपुर के जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि समोदिया गांव में दिसंबर में ही अवैध खनन की शिकायत पर 40 से ज्यादा आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया गया था। सभी चेक प्वाइंटों पर सीसीटीवी कैमरों की कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग होती है। साथ ही, अवैध खनन अथवा ओवरलोडिंग में संलिप्त वाहन का पंजीकरण रद्द करने समेत अन्य दंडात्मक कार्रवाई तत्काल करने के निर्देश दिए गए हैं। अफसर-माफिया के गठजोड़ से चल रहा अवैध धंधा स्वार से अपना दल (एस) के विधायक शफीक अहमद अंसारी ने कहा कि अफसरों-खनन माफिया के गठजोड़ से अवैध खनन का खेल चल रहा है। एक भी वैध खनन पट्टा नहीं, फिर भी 50 से अधिक क्रशर चल रहे हैं, यह कैसे संभव है? बड़े से बड़े अफसर तक शिकायत की, लेकिन हर बार मामला रफा-दफा कर दिया गया। प्रशासन सुनिश्चित करे अवैध खनन न हो मिलक की भाजपा विधायक राजबाला सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा स्पष्ट है कि अवैध खनन न हो, मगर रामपुर में हो रहा है। यह स्थानीय प्रशासन को सुनिश्चित करना चाहिए कि अवैध खनन न होने पाए। अवैध खनन के धंधे से जुड़े लोग बोले नेता-अफसर... सबको जाता है चढ़ावा मुरादाबाद मंडल के रामपुर जिले में बालू और मिट्टी के अवैध खनन के धंधे से जुड़े कुछ खिलाड़ियों ने बेखौफ बताया कि असली कमाई नियम तोड़कर खनन करने में है। पट्टा लेते समय शर्तों को मानने की मजबूरी होती है, लेकिन तय प्वाइंट से आगे-पीछे और अधिक गहराई में खुदाई नहीं करेंगे, तो नेता और अफसरों तक हिस्सा कैसे पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि नेताओं और अफसरों की सहमति के बिना अवैध खनन संभव ही नहीं है। किसी भी सरकार में यह खेल बंद नहीं होता। चेहरे वही रहते हैं, केवल सत्ता बदलने पर धंधेबाज अपनी रणनीति बदल लेते हैं और सत्तारूढ़ दल के नेताओं का दामन थाम लेते हैं। प्रशासनिक अफसरों के इशारे पर सरकारी रैलियों और कार्यक्रमों के इंतजाम में भी खनन से जुड़े लोग सक्रिय भूमिका निभाते हैं। ओवरलोड डंपरों की कतार जाम व हादसों की बड़ी वजह स्वार-टांडा और बिलासपुर के मुख्य व संपर्क मार्गों पर ओवरलोड डंपर दौड़ते नजर आते हैं। तय सीमा से दोगुना तिगुना भार लेकर निकलने वाले इन वाहनों से सड़कें उखड़ रही हैं। ऊपर से इनमें से पानी टपकता रहता है, जो सड़कों को और नुकसान पहुंचाता है। मसवासी, सुल्तानपुर पट्टी व दढ़ियाल के पास इन वाहनों की लंबी कतारों से भीषण जाम लगता है। हादसों में कई लोग जान तक गंवा चुके हैं। स्थानीय लोगों में आक्रोश है, पर उनकी शिकायतें प्रशासनिक फाइलों में दबी रह जाती हैं। प्रतिबंध कागजों में, नदी में पोकलेन से हो रही खुदाई रामपुर जिले में स्वार-टांडा रोड और बिलासपुर होते हुए रुद्रपुर रोड पर कोसी नदी के किनारे बेहिसाब अवैध खनन किया जा रहा है। मुख्य सड़क से प्वाइंट तक पहुंचने वाले रास्ते कच्चे और ऊबड़-खाबड़ हैं। रास्ते में जगह-जगह अघोषित नाकेबंदी नजर आती है। माफिया के लोग आग तापते हुए मिल जाते हैं और बेवजह लोगों को आगे जाने से रोकते हैं। नदी किनारे पोकलेन से खनन प्रतिबंधित है, लेकिन मोटे मुनाफे के लिए इसका खुलेआम इस्तेमाल हो रहा है। प्रशासन और खनन विभाग के अफसर इस ओर आंखें मूंदे हुए हैं। दो डीएम के खिलाफ हाईकोर्ट ने दिया था कार्रवाई का आदेश रामपुर में अवैध खनन के गंदे खेल का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक याचिका पर दिसंबर 2017 में हाईकोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। हाईकोर्ट ने रामपुर के दो जिलाधिकारियों के निलंबन का आदेश दिया था। साथ ही जिले में तैनात रहे अन्य अधिकारियों के खिलाफ जांच के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। रामपुर जिला आज भी बालू और मिट्टी के अवैध खनन के लिए कुख्यात है।

ईओ से विवाद के बाद 15 सभासदों ने दिया इस्तीफा

उन्नाव। सभासद विकास व मरम्मत कार्यों में खर्च की जानकारी मांग रहे थे। ईओ ने सभासद को फाइल देखने का अधिकार न होने की बात कही तो विवाद हो गया। इस पर 15 सभासदों ने नारेबाजी की और पालिका की सदस्यता से इस्तीफा देने के लिए ईओ को पत्र दिया। कुछ सभासद शुक्रवार की दोपहर नगर पालिका पहुंचे और ईओ संजय गौतम से अपने वार्डों में विकास, मार्ग प्रकाश सहित अन्य समस्याओं के निपटारे की मांग की। ईओ ने बजट की कमी का हवाला दिया और बजट मिलने पर काम कराने की बात कही। इस पर सभासदों ने नाला सफाई और वाहन मरम्मत हो रहे खर्च का ब्योरा मांगा। ईओ ने फाइलें तो मंगाई लेकिन उनका ब्यौरा देने से इन्कार करते हुए कहा कि यह सभासदों का अधिकार नहीं है। इस पर सभासदों ने अपने कानूनी अधिकार बताए और प्रदर्शन कर नारेबाजी की। इसके बाद पत्र दिया जिसमें नगर पालिका में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और अधिकारों के हनन का हवाला देते हुए सामूहिक इस्तीफा देने की बात लिखी। सभासद ब्रजेश पांडेय ने बताया कि जो

भी मांगपत्र पर दिया जाता है, उसपर कोई भी सुनवाई नहीं होती है। आरोप लगाया कि शहर में सरकारी जमीन की खोजबीन करने के बाद उनपर जबरन कब्जा करा दिया जाता है। सभासद मुन्ना सिंह ने कहा कि बोर्ड का सदस्य होने के नाते अधिकार है कि विकास कार्यों और उनपर हो रहे खर्च की जानकारी उन्हें दी जाए। राजेंद्र भारती, अशोक कुमार, लक्ष्मी देवी, यासीन अहमद, प्रेम भी मौजूद रहे। ईओ ने बताया कि उनपर लगाए जा रहे आरोप गलत है, केवल इतना कहा था कि अध्यक्ष से अनुमति लेकर फाइल दिखाएंगे ।

मायावती बोलीं- नीतीश कुमार को पश्चाताप करना चाहिए, मुस्लिम महिला का हिजाब हटवाना दुर्भाग्यपूर्ण

लखनऊ, एजेंसी। बसपा प्रमुख मायावती ने शनिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसा है। डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र देने के कार्यक्रम में एक मुस्लिम महिला डॉक्टर का हिजाब हटवाए जाने के विवाद को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। मायावती ने कहा कि यह मामला महिला सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा है, जिसे मुख्यमंत्री के सीधे हस्तक्षेप से अब तक सुलझ जाना चाहिए था। मंत्रियों की बयानबाजी से विवाद और गहराया है, ऐसे में मुख्यमंत्री को पश्चाताप कर इस प्रकरण को समाप्त करना चाहिए। बहराइच में कथावाचक को सलामी दिए जाने के मामले पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुलिस परेड और सलामी की अपनी परंपरा, अनुशासन और मर्यादा होती है, जिससे खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। इस मामले में डीजीपी को संज्ञान लेकर सही कार्रवाई करनी चाहिए। शीतकालीन सत्र जनहित के मुद्दों से भटका हुआ है बसपा प्रमुख ने यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र को भी जनहित के मुद्दों से भटका हुआ बताया। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों की खाद समस्या और जनकल्याण के सवालों पर जवाबदेह होना चाहिए था। इसके अलावा संसद के शीतकालीन सत्र में वायु प्रदूषण जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा न होने को भी उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। साथ ही बांग्लादेश में बढ़ती भारत विरोधी गतिविधियों पर केंद्र सरकार से दीर्घकालीन नीति अपनाने की मांग की।

कानपुर में गोविंद नगर का पार्क बना 'कंक्रीट का जंगल', एफ आई आर और ध्वस्तीकरण की मांग

सुनील बाजपेई

कानपुर। शहर के गोविंद नगर (ब्लॉक-8) स्थित सार्वजनिक पार्क के अस्तित्व पर संकट गहरा गया है। पार्क के 70% हरित क्षेत्र को नष्ट कर वहां अवैध निर्माण और इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछाने के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। भाजपा साहित्य प्रचार विभाग के जिला संयोजक, प्रकाश वीर आर्य ने इस संबंध में जिलाधिकारी, नगर आयुक्त और मुख्य सचिव चूपी को पत्र लिखकर अधिकारियों की मिलीभगत और कोर्ट के आदेशों की अवमानना का गंभीर आरोप लगाया है।

एस सीआर एन जी टी के नियमों की अनदेखी शिकायत के अनुसार, पार्क के एक बड़े हिस्से को जानबूझकर कंक्रीट से पाट दिया गया है। जबकि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एनजीटी का स्पष्ट नियम है कि पार्क में केवल 5% हिस्से पर ही वॉकिंग ट्रैक बनाया जा सकता है। वहीं नियमों को ताक पर रखकर 'ऑक्सीजन जोन' को खत्म किया जा रहा है।

अवैध धार्मिक निर्माण: पार्क के भीतर दो साल पहले 10x20 फीट का एक चबूतरा बनाया गया था। आरोप है कि नगर निगम अधिकारियों ने इसे 'पुराना निर्माण' बताकर संरक्षण दिया, जिसके कारण आज वहां स्थायी कब्जों का जाल बिछ गया है।

श्री आर्य ने आरोप लगाया कि विधायक/सांसद निधि जैसे सार्वजनिक धन का उपयोग पार्क की हरियाली उजाड़ने के लिए किया जा रहा है, जो कि भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस) की धारा 324 के तहत दंडनीय अपराध है।

अधिकारियों की 'गुमराह' करने वाली रिपोर्ट: शिकायत में कहा गया है कि अई जी आर एस और आर टी आई के जवाब में अधिकारियों ने झूठी रिपोर्ट लगाकर उच्च अधिकारियों को गुमराह किया है, ताकि दोषियों को बचाया जा सके।

15 दिनों का अल्टीमेटम भाजपा नेता ने मांग की है कि पार्क को उसके मूल स्वरूप में बहाल किया जाए और अवैध टाइल्स व निर्माण को तत्काल हटाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर दोषियों पर रिपोर्ट और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नहीं हुई, तो वे माननीय उच्च न्यायालय में अवमानना याचिका दायर करेंगे।

प्रदेश में जल्द बढ़ सकता है शिक्षामित्रों और अनुदेशकों का मानदेय; बेसिक शिक्षा ने सदन में दिया यह बयान

लखनऊ , एजेंसी। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने विधान परिषद में शुक्रवार को एक प्रश्न के जवाब में कहा कि शिक्षामित्रों व अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि पर जल्द ही सरकार निर्णय लेगी। इस निर्णय से यथासमय सदन को भी अवगत कराएंगे। यह मुद्दा सपा के आशुतोष सिन्हा ने प्रश्न प्रहर में उठाया था। उन्होंने कहा कि इस संबंध में क्या कोई कमेटी का गठन किया गया है। इस पर संदीप सिंह ने कहा कि किसी कमेटी का कोई गठन नहीं किया गया है। प्रश्न प्रहर में ही डॉ. मान सिंह यादव ने वित्तविहीन शिक्षकों को सुविधाओं का मामला उठाया। नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उन्हें कैशलेस इलाज के लिए 89 करोड़ रुपये से ज्यादा का बजट दिया गया है। जल्द ही इस सुविधा के लिए शासनादेश भी जारी कर दिया जाएगा। शिक्षक दल के ध्रुव त्रिपाठी ने संस्कृत विद्यालयों के शिक्षकों को जीपीएफ भुगतान में आ रही दिक्कतों को सामने रखा। नेता सदन व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि छह माह के अंदर नव सृजित जिलों में आ रही समस्याओं को दूर कर दिया

जाएगा। सपा के लाल बिहारी यादव ने निजी शिक्षा बोर्ड के प्रचार-प्रसार में अधिकारियों के लगने का मुद्दा उठाया। इस पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जांच कराएंगे। सपा सदस्य किरण पाल ने शामली में नाले की समस्या को उठाया। पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि एक हफ्ते के अंदर जांच करवाकर कार्रवाई करेंगे। सपा के मुकुल यादव ने नगर पंचायत करहल में श्मशान न होने का मुद्दा उठाया। सरकार की ओर से जल्द श्मशान की व्यवस्था किए जाने का आश्वासन दिया गया। चयन में आरक्षण का पालन नहीं : देवेंद्र प्रताप सिंह भाजपा के ही सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु में शिक्षक के पद पर रिश्वत लेकर अयोग्य लोगों के चयन और आरक्षण का पालन नहीं किए जाने की बात कही। नेता सदन ने कहा कि यह गंभीर मामला है। अगर आरक्षण की प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ होगा तो जांच कर कड़ी कार्रवाई होगी। भाजपा के ही रविशंकर त्रिपाठी ने जननायक चंद्रशेखर विवि, बलिया में जमीन दाता को कार्य परिषद में शामिल न किए जाने का मुद्दा उठाया। इस पर केशव प्रसाद मौर्य ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। सदन में ही लखीमपुर खीरी में भारत-नेपाल सीमा से नैमिष और ओरछा (मध्य प्रदेश) तक एक्सप्रेसवे के निर्माण की मांग भी उठी। सदन में उठी चीनी माझे की समस्या भाजपा के विधान परिषद सदस्य विजय बहादुर पाठक ने चीनी माझे की समस्या को सदन में उठाया। उन्होंने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से चीनी माझा की खुलेआम बिक्री पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह मानव जीवन और पशु-पक्षियों के घातक बन चुके हैं।

संदर्भ समिति को भेजा गया शोध से संबंधित प्रश्न शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी जी ने उत्तर प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस टेक्नोलॉजी के प्रोजेक्टों के संबंध में माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार से प्रश्न किया। ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि मेधा का सही इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है। सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने इस सवाल को प्रश्न एवं संदर्भ समिति को भेजे जाने के निर्देश दिए। उधर, शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने विशेषाधिकार हनन के तहत जिलों में होने वाली बैठकों की सूचना न मिलने का मामला रखा। विधान परिषद के पूर्व सदस्य गोरख प्रसाद निषाद के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी गई ।

लेखपाल भर्ती परीक्षा में आरक्षण विसंगतियों पर योगी सख्त; राजस्व परिषद को चेतावनी

● अखिलेश ने लगाया आरोप

लखनऊ, एजेंसी। राजस्व लेखपाल भर्ती विज्ञापन में आरक्षण संबंधी विसंगतियों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद राजस्व परिषद को चेतावनी जारी की गई है और स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि भर्तियों में आरक्षण प्रावधानों के पालन में किसी भी तरह की त्रुटि, लापरवाही या मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद राजस्व परिषद ने श्रेणीवार रिक्तियों की दोबारा

समीक्षा शुरू कर दी है और संशोधित अधियाचन एक सप्ताह के भीतर अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को भेजने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने साफ कहा है कि सरकारी भर्तियों में लंबवत और क्षैतिज दोनों प्रकार के आरक्षण प्रावधानों का शत-प्रतिशत अनुपालन अनिवार्य है। यह न केवल कानूनी दायित्व है, बल्कि सामाजिक न्याय की मूल भावना से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने सभी विभागों को दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि आरक्षण से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर विसंगति पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। गौरतलब है कि 16 दिसंबर 2025 को राजस्व लेखपाल के 7,994 पदों के लिए जारी विज्ञापन के बाद यह सामने आया कि जनपदों से भेजे गए श्रेणीवार रिक्तियों के आंकड़ों में असंगतियां हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल संज्ञान लिया और पूरी प्रक्रिया को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इसके बाद राजस्व परिषद ने कार्यरत और रिक्त पदों के श्रेणीवार आंकड़ों का पुनः सत्यापन शुरू किया है, ताकि संशोधित अधियाचन पूरी तरह नियमसम्मत और त्रुटिरहित हो। राजस्व परिषद की सचिव कंचन वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में प्राथमिकता के आधार पर आंकड़ों की समीक्षा की जा रही है। संशोधित अधियाचन आयोग को भेजे जाने के बाद भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी, विवाद-मुक्त और आरक्षण नियमों के पूर्ण पालन के साथ आगे बढ़ेगी। प्रदेश सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि आरक्षण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ स्वीकार नहीं की जाएगी। युवाओं के भविष्य से जुड़ी भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और कानून सम्मत कार्यवाही सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। लेखपाल भर्ती में मुख्यमंत्री का यह हस्तक्षेप न केवल मौजूदा प्रक्रिया को सुधारने वाला कदम है, बल्कि आने वाली सभी भर्तियों के लिए भी कड़ा संदेश है कि आरक्षण नियमों में किसी तरह की ढिलाई नहीं चलेगी। लेखपाल भर्ती परीक्षा में आरक्षण की हकमारी का अखिलेश ने उठाया सवालसपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ओबीसी के लिए संविधान द्वारा निश्चित 27 प्रतिशत आरक्षण में से एक-तिहाई आरक्षण को नकारकर अपना असली संविधान-आरक्षण विरोधी चेहरा दिखा रही है। अब नए नवेले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सामने आएं और ओबीसी आरक्षण की हकमारी से बचाएं। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजस्व विभाग लेखपाल भर्ती में आरक्षण के पदों की सही गणना नहीं की गई ।

सेंसेक्स की 10 में 6 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण 75,257 करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ टीसीएस को हुआ, जिसका एमकैप 22,595 करोड़ रुपए बढ़ा

मुंबई।

घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद बीएसई की टॉप-10 कंपनियों में मिली-जुली चाल देखी गई। पिछले सप्ताह छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (एमकैप) में कुल 75,257 करोड़ रुपए की बढ़त हुई, जबकि बाकी चार कंपनियों के एमकैप में कुल 45,842 करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज हुई। इस सप्ताह सबसे अधिक लाभ टीसीएस को हुआ, जिसका एमकैप 22,595 करोड़ रुपए बढ़ा। इसके बाद इंफोसिस का एमकैप 16,972 करोड़ रुपए बढ़ा। भारतीय स्टेट बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के एमकैप में क्रमशः 15,923 करोड़ और 12,315 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। वहीं भारती एयरटेल का एमकैप 7,384 करोड़ रुपए और लार्सन एंड टुब्रो का लगभग 69 करोड़ रुपए बढ़ा। वहीं इस सप्ताह एचडीएफसी बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ, जिसका एमकैप 21,920 करोड़ रुपए घटा। इसके अलावा एलआईसी** का एमकैप 9,614 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का 8,428 करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस का 5,880 करोड़ रुपए गिरा। सप्ताह के अंत में रिलायंस इंडस्ट्रीज 21.18 लाख करोड़ रुपए के बाजार मूल्य के साथ पहले स्थान पर रही। एचडीएफसी बैंक दूसरे और भारती एयरटेल तीसरे स्थान पर बनी रहीं। विश्लेषकों के अनुसार, आईटी और ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों ने निवेशकों का भरोसा बनाए रखा, जबकि बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों में दबाव अधिक रहा। इस मिश्रित प्रदर्शन ने बीएसई के टॉप-10 शेयरों में अलग-अलग दिशा दिखाने का रुझान उजागर किया।

इंडिगो दिसंबर फ्लाइट रद्दीकरण: प्रभावित यात्रियों को मिलेगा 10,000 का मुआवजा

- वेबसाइट से टिकट बुक करने वाले यात्रियों को पहले भुगतान करेगी

नई दिल्ली। इंडिगो अगले हफ्ते से उन यात्रियों को मुआवजा देना शुरू करेगा, जो दिसंबर की शुरुआत में हुई बड़े पैमाने पर फ्लाइट रद्दीकरण से प्रभावित हुए थे। एयरलाइन सीधे ऐसे इंडिगो की वेबसाइट से टिकट बुक करने वाले यात्रियों को पहले भुगतान करेगी, क्योंकि उनकी जानकारी एयरलाइन के पास पहले से मौजूद है। ट्रैवल एजेंट और ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों (ओटीए) के माध्यम से बुक किए गए यात्रियों का डेटा एयरलाइन अब एकत्र करेगी। प्रभावित यात्रियों को 10,000 रुपए के यात्रा वाउचर दिए जाएंगे। यह राशि सरकार के नियमों के तहत 5,000 से 10,000 रुपए तक के अतिरिक्त मुआवजे के अलावा होगी। पात्र तिथियां 3, 4 और 5 दिसंबर हैं, जब यात्री कई घंटे एयरपोर्ट पर फंसे थे। डीजीसीए यह सुनिश्चित करेगा कि हर पात्र यात्री को मुआवजा मिले। मंत्रालय एयर सेवा पोर्टल के जरिए प्रक्रिया की निगरानी करेगा और लंबित शिकायतों को तुरंत निपटाएगा। हालांकि हैं डिगो ने रद्द की गई फ्लाइट्स के लिए रिफंड शुरू कर दिया है, ओटीए के माध्यम से बुकिंग करने वाले कई यात्रियों को अभी तक पूरी राशि नहीं मिली है। डीजीसीए ने ओटीए को निर्देश दिए हैं कि यात्री को बिना किसी कटौती के पूरी राशि लौटाई जाए। गौरतलब है कि 1-9 दिसंबर के बीच हैं डिगो ने कुल 4,354 फ्लाइट्स रद्द की थीं। इनमें से 3, 4 और 5 दिसंबर को 2,507 फ्लाइट्स रद्द हुईं, जिनमें 2,456 घरेलू और 51 अंतरराष्ट्रीय सेवाएं शामिल हैं।

एफपीआई ने दिसंबर में भारतीय बाजार से निकाले 23,377 करोड़

- पूरे वित्त वर्ष में एफपीआई अब तक 68,628 करोड़ की कर चुके हैं निकासी

मुंबई।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार से कुल 23,377 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने इक्विटी बाजार से 14,185 करोड़ रुपये और डेट सेगमेंट से 9,682 करोड़ रुपये निकाल लिए। यह संकेत देता है कि विदेशी निवेशक अब बाजार में अधिक सतर्क हो गए हैं और बड़े पैमाने पर पैसा वापस ले रहे हैं।

हालांकि, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में एफपीआई का निवेश जारी रहा। म्यूचुअल फंड में उन्होंने 77 करोड़ रुपये और हाइब्रिड में 420 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। इससे स्पष्ट होता है कि निवेशकों ने कुछ सुरक्षित और मिश्रित विकल्पों में अपनी रकम बनाए रखी है। करीब दो महीने के अंतराल के बाद दिसंबर में एफपीआई फिर से शुद्ध बिकवाल बने।

इससे पहले, नवंबर में उन्होंने 4,114 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 35,246 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। यह बदलाव दिखाता है कि विदेशी निवेशक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार अपने निवेश की रणनीति बदल रहे हैं। पूरे कैलेंडर वर्ष में एफपीआई अब तक 68,628 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने केवल इक्विटी से ही 1,51,677 करोड़ रुपये निकाले, जबकि डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड सेगमेंट में उनका निवेश अभी भी सकारात्मक बना हुआ है।

भारत ने 2025 में हासिल किया नवीकरणीय ऊर्जा का बड़ा मुकाम

- कुल बिजली क्षमता का आधा हिस्सा अब गैर-जीवाश्म स्रोतों से

नई दिल्ली। 2025 में भारत ने पेरिस समझौते के तहत तय 2030 के लक्ष्य से पांच साल पहले ही अपनी कुल बिजली उत्पादन क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त कर लिया। देश की कुल स्थापित क्षमता अब लगभग 510 गीगावॉट है, जिसमें 247 गीगावॉट जीवाश्म ईंधन और 262 गीगावॉट गैर-जीवाश्म स्रोतों से है। गैर-जीवाश्म स्रोतों में से 254 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा से आता है।

2025 में लगभग 50 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा जोड़ी गई, जिसमें जनवरी से नवंबर के बीच 45 गीगावॉट शामिल हैं। इस दौरान 35 गीगावॉट सौर ऊर्जा का योगदान रहा। इस विस्तार के लिए लगभग दो लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना और पीएम कुसुम योजना ने नवीकरणीय परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद की। उद्योग के अनुसार प्रति गीगावॉट निवेश आवश्यकता लगभग चार करोड़ रुपये है। भूमि अधिग्रहण, मार्ग अधिकार और बिजली खरीद समझौतों में देरी जैसी चुनौतियां नई परियोजनाओं को सीमित कर रही हैं। हालांकि, सरकार को उम्मीद है कि 2026 में भी इसी रफ्तार से क्षमता जोड़ी जाएगी। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भविष्य उज्ज्वल है और ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों से संचालित होगी।

सहारा इंडिया पर बकाया वेतन का आरोप, लखनऊ में एफआईआर दर्ज

- काम किया पर नहीं मिली सैलरी, परेशान कर्मचारी

लखनऊ (ईएमएस)। सहारा इंडिया की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। कंपनी के डिप्टी चीफ मैनेजर ओपी श्रीवास्तव और सहारा परिवार के खिलाफ अरिंदम बनर्जी और उनकी पत्नी शिवानी ने बकाया वेतन न मिलने को लेकर एफआईआर दर्ज कराई है। मामला पहले कोलकाता के टेक्नोसिटी थाने में दर्ज हुआ था, लेकिन बाद में इसे लखनऊ ट्रांसफर कर दिया गया। अब इसकी जांच गोमती नगर पुलिस करेगी। एफआईआर के अनुसार, अरिंदम और शिवानी 1 सितंबर 2016 से कंपनी के चेयरमैन ऑफिस में तैनात थे। अरिंदम का वेतन शुरू में 4.40 लाख रुपए मासिक था, जिसे 5.46 लाख रुपए किया गया। शिवानी का वेतन 81 हजार रुपए था। चार साल नौकरी के बाद दोनों ने छह महीने का वैतनिक अवकाश लिया, लेकिन इस दौरान भी ऑनलाइन कंपनी से जुड़े रहे। जुलाई 2022 में बकाया वेतन की मांग की गई और जून 2023 में कुछ राशि मिली। हालांकि, कुल बकाया वेतन और ब्याज मिलाकर 2.03 करोड़ रुपए होने के बावजूद

सहारा इंडिया ने इसे अब तक पूरा भुगतान नहीं किया। कंपनी पहले से कई विवादों और कानूनी झंझटों में घिरी हुई है। यह मामला सहारा इंडिया के लिए नई कानूनी परेशानियों का कारण बन सकता है। अब लखनऊ पुलिस मामले की विवेचना करेगी और यह देखना होगा कि पीड़ितों को उनका बकाया वेतन कब मिलेगा।

टाइटन के घड़ी व्यवसाय की बिक्री एक अरब डॉलर के पार होने की उम्मीद

नई दिल्ली। टाइटन, प्रमुख घड़ी और आभूषण निर्माता, अपने घड़ी व्यवसाय को लेकर आशावादी है। कंपनी ने अगले दो वर्षों में बिक्री को 1 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए वह प्रीमियम उत्पादों को बढ़ावा देने, खुदरा नेटवर्क का विस्तार करने और अंतरराष्ट्रीय कारोबार को बढ़ाने की रणनीति अपना रही है। कंपनी के एक अ धिकारी के मुता बिक पिछले 4-5 वर्षों में टाइटन ने लगभग 16 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। भविष्य की वृद्धि के लिए कंपनी प्रीमियम और लक्जरी खंड पर ध्यान केंद्रित कर रही है। टाइटन भारत में हेलिओस और हेलिओस लक्स स्टोर्स के माध्यम से इस खंड का विस्तार कर रहा है।मार्कोस ने कहा कि भारत में प्रीमियम और लक्जरी घड़ियों की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिसमें 30 फीसदी से अधिक की वृद्धि की संभावना है। मजबूत आर्थिक स्थिति, बढ़ती व्यक्तिगत आय और बड़ी युवा आबादी इस बाजार को और भी आकर्षक बना रहे हैं।

26 दिसंबर से बढ़ेगा रेल का किराया

- छोटी दूरी और दैनिक यात्रियों पर कोई असर नहीं होगा

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने 26 दिसंबर से नए किराया नियम लागू करने की घोषणा की है। इसे रेलवे ने किराया वृद्धि नहीं बल्कि 'किराये का युक्तिकरण' कहा है। छोटी दूरी और दैनिक यात्रियों पर कोई असर नहीं होगा। केवल लंबी दूरी की यात्राओं के लिए किराया बढ़ेगा। साधारण श्रेणी में 215 किलोमीटर से अधिक यात्रा करने वाले यात्रियों को 1 पैसा प्रति किलोमीटर, मेल और एक्सप्रेस नॉन-एसी में 2 पैसे प्रति किलोमीटर और एसी कोच यात्रियों को भी 2 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से अतिरिक्त चुकाना होगा। जैसे यदि कोई यात्री नॉन-एसी कोच में 500 किलोमीटर यात्रा करता है, तो उसकी टिकट कीमत में लगभग 10 रुपये की बढ़ोतरी होगी। वहीं उपनगरीय ट्रेन और मंथली सीजन टिकट धारक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। रेलवे का खर्च लगातार बढ़ रहा है। पिछले दशक में नेटवर्क और ऑपरेशन्स विस्तार के कारण कर्मचारियों का खर्च 1,15,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि पेंशन का बोझ 60,000 करोड़ रुपये है। 2024-25 में संचालन लागत 2,63,000 करोड़ रुपये पार कर गई है। भारी खर्च और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के लिए रेलवे ने यात्री किराए में मामूली वृद्धि की है और कार्गो लोडिंग बढ़ाने पर भी जोर दिया है।

सर्ट-इन ने एप्पल उपकरणों में सुरक्षा कमजोरियों की चेतावनी दी

- आईओएस और आईपैड ओएस में फंसी खतरनाक बग, डेटा और प्राइवेसी जोखिम में

नई दिल्ली। भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सर्ट-इन) ने आईफोन, आईपैड, मैक और अन्य एप्पल उपकरणों में कई सुरक्षा कमजोरियों के बारे में चेतावनी दी है। इन कमजोरियों के कारण किसी हमलावर को मनमाना कोड चलाने, अधिक अधिकार हासिल करने, संवेदनशील डेटा चुराने और सिस्टम में बाधा डालने का खतरा हो सकता है। आईफोन के आईओएस 26.2 और पुराने वर्जन, आईपैड के आईपैड ओएस 18.7.3 से पहले के संस्करण, मैक के मैकओएस टेहो और सोनोमा के कुछ संस्करण प्रभावित हो सकते हैं। इन कमजोरियों से डेटा हेरफेर, स्पूफिंग, मेमोरी खराबी और सुरक्षा प्रतिबंधों को बायपास करने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सर्टइन ने एप्पल से स्पष्टीकरण मांगा, लेकिन जवाब नहीं मिला। एप्पल ने अप्रैल और दिसंबर में वैश्विक स्तर पर नोटिस जारी किए, जिसमें स्पाइवेयर और रिमोट एक्सेस हमलों से सावधान रहने की चेतावनी दी गई। उपयोगकर्ताओं को तुरंत अपने उपकरणों को नवीनतम अपडेट में अपडेट करने की सलाह दी गई है।

रियाल की बढ़ती कीमतों से हज यात्रा हुई महंगी

- 2020 से 2025 तक प्रति यात्री खर्च लगभग 55,000 रुपये बढ़ गया

नई दिल्ली। हज यात्रा पर जाने वाले भारतीय नागरिक अब और अधिक खर्च उठाने के लिए तैयार रहना पड़ रहा है। सऊदी रियाल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के कारण हज यात्रा 2020 से 2025 तक लगभग 19 प्रतिशत महंगी हो गई है। कमजोर भारतीय रुपए के चलते रियाल के दाम बढ़ते जा रहे हैं, जिससे देश के डेढ़ लाख यात्रियों और प्रदेश के लगभग 6,500 चयनित लोगों पर इसका सीधा असर पड़ा है। साल 2025 में रियाल की कीमत 23.88 रुपए प्रति रियाल तक पहुंच गई है, जो पिछले पांच साल में लगभग 4 रुपए की बढ़ोतरी है। इसी वजह से प्रत्येक हज यात्री का खर्च लगभग 55,000 रुपए बढ़ गया है। यह बढ़ोतरी यात्रा की कुल लागत पर सीधे असर डाल रही है। पिछले वर्षों की तुलना करें तो साल 2020 में हज यात्रा का खर्च 2.70 लाख रुपये था, जब रियाल का मूल्य 19.60 रुपये था। कोविड-19 महामारी के कारण 2021 में हज यात्रा स्थगित कर दी गई। 2022 में हज यात्रा का खर्च बढ़कर 3.75 लाख रुपये और रियाल की कीमत 21.90 रुपये हो गई। 2023 और 2024 में क्रमशः खर्च 3.50 लाख और 3.20 लाख रुपये, और रियाल की कीमत 22.15 और 22.65 रुपये रही। इस बार 2025 की हज यात्रा में यात्रियों को और अधिक राशि खर्च करनी पड़ेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव और रुपए की कमजोर स्थिति से हज यात्रा के खर्च पर असर पड़ता रहेगा। वहीं मध्यप्रदेश से चयनित 6,500 लोगों के लिए यह बढ़ी हुई लागत चुनौती बन सकती है। इस प्रकार रियाल के बढ़ते दाम और रुपए की गिरती कीमत हज यात्रा को महंगा बनाकर सामान्य भारतीय परिवारों पर वित्तीय दबाव डाल रहे हैं।

औद्योगिक आंकड़ों और वैश्विक संकेतों पर रहेगी निवेशकों की नजर

- अमेरिकी जीडीपी, एडीपी रोजगार डेटा, और बेरोजगारी के साप्ताहिक दावे बाजार के लिए महत्त्वपूर्ण होंगे

मुंबई।

पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट रही, और निवेशक आने वाले सप्ताह में उद्योगों से जुड़े अहम आंकड़ों और वैश्विक संकेतों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। बीते सप्ताह बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 338.30 अंक यानी 0.40 प्रतिशत गिरकर 84,929.36 अंक पर बंद हुआ। सोमवार को आठ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन के आंकड़े जारी किए जाएंगे। ये आंकड़े निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे और बाजार की दिशा पर असर डाल सकते हैं। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक आर्थिक हालात पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। अगले सप्ताह अमेरिकी जीडीपी, एडीपी रोजगार डेटा और बेरोजगारी के साप्ताहिक दावों के आंकड़े भी जारी होंगे। कमोडिटी मार्केट और शेयर बाजार पर इन आंकड़ों का सीधा प्रभाव देखने को मिल सकता है। नया शुरू होने वाला सप्ताह कारोबारी लिहाज से छोटा है क्योंकि 25 दिसंबर को क्रिसमस की छुट्टी है। इसलिए कमोडिटीज की कीमतों में उतार-चढ़ाव कम हो

सकता है। नए हफ्ते में कुछ ही इकोनॉमिक डेटा जारी होने वाले हैं, खासकर अमेरिकी जीडीपी, एडीपी एंप्लॉयमेंट डेटा और बेरोजगारी के वीकली दावों का डेटा। कमोडिटी मार्केट की इन आंकड़ों पर पैनी नजर रहेगी क्योंकि इन्हीं के बेसिस पर मार्केट की चाल तय होगी। निवेशक उद्योगों के आंकड़ों और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जबकि कम कारोबारी दिन और छुट्टियों के चलते बाजार में गतिविधि थोड़ी धीमी रहने की संभावना है।

ट्रंप प्रशासन की जांच के बीच गूगल कर्मचारियों को मिली यात्रा की चेतावनी

- एच-1बी वीजा धारकों पर सख्ती, दूतावासों में अपॉइंटमेंट में 12 महीने तक की देरी

नई दिल्ली। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने अमेरिका में काम कर रहे अपने कुछ कर्मचारियों को फिलहाल अंतरराष्ट्रीय यात्रा न करने की सलाह दी है। यह चेतावनी विशेष रूप से उन कर्मचारियों के लिए जारी की गई है जो अमेरिकी वीजा, खासकर एच-1बी पर काम कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी की ओर से भेजे गए एक आंतरिक ईमेल में कहा गया है कि अमेरिका के कई दूतावासों और काउंसलेट में वीजा अपॉइंटमेंट मिलने में भारी देरी हो रही है। ईमेल में बताया गया है कि यदि कोई कर्मचारी विदेश यात्रा करता है और उसे अमेरिका लौटने के लिए वीजा स्टैंप की आवश्यकता पड़ती है, तो वह लंबे समय तक अमेरिका के बाहर फंस सकता है। कुछ देशों में वीजा प्रक्रिया पूरी होने में 12 महीने तक का समय लग रहा है, जिससे कर्मचारियों और कंपनी दोनों को परेशानी हो सकती है। इस बीच अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा आवेदकों की जांच प्रक्रिया को और सख्त कर दिया है। नई प्रक्रिया में सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच भी शामिल की गई है। एच-1बी वीजा का उपयोग बड़ी टेक कंपनियां, विशेष रूप से भारत और चीन से कुशल पेशेवरों की नियुक्ति के लिए करती हैं।

घरेलू थोक बाजार में चावल और गेहूं में तेजी, चीनी और दालें सस्ती

नई दिल्ली।

घरेलू थोक जिंस बाजार में बीते सप्ताह चावल की कीमतों में मजबूती देखी गई। सप्ताह के दौरान चावल का औसत भाव 71 रुपये बढ़कर 3,827 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। विशेषज्ञों के अनुसार ग्राहकी में वृद्धि और मांग की मजबूती के कारण चावल के भाव में यह उछाल आया है। गेहूं की कीमतों में भी बढ़ोतरी रही। गेहूं का औसत भाव 10 रुपये की वृद्धि के साथ 2,858.33 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। गेहूं की मांग में थोड़ा इजाफा और भंडारण की रणनीतियों के कारण कीमतों में यह मामूली बढ़ोतरी हुई। आटे की कीमतें इस सप्ताह लगभग स्थिर रहीं। आटे का भाव 3,305.69 रुपये प्रति क्विंटल पर दर्ज किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि आटे की सप्लाई पर्याप्त होने के कारण इसमें कोई खास उतार-चढ़ाव नहीं हुआ। बीते सप्ताह चीनी और दालों के बाजार में गिरावट रही। इसकी मुख्य वजह उत्पादन में वृद्धि और मांग की तुलना में उपलब्धता अधिक होना बताया जा रहा है। दालों और चीनी की कीमतें

ग्राहकों के लिए कुछ राहत देने वाली रही हैं।

खाद्य तेलों के भाव में इस सप्ताह अस्थिरता देखी गई। कुछ तेलों में मामूली बढ़ोतरी रही, तो कुछ में कीमतें घटीं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों और आयात पर निर्भरता के कारण खाद्य तेलों में अस्थिरता बनी हुई है।

एसबीआई का आवास ऋण पोर्टफोलियो 10 लाख करोड़ के करीब

बैंक की इस समय आवास ऋण बही 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का आवास ऋण पोर्टफोलियो अगले वित्त वर्ष में 10 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर सकता है। बैंक की इस समय आवास ऋण बही 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक है, जो इसकी सबसे बड़ी व्यावसायिक इकाई है और कुल परिसंपत्तियों का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बनाती है। एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेट्टी के अनुसार, बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 में आवास ऋण को 8.31 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर नौ लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंचाया। इस दौरान सालाना आधार पर वृद्धि दर 14.4 प्रतिशत रही। बैंक अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 10 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य की दिशा में बढ़ रहा है। एसबीआई ने अपने आवास ऋण पोर्टफोलियो को मार्च 2011 में केवल 1 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर नवंबर 2025 तक 9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाया। इस दौरान बैंक ने लगातार स्थिर और संरचित तरीके से ऋण वितरण किया। बैंक की सक्रिय निगरानी और प्रबंधन के कारण आवास ऋण खंड में नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स की दर 1 प्रतिशत से कम बनी हुई है, जिससे यह ऋण सुरक्षित और भरोसेमंद बना हुआ है। एसबीआई का यह मजबूत प्रदर्शन बैंकिंग क्षेत्र में स्थिरता और आवास वित्त पोषण में तेजी को दर्शाता है।

दिल्ली प्रदूषण : पर्यावरण नहीं स्वास्थ्य की समस्या बन चुका है

डॉ नीलम महेंद्र

दिल्ली के प्रदूषण को समझने के लिए सबसे पहले यह स्वीकार करना होगा कि इसका कोई एक कारण नहीं है। यह कई स्रोतों से पैदा हुआ एक सम्मिलित संकट है। वाहनों की बात करें तो दिल्ली-एनसीआर में पंजीकृत वाहनों की संख्या 1.2 करोड़ से अधिक है। इनमें से बड़ी संख्या डीजल आधारित है, जो PM2.5 और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे घातक प्रदूषक छोड़ती है। इसके अलावा रोजाना लगभग 10-12 लाख वाहन दिल्ली में बाहर से प्रवेश करते हैं। यह संख्या किसी भी महानगर के लिए असामान्य है और यही वजह है कि सड़क परिवहन दिल्ली के कुल प्रदूषण में लगभग 30 प्रतिशत तक योगदान देता है।

दिल्ली की हवा अब केवल प्रदूषित नहीं है, वह हमारे समय की सबसे बड़ी चुपचाप फैलती हुई आपदा बन चुकी है। यह संकट अचानक नहीं आया, बल्कि वर्षों की लापरवाही, गलत प्राथमिकताओं और आधे-अधूरे समाधानों का नतीजा है। हर सर्दी में जब स्मॉग की मोटी परत राजधानी को ढक लेती है, तब हम कुछ दिनों के लिए चिंतित होते हैं, फिर हालात सामान्य दिखने लगते हैं और हम मान लेते हैं कि समस्या टल गई। लेकिन सच यह है कि समस्या कहीं नहीं जाती, वह हमारे फेफड़ों में जमा होती रहती है।

दिल्ली के प्रदूषण को समझने के लिए सबसे पहले यह स्वीकार करना होगा कि इसका कोई एक कारण नहीं है। यह कई स्रोतों से पैदा हुआ एक सम्मिलित संकट है। वाहनों की बात करें तो दिल्ली-एनसीआर में पंजीकृत वाहनों की संख्या 1.2 करोड़ से अधिक है। इनमें से बड़ी संख्या डीजल आधारित है, जो PM2.5 और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे घातक प्रदूषक छोड़ती है। इसके अलावा रोजाना लगभग 10-12 लाख वाहन दिल्ली में बाहर से प्रवेश करते हैं। यह संख्या किसी भी महानगर के लिए असामान्य है और यही वजह है कि सड़क परिवहन दिल्ली के कुल प्रदूषण में लगभग 30 प्रतिशत तक योगदान देता है।

निर्माण गतिविधियां दूसरा बड़ा कारण हैं। दिल्ली एक ऐसा शहर बन चुका है जो लगातार खुद को तोड़कर फिर से बना रहा होता है। फ्लाईओवर, मेट्रो विस्तार, हाउसिंग प्रोजेक्ट्स और व्यावसायिक परिसरों के कारण उड़ने वाली धूल द्दट10 का प्रमुख स्रोत है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, शहरी धूल दिल्ली के प्रदूषण में लगभग 15-20 प्रतिशत तक योगदान देती है। नियमों के बावजूद अधिकांश निर्माण स्थल खुले रहते हैं, जहां न तो पानी का छिड़काव नियमित होता है और न ही धूल रोकने की आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल।

इस क्रम में औद्योगिक प्रदूषण को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में हजारों छोटी औद्योगिक इकाइयां हैं, जो कोयला, फर्नेस ऑयल और अन्य प्रदूषणकारी ईंधनों का उपयोग करती हैं। ईंट भट्ठे, प्लास्टिक जलाना, अवैध फैक्ट्रियां और कचरे का खुले में दहन-ये सब मिलकर हवा को और जहरीला बनाते हैं। विभिन्न अध्ययनों में यह पाया गया है कि उद्योग और ऊर्जा उत्पादन से जुड़े स्रोत दिल्ली के प्रदूषण में लगभग 15 प्रतिशत तक हिस्सेदारी रखते हैं।

इन सबके बीच पराली जलाने का मुद्दा हर साल चर्चा के केंद्र में आता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, अक्टूबर-नवंबर के दौरान दिल्ली के प्रदूषण में पराली का योगदान औसतन 20 से 35 प्रतिशत के बीच रहता है। कुछ चरम दिनों में, जब हवा की दिशा प्रतिकूल होती है, यह योगदान 40 प्रतिशत तक भी पहुंच जाता है। लेकिन यह भी उतना ही बड़ा सच है कि साल के बाकी महीनों में, जब पराली नहीं जलाई जाती, तब भी दिल्ली की हवा खराब ही रहती है। इससे साफ है कि पराली एक अहम कारण है, लेकिन उसे ही पूरे संकट का दोषी ठहराना एक आसान, लेकिन अधूरा तर्क है। इन तमाम कारणों का नतीजा यह है कि दिल्ली दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में लगातार शीर्ष पर बनी हुई है।

नवंबर2024 में तो दिल्ली के कुछ इलाकों का ' 1000 के पार चला गया था जबकि इसका सामान्य मानक शून्य से 50 के बीच होता है। यह कोई नजरंदाज करने वाला तथ्य नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि राजधानी की हवा विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से कई गुना ज्यादा जहरीली हो चुकी है। हइडड के अनुसार द्दट2.5 का सुरक्षित स्तर 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है, जबकि दिल्ली में सर्दियों के दौरान यह स्तर 150 से 300 तक पहुंच जाता है। यानी सुरक्षित सीमा से 30 से 60 गुना अधिक।

इस प्रदूषण का असर अब आंकड़ों से आगे बढ़कर इंसानी शरीर पर साफ दिखने लगा है। दिल्ली में हर साल लाखों लोग सांस संबंधी बीमारियों के लिए इलाज करवाते हैं। हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामलों में भी प्रदूषण की भूमिका को अब वैज्ञानिक रूप से स्वीकार किया जा चुका है। लेकिन सबसे भयावह असर बच्चों पर पड़ रहा है। हालिया मेडिकल रिसर्च में यह सामने आया है कि दिल्ली के कई बच्चों के फेफड़ों में ऐसे पैच देखे गए हैं, जो कोविड के बाद दिखाई देने वाले फेफड़ों के नुकसान से मिलते-जुलते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि यहां कारण संक्रमण नहीं, बल्कि लगातार जहरीली हवा में सांस लेना है।

बच्चों के शरीर पर इसका असर इसलिए भी ज्यादा गंभीर है क्योंकि उनके फेफड़े और प्रतिरक्षा तंत्र अभी विकसित हो रहे होते हैं। शोध बताते हैं कि प्रदूषित हवा में पले-बढ़े बच्चों की फेफड़ों की क्षमता सामान्य बच्चों की तुलना में 10ड्ड20 प्रतिशत तक कम हो सकती है। इसका असर केवल उनके स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि उनकी सीखने की क्षमता, शारीरिक विकास और भविष्य की उत्पादकता पर भी पड़ता है। यह एक ऐसा नुकसान है जिसकी भरपाई वर्षों बाद भी मुश्किल होती है। ऐसी स्थिति में आवश्यक है कि शोध आधारित वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक उपायों से इस गम्भीर संकट का सामना किया जाए।

हालांकि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। ग्रैप के तहत आपातकालीन प्रतिबंध, ऑड-ईवन योजना, स्कूलों का अस्थायी बंद होना, निर्माण कार्यों पर रोक और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा-ये सभी कदम दिखाते हैं कि समस्या को स्वीकार किया गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये उपाय पर्याप्त हैं? सच तो यह है कि ये अधिकतर प्रतिक्रियात्मक कदम हैं, न कि निवारक क्योंकि सालों से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है।

इन परिस्थितियों में हमें दुनिया के उन शहरों से सीखने की जरूरत है जिन्होंने कभी ऐसे ही संकट का सामना किया था। लंदन का ग्रेट स्मॉग (1952) एक ऐतिहासिक उदाहरण है, जिसने वहां की सरकार को क्लीन एयर एक्ट लाने पर मजबूर किया। आज लंदन की हवा दिल्ली से कहीं बेहतर है क्योंकि वहां निजी वाहनों पर भारी कंजेशन चार्ज लगाया गया और सार्वजनिक परिवहन को विश्व स्तरीय बनाया गया। इसी तरह, बीजिंग ने पिछले एक दशक में अपने प्रदूषण स्तर को 40% तक कम किया है। उन्होंने कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों को शहर से बाहर किया, इलेक्ट्रिक वाहनों को अनिवार्य स्तर तक बढ़ावा दिया और रीयल-टाइम सख्त निगरानी प्रणाली लागू की। दिल्ली भी इन उपायों पर काम करके प्रदूषण की समस्या से निजात पा सकती है।

इसके साथ ही, शहरी हरित क्षेत्र भी बढ़ाने होंगे। रिसर्च यह बताती है कि यदि किसी शहर के कुल क्षेत्रफल का 20ड्ड25 प्रतिशत हिस्सा हरित क्षेत्र हो, तो प्रदूषण के स्तर में उल्लेखनीय गिरावट आ सकती है। दिल्ली इस मानक से काफी पीछे है।

निर्माण और उद्योग के क्षेत्र में तकनीक आधारित सख्त निगरानी की जरूरत है। रियल-टाइम मॉनिटरिंग, स्वचालित जुर्माना प्रणाली और पारदर्शी डेटा सार्वजनिक करना ऐसे कदम हैं, जो केवल कागजों में नहीं, बल्कि जमीन पर असर दिखा सकते हैं। पराली के मामले में भी किसानों को दोषी ठहराने के बजाय पराली को ऊर्जा में परिवर्तित करके उसे समाधान का हिस्सा बनाना होगा। अनेक वैज्ञानिक विकल्प मौजूद हैं, लेकिन जब तक उन्हें व्यवहारिक रूप से अपनाया नहीं जाएगा, तब तक समस्या बनी रहेगी।

इस संकट की गंभीरता को जनसंख्या के संदर्भ में भी देखना जरूरी है। क्योंकि दिल्ली-एनसीआर की आबादी लगभग 4 से 5 करोड़ है, जो भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 3 से 4प्रतिशत हिस्सा है। यानी देश का हर पच्चीसवां नागरिक इस क्षेत्र में रहता है। यदि इतनी बड़ी आबादी लंबे समय तक जहरीली हवा में सांस लेती रहे, तो इसका असर केवल स्थानीय नहीं रहेगा। यह देश की स्वास्थ्य प्रणाली पर दबाव डालेगा, कार्यबल की उत्पादकता घटाएगा और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को कमजोर करेगा।

इन परिस्थितियों में दिल्ली का प्रदूषण अब मात्र पर्यावरण का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता का भी सवाल बन चुका है। वह उस बच्चे की पीड़ा बन चुका है जो मास्क पहनकर स्कूल जाता है, उस बुजुर्ग की बेबसी बन चुका है जो सुबह की सैर छोड़ने के लिए मजबूर है, और उस परिवार की मजबूरी बन चुका है जो खिड़कियां बंद करके भी साफ हवा नहीं पा सकता। अगर आज भी हम इसे केवल मौसमी समस्या मानते रहे, तो इतिहास हमें उस पीढ़ी के रूप में याद रखेगा जिसने सब कुछ देखा, सब कुछ जाना, लेकिन फिर भी कुछ नहीं बदला।

(लेखिका पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति की सदस्य हैं।)

संपादकीय

चूक से हादसे

लोकसभा में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का यह बयान तार्किक ही है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं मानवीय व्यवहार से जुड़ी हैं। निश्चय ही यदि वाहन चालकों को सड़क व्यवहार के प्रति जागरूक किया जाए और हम जिम्मेदारी-सावधानी से वाहन चलाएं तो हर साल हजारों जिंदगियां बचायी जा सकती हैं। भारत में दुनिया के विकसित देशों के मुकाबले कम वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं, लेकिन सड़क हादसों के मामले में हम अव्वल हैं। विडंबना देखिए कि एक साल में देश के भीतर करीब पांच लाख सड़क हादसे दर्ज किए जाते हैं। बड़ी संख्या उन हादसों की भी है जो छोटे शहरों व भीतरी इलाकों में होते तो हैं, लेकिन दर्ज नहीं होते। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में हर साल करीब 1.8 लाख लोग इन हादसों में मारे जाते हैं। लाखों लोग इन हादसों में घायल होते हैं। हजारों लोग ऐसे भी होते हैं जो हादसों के बाद जीवनपर्यंत सामान्य जीवन नहीं जी पाते हैं। दुखद स्थिति यह भी है कि मरने वालों में सर्वाधिक संख्या युवाओं की होती है। एक आंकड़े के अनुसार मरने वालों में 66 फीसदी लोग 18 से 34 साल के बीच होते हैं। जो अपने परिवार के कमाने वाले व्यक्ति होते हैं। फलतः हादसे के बाद कई परिवार गरीबी के दलदल में धंस जाते हैं। दरअसल, सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण तेज गति से वाहन चलाना भी है। सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि ओवर स्पीडिंग से 68 फीसदी से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। वहीं निर्धारित स्पीड से अधिक तेजी से वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं के चलते ही 68 फीसदी मौतें भी होती हैं। निश्चित रूप से ये हादसे व मौतें मानवीय व्यवहार की कमजोरी से जुड़े हैं। जहां देश में राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे का तेजी से विस्तार हुआ है तो बेहतर सड़कों में वाहन चालकों की गति अनियंत्रित हो चली है। जो कालांतर सड़क हादसों की वजह बनती है। यह विडंबना है कि हम अकसर सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं। आज की युवा पीढ़ी हेलमेट पहनने से परहेज करती है। यह जानते हुए कि हादसों में सिर की चोट जानलेवा बन जाती है।

ग़ज़ल

इस दौर में इंसान बस चेहरे हैं बहुत

कलम हाथों में है, पर शब्दों पर
पहरे हैं बहुत,
जो दीप जलाता था कभी, उस पर
अँधेरे हैं बहुत।

सिखाता था जो मर्यादा,
अनुशासन, इंसानियत,
आज उसी तालीम के आगे
सवाल गहरे हैं बहुत।

गलत को गलत कहे तो रूठ
जाती है ताकतें कई,
सच बोलने के रस्ते में अब खतरे
हैं बहुत।

न डंडे की वकालत है, न जोर
की कोई बात,
पर समझाने को भी तो कुछ
अधिकार जरूरी हैं बहुत।

कक्षा में शोर है, आँखों में लत
की धुंध सी,
बच्चों के रास्ते में अब भटकाव
ठहरे हैं बहुत।

जब देख लिया बच्चों ने शब्दों
की चोट असरदार है,
तो आदर के सिक्के भी जैसे
बिखरे हैं बहुत।

संस्कार न ऐप से आए, न स्क्रीन
सिखा पाए,
इन रिश्तों की पढ़ाई में परिवार
ठहरे हैं बहुत।

ये बंदिशें, ये डर, ये आरोपों की
सलाखें,
शिक्षा की देह में चुभते हुए पत्थर
हैं बहुत।

चलो लौटाएँ गुरु को उसका मान,
उसका स्थान प्रेम
वरना इस दौर में इंसान बस चेहरे
हैं बहुत।

प्रेम प्रकाश उपाध्याय 'नेचुरल'
उत्तराखंड

बांग्लादेश में कट्टरपंथी अराजकता भारत के लिए खतरा

मनोज कुमार अग्रवाल

शेख हसीना की सरकार के खिलाफ उपद्रव के बाद से बांग्लादेश पिछले करीब डेढ़ साल से अराजकता और धर्मांधता की आग में गंभीर रूप से झुलस रहा है। इन दिनों में शायद ही कोई ऐसा महीना होगा, जब वहां हिंसा ना भड़की हो। शेख हसीना की सरकार गिराने के बाद देश में शांति लाने का वादा करने वाली मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार हिंसा रोकने में नाकाम रही। हसीना सरकार के विरोध में हिंसक आंदोलन चलाने वाले छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद बांग्लादेश में एक बार फिर आग भड़क गई। इस दौरान ढाका के पास भालुका में धर्म का अपमान करने के आरोप में एक हिंदू युवक को पीट-पीटकर मार डाला। युवक के शव को नग्न करके पेड़ से लटका कर आग लगा दी गई। मृतक की पहचान दीपू चंद्र दास के रूप में हुई है। उपद्रवियों ने देश के सबसे बड़े अखबार डेली स्टार और प्रोथोम आलो के ऑफिस में भी घुसकर तोड़फोड़ और आग लगा दी। भारतीय राजनयिक परिसरों और उनके घरों पर हमले किए गए हैं। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के आवास में तोड़?फोड़ की गई। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के ऑफिस को भी जला दिया गया है। भारत के पड़ोस में धधकती यह अराजकता की आग लगातार चुनौती बढ़ा रही है। देशभर में हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। यहां इस समय एक अलग ही किस्म का पागलपन भी चल रहा है। इस पागलपन के तहत बांग्लादेश में एक वीडियो वायरल है, जिसमें सिराजुद्दौला साम्राज्य की फिर से स्थापना का ख्वाब दिखाया जा रहा है, जिसमें भारत के कई हिस्से शामिल हैं। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या बांग्लादेश वास्तव में सांप्रदायिक संक्रमण की ओर बढ़ रहा है या फिर सुनियोजित अस्थिरता के जाल में फंसता जा रहा है। दरअसल, मोहम्मद यूनुस असल में मोहम्मद अली जिन्ना की विचारधारा पर चल रहे हैं और उन्होंने बांग्लादेश में पाकिस्तान मॉडल लागू कर दिया। यह भारत के लिए भी चिंतनीय है। बांग्लादेश को लेकर भारत के सामने 1971 के बाद सबसे बड़ा रणनीतिक और राजनयिक संकट खड़ा हुआ है। यह चिंता विदेश मामलों पर संसद की समिति ने अपनी रिपोर्ट में जाहिर की है। कई मायनों में देखा जाए तो अभी बांग्लादेश में जिस तरह के हालात बन चुके हैं, उतनी बुरी स्थिति का सामना भारत को शायद बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन के दौरान भी नहीं करना पड़ा था। आपको बता दें बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों में जो भी हुआ, उससे साफ है कि अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के हाथ से चीजें निकलती जा रही हैं। जिन कट्टरपंथियों को उन्होंने शुरू में बढ़ावा दिया था, अब वे ही उनके काबू में नहीं हैं। उनकी भारत विरोधी नीतियों ने दोनों देशों के रिश्तों को सबसे खराब दौर में पहुंचा दिया है। शेख हसीना के खिलाफ पिछले साल जुलाई में आंदोलन शुरू हुआ था। अगस्त में उन्हें सत्ता से हटाया गया और तब से ढाका का रुख भारत के खिलाफ बना हुआ है। मौजूदा घटनाक्रम उसी की कड़ी है, जहां पहले भारतीय राजदूत को तलब किया गया और फिर दूतावास तक आक्रामक मार्च निकाला गया। इन घटनाओं ने बांग्लादेश में मौजूद भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। अंतरिम सरकार समस्या को संबोधित भी नहीं करना चाहती। होना तो यह चाहिए था कि भारत ने जब बांग्लादेश के उच्चायुक्त को बुलाकर अपनी चिंताएं जाहिर कीं, तो ढाका से कोई आश्वासन भरा सकारात्मक संदेश आता। लेकिन, इसके उलट भारत विरोधी बयानबाजी और तेज हो गई। जिस तरह से पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर बयान दिए जा रहे हैं, उसे कोई भी संप्रभु देश बर्दाश्त नहीं कर सकता। यूनुस सरकार का अपनी नाकामियों का ठीकरा भारत पर फोड़ना हकीकत की अनदेखी है और इससे स्थिति और बिगड़ेगी। सच यही है कि हसीना विरोधी आंदोलन आगे चलकर कट्टरपंथी तत्वों के नियंत्रण में आ गया। इसका सबूत अगस्त 2024 के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ हुई हजारों हिंसक घटनाएं हैं। अगले साल फरवरी में चुनाव की घोषणा होने के बाद से अपराध और बढ़ा है। बांग्लादेश की अस्थिरता भारत पर सीधा असर डालती है और इस नाते उसकी चिंता स्वाभाविक है। बल्कि यूरोपीय यूनियन और अमेरिका भी बांग्लादेश में मानवाधिकार उल्लंघनों का मामला उठा चुके हैं। अंतरिम सरकार पर अपने ही देश के भीतर निष्पक्ष चुनाव कराने का जबरदस्त दबाव है। पिछले महीने शेख हसीना को जिरह तर सुनवाई का मौका दिए बिना सजा सुनाई गई, आलोचना हो रही है। यूनुस सरकार के जुलाई चार्टर को लेकर भी मतभेद हैं। इस चार्टर के जरिये 2024 के आंदोलन को संवैधानिक मान्यता देनी है और संविधान में कई बदलाव किए जाने हैं।

राम वी. सुतार के हाथों में आकर पत्थर बोल उठते थे

ललित गर्ग

राम वी. सुतार का शतायु जीवन केवल वर्षों की गणना नहीं था, वह भारतीय मूर्ति-कला की सदियों लंबी साधना का सजीव विस्तार था। सौ वर्ष की उम्र में उनका जाना ऐसा है जैसे पत्थर बोलने वाली भाषा का कोई मौन हो जाना, जैसे हथौड़े और छैनी के बीच जन्म लेने वाली संवेदनाओं का विराम। वे उन विरले कलाकारों में थे जिनके हाथों में पत्थर, धातु और कांस्य केवल पदार्थ नहीं रहते थे, वे चेतना बन जाते थे। आकृतियां गढ़ी नहीं जाती थीं, जीवन प्रकट होता था। उनके स्पर्श से निर्जीव सजीव हो उठता था और शिल्प अपने भीतर मनुष्य की धड़कनें समेट लेता था। राम वी. सुतार केवल महान मूर्तिकार नहीं थे, वे एक दर्शन थे। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण था कि कला केवल सौंदर्य की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि मनुष्यता का विस्तार होती है। उन्होंने जब किसी महापुरुष की प्रतिमा गढ़ी, तो केवल चेहरे की रेखाएं नहीं उकेरीं, उस व्यक्तित्व के भीतर छिपे संघर्ष, संकल्प, करुणा और दृष्टि को आकार दिया। यही कारण है कि उनकी बनाई मूर्तियां देखने वाले को देखती हैं, मौन होकर भी संवाद करती हैं और समय की सीमाओं से परे जाकर पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं।

स्टैचू ऑफ यूनिटी आज विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा के रूप में खड़ी है, पर उसकी ऊंचाई केवल फीट और मीटर में नहीं मापी जानी चाहिए। उसमें सरदार पटेल की लौह इच्छाशक्ति के साथ-साथ राम वी. सुतार की तपस्या, धैर्य और अंतर्दृष्टि समाहित है। यह प्रतिमा केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय मूर्ति-कला की सामर्थ्य का वैश्विक घोष है। संसद परिसर में स्थापित गांधी प्रतिमा हो या देश-विदेश में फैली अनगिनत मूर्तियां, हर जगह उनकी कला ने इतिहास को वर्तमान से जोड़ा है और वर्तमान को भविष्य के लिए अर्थवान बनाया है। उनके हाथों में पत्थर बोलने लगते थे, पर उनके हृदय में मनुष्य बोलता था। वे जानते थे कि किसी नेता, संत या विचारक की प्रतिमा बनाते समय केवल शारीरिक समानता पर्याप्त नहीं होती। वहां आत्मा की समानता चाहिए। इसलिए वे पहले उस व्यक्तित्व को पढ़ते थे, समझते थे, आत्मसात करते थे। उनकी साधना में अध्ययन, ध्यान और संवेदना का अद्भुत संगम था। शायद यही कारण था कि उनकी कारीगरी में बारीकी के साथ-साथ एक ऐसी जीवंतता थी जो दर्शक को भीतर तक छू लेती थी।

राम सुतार जी एक सौ एक साल के थे और उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे। उनका जन्म 19 फरवरी 1925 को महाराष्ट्र में धुलिया जिले के गोन्दुर गांव में एक गरीब परिवार में हुआ। उनका पूरा नाम राम वनजी सुतार था। वे भारत के सुप्रसिद्ध शिल्पकार थे। उनके द्वारा बनाई गई महात्मा गांधी की प्रतिमाएं अब तक विश्व के तीन सौ से अधिक शहरों में लग चुकी हैं। उनके कलात्मक एवं अनूठे शिल्प साधना को सम्मानित करते हुए भारत सरकार ने उन्हें 1999 में पद्मश्री और 2016 में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। अक्टूबर 2018 में, सुतार को 2016 के सांस्कृतिक सद्भाव के लिए टैगोर पुरस्कार मिला। उनके पिता वनजी हंसराज जाति व कर्म से बढ़ई थे। राम सुतार का विवाह 1952 में प्रमिला के साथ हुआ। जिनसे उन्हें 1957 में एकमात्र पुत्र अनिल राम सुतार हुआ, जो पेशे से वास्तुकार हैं परन्तु अब वह भी नोएडा स्थित अपने पिता के स्टूडियो व कार्यशाला की देखरेख का कार्य करते हैं।

राम वी. सुतार का जीवन सादगी का पर्याय था। इतनी बड़ी उपलब्धियों के बावजूद उनमें कोई दर्प नहीं था। वे शिल्प के साधक थे, शोर के नहीं। उनका कार्य बोलता था, वे स्वयं मौन में रहकर भी सब कुछ कह जाते थे। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सच्ची महानता प्रचार की मोहताज नहीं होती। वह अपने आप में पूर्ण होती है और समय उसे पहचान ही लेता है। उनकी कला में भारतीय परंपरा की गहरी जड़ें थीं, पर दृष्टि पूरी तरह आधुनिक और वैश्विक थी। वे अतीत से प्रेरणा लेते थे, वर्तमान की जरूरतों को समझते थे और भविष्य के लिए रूप गढ़ते थे। यही कारण है कि उनकी मूर्तियां किसी एक काल में बंद नहीं होतीं। वे हर युग में प्रासंगिक लगती हैं। उनमें इतिहास की गरिमा है, वर्तमान की चेतना है और भविष्य की उम्मीद भी।

राम सुतार अपने गुरु रामकृष्ण जोशी से प्रेरणा लेकर मुम्बई गये, जहाँ उन्होंने जे०जे०स्कूल ऑफ आर्ट में दाखिला लिया। 1953 में इसी स्कूल से मॉडलिंग में उन्होंने सर्वोच्च अंक अर्जित करते हुए मेयो गोल्ड मेडल हासिल किया। मॉडलर के रूप में औरंगाबाद के आर्कियोलोजी विभाग में रहते हुए राम सुतार ने 1954 से 1958 तक अजन्ता व एलोरा की प्राचीन गुफाओं में मूर्तियों के पुनर्स्थापन का कार्य किया। 1958-1959 में वह सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के दृश्य श्रव्य विभाग में तकनीकी सहायक भी रहे। 1959 में उन्होंने अपनी मर्जी से सरकारी नौकरी त्याग दी और पेशेवर मूर्तिकार बन गये। इन दिनों वह अपने परिवार के साथ नोएडा में निवास करते थे। राम सुतार ने वैसे तो बहुत-सी मूर्तियाँ बनायीं हैं, किन्तु उनमें से कुछ उल्लेखनीय मूर्तियों में 45 फुट ऊँची चम्बल देवी की मूर्ति गंगासागर बाँध, 17 फुट ऊँची मोहनदास कर्मचन्द गाँधी की मूर्ति गाँधीनगर, गुजरात, 21 फुट ऊँची महाराजा रणजीत सिंह की मूर्ति अमृतसर, 18 फुट ऊँची सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति संसद भवन, नई दिल्ली, 9 फुट ऊँची भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति जम्मू, भारत के राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा की आवक्ष प्रतिमा, ब्रह्म सरोवर में कृष्ण अर्जुन रथ स्मारक कांस्य प्रतिमा आदि हैं। गुजरात में स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा ह्यस्टैच्यू ऑफ यूनिटीह्न राम सुतार के अद्भुत कला-कौशल का नमूना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत ने एक ऐसे कलाकार को खो दिया है जिसने देश की सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें भारतीय कला परंपरा का स्तंभ बताते हुए कहा कि उनकी बनाई मूर्तियां आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र के महापुरुषों से जोड़ती रहेंगी। अनेक राजनेताओं, कलाकारों और विचारकों ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए स्वीकार किया कि राम वी. सुतार का जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का अवसान है। पर शायद स्वयं राम वी. सुतार इस तरह की श्रद्धांजलियों से अधिक अपने काम में विश्वास रखते थे। उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान यही था कि कोई उनकी बनाई मूर्ति के सामने खड़ा होकर कुछ क्षण मौन में डूब जाए, कुछ सोचने लगे, कुछ महसूस करने लगे। उन्होंने जीवन को भी उतना ही जीवंत बनाया जितना अपनी कला को। उनका व्यक्तित्व सहज, सरल और आत्मीय था। वे जहां भी गए, वहां प्रेरणा का एक शांत स्रोत बन गए।

राम सुतार का जीवन शिल्प एवं कला की पाठशाला था, जिसमें उन्होंने यह भी सिखाया कि कला केवल तकनीक नहीं, साधना है। छैनी चलाने से पहले मन को तराशना पड़ता है। दृष्टि को निर्मल करना पड़ता है। शायद यही कारण था कि उनकी शतायु यात्रा के अंतिम क्षण तक उनकी सृजनात्मक ऊर्जा बनी रही। उम्र उनके लिए केवल एक संख्या थी, कला के प्रति उनकी जिजीविषा कभी वृद्ध नहीं हुई। आज जब हम उन्हें विदा कर रहे हैं, तो यह विदाई वास्तव में विदाई नहीं है। वे अपनी मूर्तियों में, अपने शिल्प में, अपनी संवेदनाओं में सदा उपस्थित रहेंगे। जब भी संसद परिसर में गांधी की प्रतिमा के सामने कोई सिर झुकाएगा, जब भी स्टैचू ऑफ यूनिटी के साये में कोई राष्ट्र की एकता को महसूस करेगा, राम वी. सुतार वहां होंगे। पत्थर के भीतर धड़कते हृदय की तरह, मौन में बोलती चेतना की तरह। उनका जीवन इस बात की साक्षी है कि एक साधारण मनुष्य भी अपनी साधना, संकल्प और संवेदना के बल पर महामानव बन सकता है। उन्होंने पत्थर को जीवन दिया, पर उससे भी बड़ा कार्य उन्होंने यह किया कि जीवन को अर्थ दिया। भारतीय मूर्ति-कला के इस शीर्ष पुरुष को विनम्र श्रद्धांजलि। उनका जाना हमें शून्य नहीं देता, बल्कि एक विराट उत्तरदायित्व सौंपता है कि हम कला, संस्कृति और मनुष्यता के इस दीप को बुझने न दें।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

अभिनेत्री श्रीलीला ने एआई के दुरुपयोग पर जताई नाराजगी

सोशल मीडिया पर एआई का चलन काफी तेजी से बढ़ रहा है। एक तरफ यह तकनीक जीवन को आसान बना रही है, तो दूसरी ओर इसके गलत इस्तेमाल से कई लोगों की छवि को भी नुकसान पहुंचाया गया है। इसकी चपेट में मनोरंजन जगत के सितारे भी पीछे नहीं हैं। डीप फेक कंटेंट से परेशान कई सेलेब्स ने इसको लेकर आवाजें भी उठाई हैं। इसी कड़ी में साउथ सिनेमा की अभिनेत्री श्रीलीला ने नाराजगी जताते हुए बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। इसमें उन्होंने सभी से निवेदन किया कि बढ़ते एआई फेक वीडियो या किसी भी प्रकार के कंटेंट का समर्थन न करें। उन्होंने लिखा, मैं हाथ जोड़कर सभी से निवेदन करती हूं कि कृपया एआई द्वारा बनाई गई गलत और फेक चीजों का समर्थन न करें। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल और उसका दुरुपयोग करने में जमीन-आसमान का फर्क है। मेरी नजर में टेक्नोलॉजी का उद्देश्य जिंदगी को आसान बनाना है, न कि उसे और भी ज्यादा मुश्किल करना। उन्होंने आगे लिखा कि दुनिया की हर लड़की किसी की बेटी, बहन, पोती या दोस्त होती है, भले ही वह फिल्म इंडस्ट्री में काम क्यों न कर रही हो। हम सब एक ऐसे माहौल में काम करना चाहते हैं, जहां पर खुशी फैले और हर कोई सुरक्षित महसूस करे। श्रीलीला ने खुलासा किया कि व्यस्त शेड्यूल की वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर चल रही बातों की जानकारी देर से प्राप्त हुई। इसी के साथ अभिनेत्री ने अपने फैंस और शुभचिंतकों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उन्हें अलर्ट किया। अभिनेत्री ने लिखा, मैं हमेशा बातों को हल्के में लेकर अपनी दुनिया में मस्त रहती आई हूं, लेकिन यह सब बहुत परेशान करने वाला और दुखद है। मैं देख रही हूं कि मेरे कई सहकलाकार भी इसकी चपेट में आ चुके हैं। मैं सभी की तरफ से यह बात रख रही हूं। अभिनेत्री ने आखिरी में लिखा, सम्मान और गरिमा के साथ, मैं अपने फैंस पर भरोसा रखते हुए, सभी से निवेदन करती हूं कि कृपया हमारा साथ दें।

कास्टिंग काउच पर छलका बिग बॉस 19 फेम मालती चाहर का दर्द

बिग बॉस 19 में अपनी मजबूत पर्सनालिटी से लगभग फिनाले में अपनी जगह बना चुकी मालती चाहर अब शो के बाद भी सुर्खियों में हैं। हाल ही में मालती ने अपने करियर से जुड़ा एक ऐसा अनुभव साझा किया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के उस काले सच की ओर फिर से ध्यान खींच लिया, जिस पर अक्सर खुलकर बात नहीं होती। मालती ने अपने साथ हुए कास्टिंग काउच को लेकर खुलासा किया है।

जब कास्टिंग काउच का शिकार हुई मालती

भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन मालती चाहर ने हाल ही में सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में बताया कि कैसे एक सीनियर फिल्ममेकर से मुलाकात उनके लिए डरावना अनुभव बन गई। उन्होंने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब वह एक प्रोजेक्ट को लेकर लगातार मीटिंग्स कर रही थीं। मालती के मुताबिक, काम खत्म होने के बाद उन्होंने शिष्टाचार के तौर पर सामने वाले को साइड हग किया, लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने उन्हें अंदर तक हिला दिया।

मालती ने क्या कुछ कहा?

इस घटना पर बात करते हुए मालती ने कहा, मैं नाम नहीं लूंगी लेकिन मैंने उसे साइड हग की और उसने मुझे किस करने की कोशिश की। उसने बदतमीजी की और मैंने उसे खुद-समेत वापस दिया। तो मेरे साथ ये पहली घटना थी जो हुई। ये एक डायरेक्टर थे। वो बहुत उम्रदराज थे और मैं हैरान रह गई कि ये आखिर हुआ क्या। मालती ने बताया कि सीनियर फिल्ममेकर को इस तरह से हरकत करते देखना हैरानी भरा था। कुछ सेकंड तक उन्हें समझ ही नहीं आया कि क्या हो रहा है, लेकिन उन्होंने तुरंत खुद को संभाला और वहां से दूरी बना ली। मालती का कहना है कि वह उस शख्स को एक सम्मानित और पिता तुल्य मानती थीं, इसलिए इस तरह के व्यवहार की उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

सभी को सतर्क रहने की दी सलाह

मालती ने इंटरव्यू में ये भी स्वीकार किया कि कास्टिंग काउच जैसी घटनाएं इंडस्ट्री में आज भी होती हैं। उनके मुताबिक, कई बार लोग सामने वाले की बॉडी लैंग्वेज और नेचर को पढ़कर अपनी किस्मत आजमाने की कोशिश करते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि ज्यादातर लोग सीमाएं समझते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो लाइन क्रॉस कर जाते हैं। बिग बॉस 19 की बात करें तो यह सीजन दर्शकों के बीच काफी चर्चा में रहा। शो का फिनाले 7 दिसंबर 2025 को हुआ, जिसमें गौरव खन्ना ने ट्रॉफी अपने नाम की। फरहाना भट्ट रनर-अप रहीं, जबकि प्रणीत मोरे दूसरे रनर-अप बने। मालती चाहर ने भी शो में टॉप 6 तक का सफर तय किया था।

सही समय पर बन रही है कॉकटेल 2

कृति सेनन मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की लीडिंग एक्ट्रेस में शामिल हैं। वो लगातार बड़ी फिल्मों का हिस्सा बन रही हैं। उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' ने भी बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ऊपर की कमाई की। अब अभिनेत्री इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच अब अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग से जुड़े किस्सों को साझा किया। साथ ही अपने साथी कलाकारों शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना को लेकर भी बात की।

कृति ने की शाहिद और रश्मिका की तारीफ

कॉकटेल 2 के अपने को-एक्टर्स शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के बारे में भी कृति ने बात की। उन्होंने कहा कि शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ शूटिंग करना बहुत मजेदार रहा। निर्देशक होमी अदजानिया तो बिल्कुल पागल हैं। उनकी मस्ती ही इस सबको एक मजेदार सफर पर ले जाती है। 'कॉकटेल 2' में कृति शाहिद के साथ तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया (2024) के बाद दूसरी बार काम कर रही हैं। शाहिद को लेकर एक्ट्रेस का कहना है कि वह कहते हैं, आपसे एक इंसान के तौर पर मिलकर अच्छा लगा। आपको इंसान न होने की वजह से बंधे रहने की जरूरत नहीं है।

तस्करों की कहानी लेकर आ रहे नीरज पांडे, इमरान हाशमी निभाएंगे प्रमुख भूमिका

'स्पेशल ऑप्स' जैसी सीरीज और 'स्पेशल 26' व 'ए वेडनेसडे' जैसी फिल्में बनाने वाले निर्देशक नीरज पांडे एक नई सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस सीरीज में इमरान हाशमी और शरद केलकर जैसे सितारे नजर आएंगे। सीरीज की घोषणा हो गई है। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। आज सीरीज की घोषणा करते हुए मेकर्स ने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में सीरीज की शूटिंग के दौरान की झलक देखने को मिलती है। जिसमें निर्देशक नीरज पांडे डायरेक्शन करते नजर आते हैं। साथ ही इमरान हाशमी और शरद केलकर समेत सीरीज की स्टारकास्ट अलग-अलग सीन में नजर आती है। जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि वह सीरीज एक्शन-सस्पेंस-थ्रिलर होने वाली है। अनाउंसमेंट वीडियो में इमरान हाशमी कस्टम ऑफिसर की यूनिफॉर्म में नजर आते हैं। जबकि शरद केलकर अलग-अलग अंदाज में दिखते हैं। फिलहाल अभी तक कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

अपनी पहली फिल्म को इसलिए भूलना चाहती हैं राधिका आप्टे

राधिका आप्टे ने फिल्म वाह! लाइफ हो तो ऐसी (2005) में एक छोटे रोल से बड़े पर्दे पर एक्टिंग की शुरुआत की। बॉलीवुड इंडस्ट्री में उन्हें 20 साल हो चुके हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि वह अपनी पहली फिल्म को भूलना चाहती हैं क्योंकि प्रोड्यूसर ने उनके साथ अजीब व्यवहार किया था। बातचीत में राधिका आप्टे ने खुलासा करते हुए बताया प्रोड्यूसर ने मुझे हौसला नहीं दिया, उन्होंने मुझे मेहनताना भी नहीं दिया। जब मेरी मां और मैंने कॉन्ट्रैक्ट साइन करने के लिए कहा, तो प्रोड्यूसर ने कहा कि उर्मिला मातोंडकर ने भी कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया। मुझे नहीं पता कि उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट साइन किया या नहीं लेकिन उन्होंने मेरे साथ अजीब व्यवहार किया। इसलिए मैं अपनी पहली फिल्म भूलना चाहती हूं क्योंकि उस फिल्म का प्रोडक्शन बहुत अजीब था।

वाह! लाइफ हो तो ऐसी को अपनी फिल्मों में नहीं गिनतीं

राधिका आप्टे ने आगे बताया कि फिल्म के डायरेक्टर महेश मांजरेकर ने उन्हें ब्रेन सर्जन नाम के एक नाटक में देखा था। इसलिए वह उन्हें अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहते थे। वाह! लाइफ हो तो ऐसी में काम करने के बाद राधिका कॉलेज पूरा करने वापस चली गईं। कई वर्षों के बाद वह फिल्मों में वापस आईं। उनका कहना है कि वह उस फिल्म को अपनी फिल्मों में नहीं गिनती।

मैं कुछ मजेदार और ताजा करना चाहती थी

बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर बात करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही प्यारी फिल्म है। मुझे लगता है कि कभी-कभी जीवन में जो कुछ भी होता है, उसके पीछे कोई न कोई कारण होता है। तेरे इश्क में एक इंटेंस और इमोशनली थका देने वाली फिल्म थी। मुझे लगता है कि मैं तुरंत कोई और इंटेंस फिल्म नहीं कर सकती थी। मुझमें वह क्षमता नहीं थी। मैं पूरी तरह से थक चुकी थी। मैं कुछ मजेदार, ताजा, कुछ ऐसा करना चाहती थी जो मैंने पहले कभी नहीं किया हो, कुछ ऐसा जिसका मैं आनंद ले सकूं।

खुद को एक चैलेंज देने के लिए फिल्मों और ओटीटी पर आई

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस कृतिका कामरा अब छोटे पर्दे से ज्यादा फिल्मों और ओटीटी पर ध्यान दे रही हैं। हाल ही उनकी द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली फिल्म भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है।

पॉपुलर एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने छोटे पर्दे पर कितनी मोहब्बत है और कुछ तो लोग कहेंगे से खूब नाम कमाया। अनुभव सिन्हा की फिल्म भीड़ में विधि के उनके किरदार की खूब तारीफ हुई। इसी तरह ओटीटी पर ताण्डव जैसी वेब सीरीज में भी उनके काम की खूब सराहना हुई। बरेली में पैदा हुई कृतिका उन कलाकारों में से है, जिन्होंने टीवी, फिल्मों और डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, तीनों पर अपनी धमक दिखाई है। इन दिनों वह ओटीटी पर रिलीज अपनी नई फिल्म द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर कृतिका कामरा अक्सर अपने घूमने-फिरने और खाने-पीने से जुड़े फोटोज-विडियोज शेयर करती रहती है।

ट्रैवल के दौरान अलग जोश होता है

खाने के साथ ही कृतिका घूमने की भी शौकीन हैं। वह कहती हैं, ऐसा नहीं है कि मैं कुछ खाने के लिए ही ट्रैवल प्लान करूंगी। मगर हां, अगर मैं कहीं जा रही हूं तो मेरे पास पहले से ही लिस्ट होती है कि मुझे फलाना जगह जाकर ये खाना है, वहां का रिजर्वेशन कर लूंगी। मेरे साथ यह भी होता है कि जैसे कभी किसी खास जगह के ट्रिप पर मुझे जाना होता है, लेकिन प्लान फेल हो जाता है। मैं तीन-चार बार अमेरिका जाने का प्लान बना चुकी हूं, लेकिन हर बार किसी ना किसी वजह से प्लान धरा का धरा रह जाता था। हालांकि फिर कुछ साल बाद मैं वहां गई और कुछ रेस्टोरेंट में जाकर मैंने वहां का स्वाद लिया। (हंसते हुए) ट्रैवल करते वक्त मेरे अंदर एक अलग जोश आ जाता है सोशल मीडिया के लिए, जो बाकी वक्त सो रहा होता है।

हर भारतीय परिवार ग्रेट होता है

कृतिका इन दिनों अपनी फिल्म द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली को लेकर चर्चा में हैं। वह कहती हैं, हर भारतीय परिवार ग्रेट होता है, क्योंकि ये एक हिंदुस्तानी फैमिली है। हमारे यहां यह खास बात है कि हम परिवार को बहुत ऊंचा दर्जा देते हैं। इसकी हम बहुत इज्जत भी करते हैं। ऐसा ही कुछ मेरे किरदार बानी के साथ भी है। इस फिल्म के अंदर मेरी एक डेड लाइन है, पर मेरी फैमिली मुझे अकेला नहीं छोड़ रही है। वैसे तो मैं अकेले रहती हूं पर मेरे घर में सुबह से ही घंटी बजनी शुरू होती है। जब-जब घंटी बजती है, परिवार का कोई एक सदस्य वहां आ जाता है और अपनी प्रॉब्लम लेकर बैठ जाता है। लगभग पूरा ही परिवार मेरे घर में है और हमारे पास सॉल्व करने के लिए बहुत सारी समस्याएं हैं।

जिस काम में जल्दी हो उसी में दिक्कतें आने लगती हैं

जब किसी काम की डेडलाइन पास में हो तो कुछ ना कुछ उथल-पुथल वाली चीजें होती रहती हैं। कृतिका के साथ भी क्या ऐसा कुछ होता है? वह कहती हैं, ऐसा होता ही है कि जब आपको कोई चीज तुरंत करनी होती है, तो सारी बाधाएं उस दिन आएंगी। मेरे साथ जो सबसे कॉमन चीज होती है, वो यह है कि अगर मुझे कहीं पहुंचना है और मैं निकलते हुए लेट हो जाऊं, उसके बाद एक के बाद एक सब कुछ गलत होता जाता है। जैसे टाइम पर लिफ्ट नहीं आएगी, गाड़ी के सामने बार-बार रेड लाइट आएगी, कभी टायर पंचर हो जाता है। तब लगता है कि जो चीज आप जल्दी से करना चाहो तो पूरी कायनात उस चीज के लिए रुकावटें खड़ी करने में लग जाती है। हालांकि, शाहरुख की फैन हूं तो मैं ऐसा नहीं मानती हूं।

एक्टर प्लेटफॉर्म को महत्व नहीं देते

टीवी से ओटीटी में आने का निर्णय लेना कृतिका कामरा के लिए कितना बड़ा कदम रहा है, इस सवाल के जवाब में वह कहती हैं, मैंने टीवी पर बहुत साल काम किया। मेरे जीवन में और सीखने के लिहाज से टीवी ने काफी अहम रोल अदा किया। जब मैंने छोटे पर्दे पर बहुत साल काम कर लिया था, तब मैं एक ऐसे पॉइंट पर पहुंच चुकी थी, जब मुझे लगने लगा था कि मुझे खुद को एक चैलेंज देना है, कुछ नया करना है, मुझे एक नई दिशा में देखना होगा। तब मैंने फिल्म और वेब शोज के लिए ऑडिशन देना शुरू किया। लेकिन एक्टर के दिमाग में इतना अंतर नहीं होता है कि वह किस मीडियम में काम कर रहा है। मैं कभी ये नहीं देखती कि ओटीटी पर काम करूंगी तो मुझे कौन-सी ऑडियंस मिलेगी।

वेस्टइंडीज 419 रन पीछे, बिना विकेट गंवाए 43 रन बनाए

न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी 306 रन पर घोषित की

बेलिंगटन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज की ओर से ब्रेंडन किंग और जॉन कैंपबेल ने पारी की शुरुआत की। किंग 37 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि कैंपबेल उनके साथ क्रीज पर मौजूद है।

इससे पहले न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी 2 विकेट पर 306 रन बनाकर घोषित की। टीम के लिए टॉम लाथम ने 101 और डेवोन कॉन्वे ने 100 रन की शतकीय पारियां खेलीं। कप्तान केन विलियमसन 40 रन और रचिन रवींद्र 46 रन बनाकर नाबाद रहे।

कॉन्वे का दूसरी पारी में भी शतक

डेवोन कॉन्वे ने इस टेस्ट मैच में कुल 327 रन बनाए। पहली पारी में उन्होंने 367 गेंदों पर 227 रन बनाए, जिसमें 31 चौके शामिल थे। दूसरी पारी में कॉन्वे ने 139 गेंदों पर 100 रन की पारी खेली, जिसमें 3 छक्के और 8 चौके लगाए। यह उनके टेस्ट करियर का सातवां शतक है। कॉन्वे 95 साल के टेस्ट इतिहास में न्यूजीलैंड के पहले बल्लेबाज बने, जिन्होंने एक ही मैच में दोहरा शतक और शतक लगाया। दुनिया में ऐसा करने वाले वे 10वें बल्लेबाज हैं।

न्यूजीलैंड पहली पारी में 420 रन पर सिमट गई

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 575 रन बनाए थे। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 420 रन पर ऑलआउट हो गई। कायेम हॉज ने 123 रन की नाबाद पारी खेली, लेकिन अन्य बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके।

तीसरे दिन शनिवार को वेस्टइंडीज ने बिना विकेट गंवाए 110 रन से आगे खेलते हुए 6 विकेट पर 381 रन बनाए थे। जॉन कैंपबेल 45 रन, वहीं, ब्रैंडन किंग ने 63 रन बनाए।

हॉलैंड ने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड बनाया

रोनाल्डो को पीछे छोड़ा

लंदन (एजेंसी)। एर्लिंग हॉलैंड ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दो गोल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया जिससे मैनचेस्टर सिटी ने आसान जीत दर्ज करके अपनी जीत का सिलसिला पांच मैच तक पहुंचा दिया।

मैनचेस्टर सिटी को इस जीत तीन अंक मिले, लेकिन यह आर्सेनल को क्रिसमस के दिन प्रीमियर लीग में शीर्ष पर रहने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था। आर्सेनल ने विक्टर ग्योकेरेस के पहले हाफ में पेनल्टी पर किए गोल की बदौलत एवर्टन पर 1-0 की जीत हासिल की जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि आर्सेनल 25 दिसंबर को प्रीमियर लीग में पांचवीं बार पहले स्थान पर रहेगा। इससे पहले जब चार अवसरों पर आर्सेनल क्रिसमस तक शीर्ष पर रहा था तब वह खिताब नहीं जीत पाया था। आर्सेनल के बाद मैनचेस्टर सिटी दूसरे स्थान पर है। वह आर्सेनल से केवल दो अंक पीछे है। उसने वेस्ट हैम को 3-0 से हराया। हॉलैंड ने दोनों हाफ में एक-एक गोल करके इस सत्र में 17 मैचों में 19 गोल कर लिए हैं। इस तरह से उन्होंने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया। हॉलैंड ने इस सत्र में सिटी और नॉर्वे के लिए कुल 28 मैचों में 38 गोल किए हैं।

पाकिस्तान ने दूसरी बार अंडर-19 एशिया कप जीता

भारत को 191 रन से हराया, वैभव 26 रन ही बना सके, समीर मिन्हास का शतक

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान ने दूसरी बार अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने रविवार को खेले गए फाइनल में भारत को 191 रन से हरा दिया। दुबई के आईसीसी एकेडमी में पाकिस्तान ने समीर मिन्हास की शानदार पारी के दम पर भारत के सामने 348 रन का बड़ा लक्ष्य रखा। जवाब में भारतीय टीम 26.1 ओवर में 159 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। ओपनर वैभव सूर्यवंशी 26 रन ही बना सके। पाकिस्तान की ओर से अली रजा ने 4 विकेट झटके, जबकि मोहम्मद सय्याम, हुजैफा अहसान और अब्दुल सुभान को 2-2 विकेट मिले। इससे पहले भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पाकिस्तान ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 347 रन बनाए। टीम के लिए समीर मिन्हास ने शानदार शतक जड़ा। उन्होंने 113 गेंदों पर 172 रन की दमदार पारी खेली। अहमद हुसैन ने 56 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से दीपेश देवेंद्रन ने 3 विकेट लिए, जबकि खिलन पटेल और हेनिल पटेल को 2-2 विकेट मिले। कनिष्क चौहान ने 1 विकेट हासिल किया।

दोनों टीमों की प्लेइंग-इलेवन

भारत- आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, आरोन जॉर्ज, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, किशन कुमार सिंह और हेनिल पटेल।

पाकिस्तान- फरहान यूसुफ (कप्तान), समीर मिन्हास, उस्मान खान, अहमद हुसैन, हमजा जहूर (विकेटकीपर), हुजैफा अहसान, नकाब शफीक, मोहम्मद शायान, अली रजा, अब्दुल सुभान, मोहम्मद सय्याम।

आउट होने के बाद मैदान पर हुआ बवाल

पाक खिलाड़ी से उलझे वैभव सूर्यवंशी

दुबई (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए 19 एशिया कप फाइनल में सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि मैदान पर गर्मागर्म माहौल भी देखने को मिला। 14 वर्षीय भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के आउट होने के बाद पाकिस्तान के गेंदबाज अली रजा के साथ उनकी नोकझोंक सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है।

तेज शुरुआत के बाद सस्ते में आउट हुए वैभव

348 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने आक्रामक अंदाज में पारी की शुरुआत की। उन्होंने महज 9 गेंदों में 24 रन बनाकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई। पाक गेंदबाज के इशारे के बाद वैभव ने अपने जूतों के और इशारा कर दिया आ जा....।

भारत के खिलाफ समीर मिन्हास ने खेली 172 रन की रिकॉर्ड तोड़ पारी

दुबई (एजेंसी)।

अंडर-19 एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत के खिलाफ पाकिस्तान के युवा बल्लेबाज समीर मिन्हास ने ऐसी पारी खेली, जिसने उन्हें रातों-रात सुर्खियों में ला दिया। दुबई के आईसीसी एकेडमी ग्राउंड पर खेले गए इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में मिन्हास ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। 113 गेंदों में 172 रन की ऐतिहासिक पारी के साथ उन्होंने न सिर्फ फाइनल का रुख बदला, बल्कि खुद को पाकिस्तान के भविष्य के बड़े बल्लेबाजों में शामिल कर लिया।

- **फाइनल में भारत के खिलाफ ऐतिहासिक प्रदर्शन** – रविवार, 21 दिसंबर को खेले गए फाइनल में भारत ने टॉस जीतकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने जल्दी पहला विकेट गंवा दिया। इसके बाद समीर मिन्हास ने मोर्चा संभाला और एक छोर से रन बरसाने का सिलसिला शुरू किया। उन्होंने महज 71 गेंदों में शानदार शतक पूरा किया, जो फाइनल जैसे बड़े मुकाबले में उनकी मानसिक मजबूती को दर्शाता है।
- **तेज साझेदारियां, तेज रन गति** – पहले विकेट के गिरने के बाद मिन्हास ने उस्मान खान के साथ दूसरे विकेट के लिए 92 रनों की अहम साझेदारी की। इस दौरान उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में अर्धशतक जड़ दिया और भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर पाकिस्तान ने मात्र 12.3 ओवर में 100 रन पूरे कर लिए। उस्मान के आउट होने के बाद भी मिन्हास का आक्रमण जारी रहा। अहमद हुसैन के साथ मिलकर उन्होंने तीसरे विकेट के लिए 137 रनों की बड़ी साझेदारी की, जिससे पाकिस्तान एक मजबूत स्थिति में पहुंच गया।

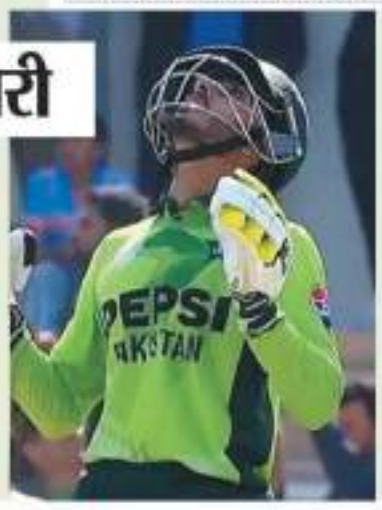

हरियाणवी बॉक्सर नीरज गोयत का ग्लोबल घूंसा

दुबई के मेगा इवेंट में दमदार जीत, अमेरिकी बॉक्सर एंथनी टेलर को हराया, मेन कार्ड का हिस्सा था इवेंट

करनाल (एजेंसी)। हरियाणा के बेगमपुर गांव से निकलकर अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग मंच पर पहचान बना चुके भारतीय बॉक्सिंग स्टार नीरज गोयत ने दुबई में शानदार जीत दर्ज कर देश का नाम रोशन किया। 20 दिसंबर को दुबई के ड्यूटी फ्री टेनिस स्टेडियम में हुए मुकाबले में नीरज गोयत ने अमेरिकी बॉक्सर एथनी टेलर को कड़े मुकाबले में पछाड़ दिया। यह फाइट बहुप्रतीक्षित एड्रियू टेट बनाम बेस डीमूर मुकाबले से पहले मेन कार्ड का हिस्सा थी। अनाउंसमेंट के साथ ही इस इवेंट को दुनियाभर में जबरदस्त ध्यान मिला और बॉक्सिंग फैंस इसे लेकर बेहद उत्साहित नजर आए। मुकाबले से पहले नीरज गोयत की एंट्री ने दर्शकों का ध्यान खींच लिया। वह फ्लाइट में एंट्री से पहले झूमते हुए नजर आए और केसरिया, सफेद और हरे रंग की ड्रेस पहनकर रिंग में उतरे। तिरंगे के रंगों में सजे गोयत ने जैसे ही मुकाबला शुरू किया, उन्होंने एंथनी टेलर पर पंचों की बौछार कर दी। पूरे मुकाबले के दौरान नीरज का आत्मविश्वास और आक्रामकता साफ नजर आई। उन्होंने तकनीकी बॉक्सिंग का शानदार प्रदर्शन करते हुए एंथनी को संभलने का मौका नहीं दिया।

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज से मैच पहले जेमिमाह रोड्रिग्स बोली

बढ़ी जिम्मेदारी, बढ़ीं उम्मीदें

नईदिल्ली (एजेंसी)। रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम विश्व कप जीतने के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय मैदान पर उतरी। इससे पहले बल्लेबाज जेमिमाह रोड्रिग्स ने टीम की मानसिकता को लेकर अहम बात कही है। श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टी-20 सीरीज को लेकर जेमिमाह का मानना है कि खिताबी जीत के बाद टीम पर जिम्मेदारी कहीं ज्यादा बढ़ गई है। उन्होंने साफ कहा कि अब सिर्फ जीत का जश्न नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के लिए खुद को लगातार बेहतर बनाना ही असली लक्ष्य है।

विश्व कप जीत के बाद बदला माहौल – जेमिमाह रोड्रिग्स के अनुसार, महिला विश्व कप जीत का असर सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और फैंस के बीच भी साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि अब ज्यादा लोग महिला क्रिकेट को पहचान रहे हैं और इस खेल में दिलचस्पी ले रहे हैं। जेमिमाह ने इसे विश्व कप की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया, क्योंकि इससे आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी और महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का मौका मिलेगा।

जीत पर गर्व, लेकिन नजर भविष्य पर

हालांकि टीम विश्व कप जीत पर गर्व महसूस कर रही है, लेकिन जेमिमाह ने साफ किया कि यह सफर की सिर्फ शुरुआत है। उन्होंने कहा कि अब टीम का फोकस आगे आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स पर है, खासकर टी-20 वर्ल्ड कप पर। उनके मुताबिक, अब जिम्मेदारी ज्यादा है क्योंकि उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। हमारा लक्ष्य सिर्फ एक ट्रॉफी जीतना नहीं, बल्कि अब तक की सबसे बेहतरीन भारतीय टीम बनना है।

कोलकाता इवेंट के आयोजक बोले-मेसी छूने-गले लगाने से परेशान हुए

भीड़ नियंत्रित करने की अपील बेअसर रही, प्लेयर के जल्दी निकलने से तोड़फोड़ हुई थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में 13 दिसंबर को हुए इवेंट से लियोनेल मेसी के जल्दी चले जाने को लेकर नई बात सामने आई है। इवेंट के दौरान सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के कारण फुटबॉलर असहज हो गए, इसलिए तय वक्त से पहले ही वहां से चले गए। यह जानकारी इवेंट के मुख्य आयोजक सतादरू दत्ता ने जांच एजेंसियों को दी है। इस मामले में दत्ता को गिरफ्तार किया गया है।

मीडिया के मुताबिक एसआईटी की पूछताछ में शनिवार को दत्ता ने बताया कि विदेशी सुरक्षा एजेंसियों ने आयोजकों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि मेसी को छूना या गले लगाया जाना बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। जब प्रोग्राम में मेसी आए तो भीड़ रोकने के लिए मंच से कई बार कहा गया, लेकिन इसका कोई खास असर नहीं पड़ा।

दत्ता के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान जिस तरह मेसी को चारों ओर से घेर लिया गया और लोग उन्हें गले लगाने लगे, वह पूरी तरह अस्वीकार्य था। इससे वे परेशान हुए और कार्यक्रम बीच में ही छोड़ने का फैसला लिया।

5वें एशेज खिताब पर कब्जा जमाया

ऑस्ट्रेलिया ने लगातार

• तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 82 रन से हराया, ऑस्ट्रेलिया 3-0 से आगे

एडिलेड (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ एडिलेड ओवल में खेले गए एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने 82 रन से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 5 टेस्ट मैचों की सीरीज अपने नाम कर ली और 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। इससे पहले पर्थ और ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया ने 8-8 विकेट से जीत दर्ज की थी। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 371 रन बनाए, जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 286 रन पर सिमट गई। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दूसरी पारी में 349 रन बनाए और इंग्लैंड के सामने 434 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम संघर्ष करती नजर आई और पूरी टीम छह स्कोर से 82 रन पहले ही आउट हो गई। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने घरेलू परिस्थितियों में एशेज सीरीज पर अपना दबदबा कायम रखा।

पांचवें दिन जेमी स्मिथ ने इंग्लैंड की जगाई उम्मीद

इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल छह विकेट पर 207 रन बनाकर समाप्त किया था, जिसके बाद उसकी जीत की उम्मीदें काफी धूमिल नजर आ रही थीं। हालांकि, पांचवें और आखिरी दिन जेमी स्मिथ ने 60 रन की अहम पारी खेलकर एक समय इंग्लैंड की उम्मीदें जगा दीं। जब वह आउट हुए, तब तक इंग्लैंड का स्कोर 285 रन तक पहुंच चुका था और टीम लक्ष्य के काफी करीब नजर आने लगी थी।

पीटरसन ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम को लिया आड़े हाथ, एशेज टेस्ट हार के बाद की आलोचना

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने रविवार को एडिलेड ओवल में तीसरे टेस्ट में 82 रन की हार के बाद बेन स्टोक्स की टीम की आलोचना की है। ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बनाकर एशेज बरकरार रखी है। पीटरसन ने अपने एक्स हैंडल पर कहा कि यह हार समझना मुश्किल है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के पास जोश हेजलवुड और स्टीव स्मिथ नहीं थे। उन्होंने लिखा, हेजलवुड नहीं थे, कमिंस, स्मिथ, लियोन वगैरह भी मुश्किल से थे, इससे यह हार समझना मुश्किल हो जाता है। आज सुबह मैंने और भी आउट होते देखे, जिससे मुझे उस पहले ट्वीट के बारे में सब कुछ पता चल गया जो मैंने लिखा था, जिसमें कहा गया था कि बल्लेबाज अब टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार नहीं हैं। मैच की बात करें तो तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पांचवें और अंतिम दिन रविवार को यहां आखिरी चार विकेटों में से तीन विकेट लेकर इंग्लैंड की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और इस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने 82 रन से जीत दर्ज करके 2 टेस्ट शेष रहते हुए एशेज बरकरार रखने में कामयाबी हासिल की। इंग्लैंड ने 435 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन सुबह अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 207 रन से आगे बढ़ाई।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग के दिनदहाड़े अपहरण का वीडियो आया सामने ! अमेरिका तक गूंजा मामला

इस्लामाबाद, एजेंसी। सोशल मीडिया पोस्ट में पाकिस्तान में 17 वर्षीय ईसाई लड़की के कथित अपहरण, जबरन धर्मांतरण और विवाह के आरोप लगाए गए हैं। मानवाधिकार समूह वर्षों से ऐसे मामलों पर चिंता जताते रहे हैं, हालांकि ताजा दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई। अमेरिकी सोशल मीडिया अकाउंट की एक पोस्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहस छेड़ दी है। पोस्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान में 17 वर्षीय ईसाई लड़की 'इन्ना' का दिनदहाड़े अपहरण किया गया, क्योंकि उसने कथित तौर पर धर्मांतरण और 46 वर्षीय व्यक्ति से विवाह से इनकार कर दिया था। पोस्ट में यह भी आरोप लगाया गया कि घटना के समय मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप नहीं किया। हालांकि, इस विशेष घटना की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक किसी आधिकारिक एजेंसी या विश्वसनीय मीडिया रिपोर्ट से नहीं हुई है। पाकिस्तान सरकार या स्थानीय पुलिस की ओर से भी इस दावे पर तत्काल प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों, अमेरिकी विदेश विभाग की धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट्स, और कई एनजीओ पाकिस्तान में अल्पसंख्यक लड़कियों के अपहरण, जबरन धर्मांतरण और विवाह के मामलों पर वर्षों से चिंता जताते रहे हैं। इन रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि कुछ मामलों में पीड़िताओं के बयान दबाव में दर्ज होते हैं, अदालतों में स्वैच्छिक धर्मांतरण के दावे सामने आते हैं और परिवारों को धमकियों का सामना करना पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार, बाल विवाह और जबरन धर्मांतरण से जुड़े मामलों में कानूनी प्रक्रिया, पुलिस की भूमिका और सामाजिक दबाव अक्सर जटिल हो जाते हैं। पाकिस्तान में मौजूद कानूनों और उनके क्रियान्वयन को लेकर अंतरराष्ट्रीय निगरानी लगातार जारी रही है। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि स्वतंत्र जांच, पारदर्शिता और पीड़ितों की सुरक्षा ही ऐसे मामलों में भरोसेमंद निष्कर्ष तक पहुंचने का रास्ता है। पोस्ट में अमेरिका के टेक्सास में पाकिस्तानी झंडे या कार्यक्रमों को लेकर भी तीखी प्रतिक्रिया दी गई है। इससे अमेरिका में प्रवासी समुदाय, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और विदेश नीति पर नई बहस शुरू हो गई है। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों की ओर से इस विशेष पोस्ट पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

पांच मार्च का चुनाव टला तो सड़क पर उतरेगी एनसीपी

काठमांडू एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और सबसे बड़े कम्युनिस्ट गठबंधन नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के समन्वयक पुष्पकमल दहल प्रचंड ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर किसी भी बहाने से 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव को स्थगित किया गया तो उनकी पार्टी सड़क पर उतरेगी। प्रचंड ने कहा कि एनसीपी ने गठबंधन के घोषणा के समय से ही समय पर चुनाव कराने का पक्ष लिया है। उन्होंने कहा चुनाव तिथियों को स्थगित करने का कोई प्रयास स्वीकार्य नहीं है। प्रचंड ने यह बात काठमांडू के भृकुटीमंडप क्षेत्र में एनसीपी की एक एकता रैली को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने संविधान के उल्लंघन का खतरा जताते हुए सभी से समय पर चुनाव करवाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने किसी पार्टी या व्यक्ति का नाम नहीं लिया।

हांगकांग में चाकू दिखाकर 6.4 मिलियन डॉलर की लूट

हांगकांग, एजेंसी। हांगकांग पुलिस ने एक हाई-वैल्यू मनी एक्सचेंज लूट के मामले में मुख्य भूमि चीन के 43 वर्षीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी उस घटना के बाद हुई, जिसमें करंसी एक्सचेंज दुकान के कर्मचारियों को चाकू दिखाकर लगभग 1 अरब जापानी येन लूट लिए गए थे, जिनकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 64 लाख अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना गुरुवार को शुंग वान इलाके में हुई। एक मनी एक्सचेंज कंपनी के दो कर्मचारी चार सूटकेस में भारी मात्रा में नकद लेकर पास के बैंक जा रहे थे, जहां इस रकम को हॉन्गकॉन्ग डॉलर में बदलना था। इसी

दौरान रास्ते में तीन संदिग्धों ने चाकू निकालकर कर्मचारियों को धमकाया और सभी सूटकेस छीनकर मौके से फरार हो गए। राहत की बात यह रही कि इस वारदात में कोई शारीरिक चोट नहीं आई। जांच के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध वाहन को ट्रेस किया, जिसे लूट के बाद भागने में इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद पुलिस ने मुख्य भूमि चीन के आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से जापानी येन से भरा एक सूटकेस बरामद किया। हांगकांग पुलिस का मानना है कि इस वारदात में कुल चार लोग शामिल थे। फिलहाल तीन आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस ने कहा है कि यह मामला संगठित अपराध से जुड़ा हो सकता है और जांच अभी जारी है। अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। इस घटना ने हॉन्गकॉन्ग में मनी एक्सचेंज कारोबार की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दक्षिण अफ्रीका में बंदूकधारियों ने की गोलियों की बरसात

केपटाउन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका एक बार फिर भीषण हिंसा से दहल उठा है। जोहान्सबर्ग से करीब 40 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम स्थित बेकर्सडाल टाउनशिप में रविवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।पुलिस के मुताबिक, हमला एक अवैध और बिना लाइसेंस वाले शराब ठिकाने (टैवर्न) के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने अचानक सड़क पर मौजूद लोगों पर गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। कई लोगों को बिना किसी उकसावे के निशाना बनाया गया। गौतेंग प्रांत की पुलिस प्रवक्ता ब्रिगेडियर ब्रेंडा मुरिडिली ने बताया कि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि पीड़ित किस पृष्ठभूमि से जुड़े थे। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत नाजुक बनी हुई है।

सोने की खदानों से जुड़ा एंगल?

घटनास्थल के आसपास कई बड़ी सोने की खदानें स्थित हैं, लेकिन पुलिस ने फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया है कि हमले का कोई संबंध खनन गतिविधियों या आपराधिक गिरोहों से है। न तो हमलावरों

6 देशों में क्रिसमस मनाया तो सीधे पहुंचेंगे जेल में और पड़ेगा भारी जुर्माना

बीजिंग, एजेंसी। आज दुनिया में ब्लू क्रिसमस मनाया जा रहा है। ब्लू क्रिसमस एक शांत, चिंतनशील आयोजन है, जो अक्सर चर्च में होता है, उन लोगों के लिए जो छुट्टियों के मौसम में दुख, अकेलेपन या नुकसान से जूझ रहे होते हैं। यह इस बात को मानता है कि यह हर किसी के लिए खुशी का मौका नहीं होता और अक्सर इसे विंटर सोल्स्टिस (लगभग 21 दिसंबर) को सबसे लंबी रात के रूप में मनाया जाता है ताकि अंधेरे में उम्मीद मिल सके। आमतौर पर क्रिसमस दुनिया भर में खुशी, रोशनी और परिवार-दोस्तों के साथ समय बिताने का त्योहार माना जाता है। लेकिन कुछ देशों में इसे मनाना कानूनी रूप से खतरनाक हो सकता है।

ब्रुनेई में क्रिसमस मनाने पर सबसे सख्त प्रतिबंध हैं। यहां क्रिसमस ट्री लगाना, सजावट करना या त्योहार के कपड़े पहनना सार्वजनिक रूप से मना है। नियम तोड़ने पर पांच साल तक की

जेल या भारी जुर्माना हो सकता है।

उत्तर कोरिया में सभी धार्मिक गतिविधियों पर रोक है। ईसाई धर्म से जुड़ी किसी भी सभा, प्रार्थना या उत्सव पर गिरफ्तारी, जबरन मजदूरी या जेल की सजा हो सकती है। यहां धार्मिक प्रतीक रखना भी अपराध माना जाता है।

सोमालिया ने 2015 में सुरक्षा और धार्मिक कारणों का हवाला देते हुए क्रिसमस और नए साल के सार्वजनिक उत्सव पर प्रतिबंध लगाया। यहां सार्वजनिक रूप से जश्न मनाने पर हिरासत या जेल हो सकती है।

हाल के वर्षों में सऊदी अरब में कुछ सामाजिक ढील दी गई है, लेकिन सार्वजनिक क्रिसमस समारोह अभी भी कानूनी रूप से मान्य नहीं हैं। निजी तौर पर मनाना अनुमत है, लेकिन सार्वजनिक प्रदर्शन पर रोक है। कजाकिस्तान में भी सख्त नियम कजाकिस्तान में क्रिसमस की सार्वजनिक परंपराएं जैसे पेड़ सजाना, आतिशबाजी, त्योहार का खाना या फादर क्रिसमस पर आयोजन प्रतिबंधित हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह राष्ट्रीय संस्कृति के खिलाफ है।

लीबिया और भूटान

लीबिया और भूटान में क्रिसमस की कोई आधिकारिक छुट्टी नहीं है और सार्वजनिक उत्सव पर कड़ी पाबंदी है। निजी तौर पर मनाना आमतौर पर सुरक्षित है, लेकिन सार्वजनिक रूप से मनाने पर कानूनी या प्रशासनिक कार्रवाई हो सकती है।

एच-1बी वीजा पर बड़ा संकट ! भारत में फंसे हजारों एनआरआई, अपॉइंटमेंट अचानक रद्द, बढ़ीं मुश्किलें

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका की नई वीजा नीति और दूतावासों द्वारा अचानक अपॉइंटमेंट रद्द किए जाने से हजारों भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर और पेशेवर मुश्किल में फंस गए हैं। दिसंबर के महीने में जो लोग छुट्टियां मनाने या अपने वीजा स्टैंपिंग (नवीनीकरण) के लिए भारत आए थे उन्हें अब अमेरिकी दूतावास ने कई महीनों बाद की तारीखें दी हैं। इस अनिश्चितता को देखते हुए दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी गूगल ने अपने कर्मचारियों के लिए एडवाइजरी जारी कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय यात्रा न करने की सलाह दी है।

क्या है पूरा मामला?

रिपोर्ट के अनुसार 15 से 26 दिसंबर 2025 के बीच जिन लोगों के वीजा अपॉइंटमेंट तय थे उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के रद्द कर दिया गया। अनुमान है कि सैकड़ों से लेकर हजारों भारतीय इस फैसले से प्रभावित हुए हैं। रद्द किए गए अपॉइंटमेंट की नई तारीखें कई महीनों बाद की मिल रही हैं जिससे लोगों की नौकरियां दांव पर लग गई हैं। गूगल हर साल लगभग 1,000 एच-1बी (एच-1बी) कर्मचारियों की नियुक्ति करता है। कंपनी ने अपने मेमो में कहा है कि अमेरिका से बाहर फंसने का जोखिम बहुत ज्यादा है इसलिए कर्मचारी फिलहाल यात्रा टाल दें।

सोशल मीडिया चेक ने बढ़ाई देरी-बताया जा रहा है कि इन अपॉइंटमेंट के रद्द होने के पीछे अमेरिका की नई सख्त वीजा-जांच नीति है। अब अमेरिकी अधिकारी आवेदकों की सोशल

मीडिया गतिविधियों और उनकी ऑनलाइन पोस्ट की गहन समीक्षा कर रहे हैं।

अधिकारियों का तर्क है कि यह प्रक्रिया राष्ट्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जा रही है ताकि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की जा सके।

ट्रंप प्रशासन की सख्त नीतियां-यह संकट अमेरिका की व्यापक एंटी-इमिग्रेशन (आप्रवासन विरोधी) नीति का हिस्सा माना जा रहा है। 70% भारतीय: एच-1बी वीजा पाने वालों में 70 प्रतिशत से अधिक भारतीय होते हैं इसलिए इस नीति का सबसे बड़ा असर भारत पर पड़ा है। भारी फीस: राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने हाल ही में नए एच-1बी आवेदनों पर 1 लाख डॉलर का भारी शुल्क भी लगाया है।

सबसे बड़ी अव्यवस्था: इमिग्रेशन वकीलों का कहना है कि यह अब तक की सबसे खराब स्थिति है। बिना बताए अपॉइंटमेंट रद्द होने से न केवल कर्मचारी बल्कि अमेरिकी टेक कंपनियां भी भारी दबाव में हैं।

एच-1बी धारकों के लिए सलाह-जब तक आपके पास वैलिड वीजा स्टैंप न हो भारत या किसी अन्य देश की यात्रा करने से बचें। अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर किसी भी विवादास्पद पोस्ट को लेकर सतर्क रहें क्योंकि अब इनकी गहन जांच हो रही है।

यदि आप भारत में फंस गए हैं तो तुरंत अपनी कंपनी के एचआर और इमिग्रेशन टीम को सूचित करें ताकि कानूनी मदद ली जा सके।

कभी भी आकर मिल सकते हैं, बेटों ने इमरान खान को लेकर जताई चिंता तो पाकिस्तान ने दिया रिएक्शन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने शनिवार को साफ किया कि अगर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे देश आते हैं तो उन्हें अपने जेल में बंद पिता से मिलने पर कोई रोक नहीं है। सरकारी अधिकारी ने यह भी कहा कि अगर दोनों भाई उनसे मिलने आना चाहते हैं, तो उन्हें पाकिस्तानी वीजा दिया जाएगा। यह बयान तब आया जब ऐसी खबरें आईं कि अधिकारियों ने इमरान खान से मिलने पर बिना बताए पाबंदियां लगा दी हैं, यह दावा करते हुए कि कुछ मुलाकाती इन मुलाकातों का इस्तेमाल राजनीतिक एजेंडा बढ़ाने के लिए कर रहे थे।

शहबाज सरकार के मंत्री ने क्या कहा?-गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी ने पत्रकारों को बताया, सुलेमान खान और कासिम खान पर रावलपिंडी की अदियाला जेल में अपने पिता इमरान खान से मिलने पर कोई रोक नहीं है। चौधरी ने कहा, अगर सुलेमान और कासिम पाकिस्तानी वीजा के लिए अप्लाई करते हैं तो हम उन्हें दे देंगे। हम उन्हें उनके पिता से मिलने से नहीं रोकेंगे; इसलिए, यह प्रोपेगेंडा कि पाकिस्तानी सरकार पिता और बेटों की मुलाकात में रुकावटें डाल रही है, बंद होना चाहिए। उन्होंने उन रिपोर्ट्स को भी खारिज कर दिया कि खान को दिन में 23 घंटे अकेले रखा जा रहा है। इन खबरों के बाद, उनके परिवार के सदस्यों और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने उन हालातों पर चिंता जताई जिनमें उन्हें रखा गया है। सुलेमान और कासिम अभी लंदन में रहते हैं, खान की पहली शादी ब्रिटिश टीवी पर्सनैलिटी जेमिमा गोल्डस्मिथ से हुए बेटे हैं। चौधरी का यह बयान भाइयों के स्काई न्यूज को यह बताने के कुछ दिनों बाद आया है कि उन्हें डर है कि वे अपने जेल में बंद पिता को शायद फिर कभी नहीं देख पाएंगे।

इमरान खान के बेटों ने क्या कहा था?-भाइयों ने कहा कि उन्होंने अगस्त 2023 से जेल में बंद पीटीआई के संस्थापक को महीनों से देखा या उनसे बात नहीं की है और उन्होंने उनकी सुरक्षा और सेहत के बारे में चिंता जताई है। अपने इंटरव्यू में इमरान के बेटों ने आरोप लगाया कि उनके पिता को आइसोलेशन में रखा गया है और इन हालातों को साफ तौर पर टॉर्चर की रणनीति बताया।

बांग्लादेशी पत्रकार का युनुस सरकार पर कड़ा प्रहार: दुनिया में बदनाम हो गया देश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के वरिष्ठ पत्रकार और ढाका ट्रिब्यून के संपादक रियाज अहमद ने इंकिलाब मंच के नेता उस्मान हादी की मौत के बाद भड़की हिंसा पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस अशांति ने देश में कानून-व्यवस्था और सरकार की गंभीर नाकामी को उजागर कर दिया है और आगामी आम चुनावों से पहले बांग्लादेश ने एक बेहद गलत उदाहरण पेश किया है। रियाज अहमद ने कहा कि हादी की हत्या के बाद जनता का गुस्सा और दुख स्वाभाविक था, लेकिन इसी भावनात्मक माहौल का फायदा उठाकर कुछ कट्टर और हाशिए के तत्वों ने हालात को हिंसक बना दिया। उन्होंने कहा,-इसे बहाना बनाकर भीड़ के भीतर मौजूद कुछ तत्व बेहद हिंसक हो गए। राज्य को ऐसी हिंसा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करनी चाहिए।उस्मान हादी, जो पिछले साल जुलाई में हुए जन-आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शामिल थे, को 12 दिसंबर को ढाका के विजयनगर इलाके में रिक्शा से जाते समय करीब से गोली मार दी गई।गोली उनके सिर में लगी। गंभीर हालत में उन्हें बेहतर इलाज के लिए सिंगापुर एयरलिफ्ट किया गया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद 18 दिसंबर को उनकी मौत हो गई।उस्मान हादी का जनाजा शनिवार को हुआ।

मुनीर के गले की फांस बनी अमेरिका की दोस्ती, गाजा में सेना भेजने का प्रेशर; अपने ही जाल में कैसे फंसा पाकिस्तान

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान इस समय अमेरिका से दोस्ती मजबूत करने की कोशिश में लगा हुआ है। इस बीच अमेरिका पाकिस्तान पर गाजा में शांति सेना भेजने का दबाव बना रहा है। जिसको लेकर असीम मुनीर मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। दरअसल, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गाजा शांति समझौते को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिससे पाकिस्तान में सत्ता हिल रही है। उन्होंने पाकिस्तान की गाजा स्टेबिलाइजेशन फोर्स में शामिल होने की पेशकश या विचार करने के लिए आभार जताया। मार्को रुबियो ने कहा कि हम पाकिस्तान के बहुत आभारी हैं कि उन्होंने इसका हिस्सा बनने का प्रस्ताव दिया है या कम से कम इसका हिस्सा बनने पर विचार करने को कहा है। बता दें कि मार्को रुबियो ट्रंप के गाजा पीस प्लान के तहत पाकिस्तानी सेना को गाजा भेजने की बात कर

रहे थे। लेकिन पाकिस्तानी सेना इस मुद्दे पर बंटी हुई दिखाई दे रही है। फील्ड मार्शल असीम मुनीर के खिलाफ पाकिस्तान के लोग सड़कों पर उतर आए। राजनीतिक दलों और खासकर मुनीर को इतना ताकतवर बनाने वाली सरकार भी इससे सहमत नहीं है। ऐसे में असीम मुनीर मुश्किल में घिरे नजर आ रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बयान के बाद पाकिस्तान में ऐसी खबरें फैलने लगीं कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर निकट भविष्य में वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं। इसके बाद से पाकिस्तान की जनता, मीडिया, सेना, सरकार और अन्य राजनीतिक दल इसका विरोध कर रहे हैं।

हमारा काम नहीं...-बढ़ता विवाद देख शनिवार को पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान को सैन्यकर्मी भेजने के लिए नहीं कहा गया है और न ही देश ने अभी तक कोई निर्णय लिया है। इससे पहले, विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा था कि जब तक आईएसएफ के कार्यक्षेत्र स्पष्ट नहीं हो जाते, पाकिस्तान कोई निर्णय नहीं ले सकता और साथ ही यह भी कहा था कि हमास को निरस्त्र करना हमारा काम नहीं है।

ब्रिटेन में अंग्रेज़ी कक्षाएं निशाने पर, प्रवासियों के खिलाफ प्रदर्शन ! ईएसओएल को बताया 'बच्चों के लिए खतरा'

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में प्रवासियों को अंग्रेजी सिखाने वाली ईएसओएल कक्षाएं अब खुले तौर पर एंटी-इमिग्रेशन समूहों के निशाने पर आ गई हैं। शरणार्थी होटलों के बाहर हुए विरोध प्रदर्शनों के सुर्खियों से हटते ही, इन समूहों ने अब स्कूलों और सामुदायिक केंद्रों में चल रही अंग्रेजी कक्षाओं को नया लक्ष्य बना लिया है।24 नवंबर को ग्लासगो के एक प्राथमिक स्कूल के बाहर ईएसओएल कक्षा के विरोध में प्रदर्शन किया गया। यह कक्षा स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए आयोजित की जा रही थी। इस प्रदर्शन को व्यापक प्रचार मिला एक स्वयंभू निगरानी समूह के जरिए, जो खुद को पीडोफाइल हंटर

बताता है। इससे पहले इसी समूह ने रेनफ्रू में एक प्राथमिक स्कूल के पास चल रही ईएसओएल कक्षा के खिलाफ ऑनलाइन शिकायतें फैलाई थीं, जिसके बाद रेनफ्रूशायर काउंसिल ने वहां की कक्षाएं बंद कर दीं। ग्लासगो सिटी काउंसिल ने इस पूरे मामले पर सख्त प्रतिक्रिया दी। डालमारनॉक प्राइमरी स्कूल में हुए विरोध के बाद परिषद ने बयान जारी कर कहा कि वह किसी भी तरह के नस्लवाद या कट्टरता को बर्दाश्त नहीं करेगी। काउंसिल ने इन अभियानों को भ्रमित और जहरीला करार देते हुए कहा कि स्कूलों में बाहरी निगरानी समूहों का आना, डर फैलाना और हिंसा भड़काना पूरी तरह अस्वीकार्य है। इसी महीने ग्रेटर लिंकनशायर की रिफॉर्म पार्टी मेयर एंड्रिया जेनकिंस को ईएसओएल फंडिंग वापस लेने की योजना के लिए कानूनी मंजूरी मिल गई। उन्होंने कहा कि वह यह बजट लिंकनशायर के लोगों पर खर्च करना चाहती हैं। इससे देशभर में भाषा शिक्षा के भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। पिछले डेढ़ दशक से ईएसओएल शिक्षा प्रवासन बहस का राजनीतिक हथियार बनती जा रही है।

17 साल की सज़ा के बाद भड़के इमरान: बोले-किसी कीमत पर माफी नहीं मांगूंगा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने तोशाखाना-भ्रष्टाचार मामले में खुद और पत्नी बुशरा बीबी को 17-17 साल की सजा सुनाए जाने के बाद देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। साथ ही उन्होंने इस फैसले को इस्लामाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देने का ऐलान किया है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, जेल में बंद इमरान खान ने यह संदेश अपने कानूनी सलाहकारों के माध्यम से बाहर भेजा। सोशल मीडिया तक पहुंच न होने के कारण, उनके वकील ने एक्स पर बातचीत का विवरण साझा किया। इमरान खान ने खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी को निर्देश दिया है कि वह जन आंदोलन की तैयारी शुरू करें। पूरे देश को अपने अधिकारों के लिए उठ खड़ा होना होगा।इमरान खान ने कहा कि यह फैसला उनके लिए कोई हैरानी की बात नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जज ने बिना सबूत, बिना कानूनी प्रक्रिया पूरी किए और बचाव पक्ष को सुने बिना जल्दबाजी में फैसला सुनाया। उन्होंने कहा, पिछले तीन वर्षों के निराधार फैसलों की तरह यह फैसला भी राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने आधिकारिक बयान में इस फैसले को असंवैधानिक, अवैध, दुर्भावनापूर्ण और राजनीतिक बदले की सबसे घिनौनी मिसाल करार दिया।

केंद्रीय मंत्री शेखावत बोले– एसआईआर का विरोध करने वाले हैं खुद कंफ्यूज

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को मुंबई से जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने गोवा में आयोजित हस्तिय कला उत्सव की सराहना की। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी यह अनूठा कला उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उत्सव में प्रस्तुत कार्यक्रमों ने दर्शकों को खासा प्रभावित किया और कला प्रेमियों को भावविभोर कर दिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने विशेष सहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। शेखावत ने कहा कि जो लोग आज एसआईआर का विरोध कर रहे हैं, वे ही कुछ समय पहले इसकी मांग कर रहे थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विरोध करने वालों को खुद यह स्पष्ट नहीं है कि वे किस बात का विरोध कर रहे हैं। केवल विपक्ष में होने के कारण विरोध करना ही उन्होंने अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी समझ ली है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, कुछ ऐसे लोग भी हैं जो थोड़े दिन पहले तक एसआईआर लागू करने की मांग कर रहे थे और अब उसी प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि वे खुद कंफ्यूज हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार और चुनाव आयोग पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रहे हैं और हर वास्तविक लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। संसद में विपक्ष के लगातार विरोध और हंगामे को लेकर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, कि संसद देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है, जहां जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को धरातल पर उतारने को लेकर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। दुर्भाग्य से कुछ लोग संसद को चर्चा का मंच बनाने के बजाय अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का अखाड़ा बना देते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष का यह रवैया न तो लोकतंत्र के हित में है और न ही जनता के। सरकार की प्राथमिकता देश के विकास और आम नागरिकों के हितों को आगे बढ़ाने की है, जबकि चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है।

ढाई दर्जन मामलों में वांछित एक लाख का ईनाम बदमाश सिराज अहमद एनकाउंटर में ढेर

सुल्तानपुर (एजेंसी)। लगभग ढाई दर्जन अपराधों में वांछित और यूपी के सुल्तानपुर के बहुचर्चित अधिवक्ता आजाद हत्याकांड में डेढ़ साल से फरार चल रहे बदमाश सिराज अहमद को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। उस पर एक लाख का इनाम रखा हुआ था। यह मुठभेड़ सहारनपुर के गंगोह थाना क्षेत्र में हुई। इस दौरान गोली लगने से सिराज गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सिराज अहमद का आपराधिक इतिहास बेहद लंबा है। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हत्या, हत्या के प्रयास और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) जैसी गंभीर धाराओं में करीब 30 मुकदमे दर्ज हैं। एसटीएफ और स्थानीय पुलिस अब उससे पूछताछ कर उसके नेटवर्क और अन्य फरार आरोपियों की जानकारी जुटा रही है। एसपी क्षेत्र अनुपम सिंह ने बताया कि सिराज अहमद के सहारनपुर में मुठभेड़ के दौरान घायल होने की जानकारी मिली है। पकड़ा गया बदमाश सिराज अहमद, सुल्तानपुर जिले के कोतवाली नगर क्षेत्र के लोंदेपुर गांव का रहने वाला है। एसटीएफ टीम को शनिवार की रात सूचना मिली कि सिराज किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में पंजाब-हरियाणा बॉर्डर से होकर सहारनपुर जिले में मौजूद है। सूचना पर टीम ने गंगोह क्षेत्र में घेराबंदी की। खुद को घिरता देख सिराज ने टीम पर फायरिंग करने लगा। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से वह घायल हो गया। अस्पताल में मौत हो गई।

इंडिगो के हवाई जहाज में मधुमक्खियों का हमला, यात्रियों में भगदड़

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर चकेरी एयरपोर्ट पर दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट में मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। मधुमक्खियां एयरक्राफ्ट के अंदर घुस गईं, जिसके कारण यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। यात्री हवाई जहाज से नीचे उतरकर अपने आपको बचाने में लग गए। एयरपोर्ट के कर्मचारियों ने मधुमक्खियों को फौरन नाराका छिड़क कर वहां से हटाया। सबसे खास बात यह रही, मधुमक्खी हवाई जहाज के आंतरिक हिस्से में नहीं घुसी थीं। जिसके कारण जल्द ही मधुमक्खियों के हमले को काबू में किया गया। यह घटना शुक्रवार दोपहर की है। विमान जब उड़ान भरने वाला था, उसी समय मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। विदेशी पर्यटकों ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जो वायरल हो रहा है। इस घटना के कारण फ्लाइट करीब 4 घंटे देर से दिल्ली के लिए रवाना हो सकी। मधुमक्खियों का हमला, यात्रियों के ऊपर नहीं हुआ। इसको लेकर यात्री मधुमक्खियों को धन्यवाद देते थे।

नमो भारत ट्रेन में आपत्तिजनक हरकत : वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद से मेरठ रूट पर चलने वाली रैपिड रेल नमो भारत ट्रेन में एक शर्मनाक घटना सामने आई है। चलती ट्रेन के अंदर एक युवक और युवती ने आपत्तिजनक हरकतें कीं, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों यात्री सीट पर बैठे हुए अश्लील व्यवहार कर रहे हैं। यह घटना 24 नवंबर की बताई जा रही है, जब ट्रेन मोदीनगर (उत्तर) स्टेशन की ओर जा रही थी। बैकग्राउंड में ट्रेन की घोषणाएं भी स्पष्ट सुनाई दे रही हैं, जो वीडियो की प्रामाणिकता की ओर इशारा करती हैं। हालांकि ईएमएस इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो में एक अन्य यात्री भी दो सीट पीछे बैठा दिखाई दे रहा है। घटना के वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू करने की बात कही है। पुलिस अधिकारियों ने संबंधित थाना प्रभारी को निर्देश दिए हैं कि वे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के अधिकारियों से संपर्क कर सच्चाई का पता लगाएं। ग्रामीण जोन के पुलिस उपायुक्त ने बताया कि अब इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस का कहना है कि यदि वीडियो सही पाया जाता है तो उचित कार्रवाई की जाएगी। एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर खुलासा किया कि यह वीडियो पिछले महीने 24 नवंबर का है। मामले की जानकारी मिलते ही जांच शुरू कर दी गई थी और कुछ कार्रवाई भी की गई।

उत्तर भारत में घने कोहरे का कहर: बर्फबारी से नेशनल हाईवे बंद प्रदूषण का स्तर भी खतरनाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और पूर्वी भारत के विशाल क्षेत्र में पिछले कई दिनों से जारी घने कोहरे और कड़ाके की ठंड ने सामान्य जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। शनिवार को स्थिति इतनी विकट हो गई कि कोहरे की घनी चादर के कारण सड़कों पर दृश्यता शून्य के करीब पहुंच गई, जिससे दिल्ली-एनसीआर समेत कई इलाकों में अघोषित लॉकडाउन जैसी स्थिति नजर आई। कोहरे के इस कहर ने परिवहन के सभी माध्यमों—सड़क, रेल और हवाई यातायात—पर ब्रेक लगा दिया है। दर्जनों उड़ानों को रद्द करना पड़ा, जबकि राजधानी और दुरंतो जैसी प्रीमियम ट्रेनों समेत सैकड़ों ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं, जिससे हजारों यात्री स्टेशनों और हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। रविवार की सुबह दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को जहरीली हवाओं के कारण कोहरे से थोड़ी राहत की उम्मीद दिखी थी, लेकिन वह राहत क्षणिक साबित हुई। कुछ ही समय बाद कोहरे की एक मोटी परत ने पूरे क्षेत्र को फिर से अपनी चपेट में ले लिया। मौसम में आए इस बदलाव का मुख्य कारण जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ है, जिसकी वजह से वहां भारी हिमपात हो रहा है। भारी बर्फबारी के चलते श्रीनगर-लद्दाख नेशनल हाईवे को बंद करना पड़ा है। वहीं, मैदानी इलाकों में ठंड के साथ-साथ वायु प्रदूषण ने भी चिंता बढ़ा दी है; दिल्ली के बवाना जैसे इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 के पार पहुंच गया है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक श्रेणी में आता है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी राहत की संभावना कम है। 21 दिसंबर की सुबह तक उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में घने से बहुत घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा, 25 से 27 दिसंबर के बीच कोहरे का एक और दौर आने की आशंका है, जो विशेष रूप से पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश को प्रभावित करेगा। मध्य प्रदेश और झारखंड में भी अगले 24 से 48 घंटों तक कोहरे का प्रभाव बना रहेगा। कोहरे के साथ-साथ शीत दिवस की स्थिति बनी हुई है, जिसका अर्थ है कि दिन के तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की जाएगी। तापमान के मोर्चे पर, उत्तर-पश्चिम भारत में अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन उसके बाद फिर से 4 डिग्री तक की गिरावट आने की संभावना है। दक्षिण और मध्य भारत के राज्यों जैसे तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी शीतलहर चलने का अनुमान जताया गया है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भारी बारिश और बर्फबारी की चेतावनी के बीच मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। पहाड़ों पर हो रही इस बर्फबारी और मैदानी इलाकों में चल रही कंपकंपी हवाओं ने पूरे उत्तर भारत को एक कोल्ड चैंबर में तब्दील कर दिया है।

इंडिगो फ्लाइट से यात्रा करने वालों के लिए अलर्ट जारी, उड़ानों के रद्द होने से बनी स्थिति

नई दिल्ली। धुंध और कोहरे के चलते अचानक फ्लाइट रद्द करना पड़ रही है। ऐसे इंडिगो ने एडवाइजरी जारी करते हुए अपने यात्रियों को अलर्ट कर कहा है कि घर से निकलने से पहले अपनी फ्लाइट चेक कर लें और सुनिश्चित करें कहीं आपकी फ्लाइट रद्द तो नहीं हुई है। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। विजिबिलिटी (दृश्यता) कम होने के कारण हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसे देखते हुए देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने रविवार के लिए अपने यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी और एडवाइजरी जारी की है। इंडिगो एयरलाइन ने सोशल मीडिया और आधिकारिक माध्यमों से

यात्रियों को सूचित किया है कि खराब मौसम के कारण उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। एयरलाइन ने कहा है कि घने विजिबिलिटी के कारण विमानों की लैंडिंग और टेकऑफ संभव नहीं होना जिससे उड़ानें देरी से चल सकती हैं या उन्हें कैंसिल भी किया जा सकता है। इंडिगो की टीमें लगातार मौसम पर नजर बनाए हुए हैं। किसी भी बदलाव की स्थिति में यात्रियों को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एसएमएस के जरिए जानकारी दी जाएगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट के लिए घर से निकलने से पहले लिंक पर जाकर अपनी फ्लाइट का ताजा स्टेटस जरूर देख लें। एयरलाइन ने इन यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं जिनकी उड़ानें प्रभावित हुई हैं। यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपनी फ्लाइट को फिर से शेड्यूल कर सकते हैं। यदि यात्री यात्रा नहीं करना चाहते तो वे वेबसाइट के माध्यम से रिफंड के लिए आवेदन कर सकते हैं। एयरलाइन ने यात्रियों से धैर्य और सहयोग बनाए रखने का अनुरोध किया है। धुंध और प्रदूषण के कारण सिर्फ इंडिगो ही नहीं बल्कि पूरा एविएशन सेक्टर प्रभावित है। शनिवार को खराब दृश्यता के चलते दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 66 उड़ानें रद्द की गईं। श्रीनगर से 4 और अमृतसर-दिल्ली रूट की 3 उड़ानें खराब मौसम की भेंट चढ़ गईं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री बोले- धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे, नया कानून बनाएंगे

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार शाम एक महत्वपूर्ण घोषणा की कि राज्य सरकार अन्य धर्मों का अपमान करने या गलती-गलतीज करने वालों के खिलाफ कड़ी सजा के प्रावधान हेतु विधानसभा सत्र में एक नया अधिनियम प्रस्तुत करेगी। साथ ही, अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए मौजूद कानूनों में उचित संशोधन भी किए जाएंगे। हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में आयोजित क्रिसमस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी धर्मों के प्रति आपसी सम्मान की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए धार्मिक घृणा फैलाने तथा हमलों की घटनाओं के खिलाफ सरकार पहले से ही सख्त कदम उठा रही है।

धर्मनिरपेक्षता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराते हुए रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि अल्पसंख्यक समुदाय राज्य की सभी कल्याणकारी योजनाओं के पूर्ण लाभार्थी हैं। उन्होंने ईसाई और मुस्लिम समुदायों से जुड़े कब्रिस्तानों के लंबित मुद्दों को शीघ्र हल करने का पूरा आश्वासन दिया। क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने ईसा मसीह के उन अमर उपदेशों की याद दिलाई, जिनमें प्रेम, शांति, क्षमा और मानवता की सेवा का संदेश निहित है। विशेष रूप से, उन्होंने नफरत करने वालों से भी प्रेम करने के दिव्य संदेश पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिसंबर माह को तेलंगाना तथा कांग्रेस पार्टी के लिए विशेष और चमत्कारिक बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि तेलंगाना राज्य का गठन तथा सोनिया गांधी का जन्मदिन दोनों इसी माह में पड़ते हैं। सरकार द्वारा लागू की जा रही प्रमुख योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने इंदिरम्मा आवास योजना, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा सुविधा तथा गरीब परिवारों को निःशुल्क बिजली जैसी पहलों की सराहना की। अंत में, रेवंत रेड्डी ने विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना ग्लोबिंग 2047 विजन के तहत राज्य विकास, समृद्धि और जनकल्याण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा।

सीएम उमर ने कहा- भ्रम में मत रहिए मैं दिल्ली और कश्मीर में अलग-अलग बात नहीं करता

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपने बयानों से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। जहां एक ओर विपक्षी गठबंधन केंद्र सरकार पर पूर्ण रूप से हमलावर रुख अपनाना चाहता है, वहीं उमर अब्दुल्ला समय-समय पर केंद्र की सराहना करके उस दबाव को कम कर देते हैं। हाल ही में उन्होंने एक बार फिर केंद्र सरकार द्वारा राज्य को दी जा रही फंडिंग की खुलकर तारीफ की है। साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उनकी यह सराहना किसी को प्रसन्न करने के लिए नहीं है और वे स्थान के अनुसार अपनी बात नहीं बदलते।

एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में उमर अब्दुल्ला ने अपनी नीति को बिल्कुल साफ शब्दों में रखा। उन्होंने कहा कि वे उन नेताओं में से नहीं हैं जो राजनीति में लोगों को गुमराह करें। जहां केंद्र सरकार अच्छा काम करती है, वहां वे उसकी प्रशंसा करते हैं और जहां कमी दिखती है, वहां खुली आलोचना भी करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं किसी को खुश करने के लिए झूठ नहीं बोलता। मैं अपनी बात दिल्ली में भी वही कहता हूं जो कश्मीर में कहता हूं।

मुख्यमंत्री बनने से पहले और बाद में भी उमर अब्दुल्ला लगातार जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य दर्जा बहाल करने की मांग उठाते रहे हैं। इसी मुद्दे पर उन्होंने केंद्र सरकार की उदारता पर सवाल उठाया। उनका कहना है कि राज्य दर्जे की बहाली को छोड़कर अन्य सभी मामलों में केंद्र सरकार ने उन्हें कोई शिकायत का मौका नहीं दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, सच कहूं तो पूर्ण राज्य के मुद्दे को छोड़ दें तो केंद्र सरकार ने हमें शिकायत करने का कोई अवसर नहीं दिया। सिर्फ इसी एक मामले में वे आगे नहीं बढ़ रहे, वहां हमें केवल शिकायतें ही मिली हैं। यह पूरा विवाद उमर अब्दुल्ला के हालिया बयानों और साक्षात्कारों से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार की उदार फंडिंग और सहयोग की प्रशंसा की थी। उनकी अपनी पार्टी के सहयोगी और कश्मीर के कुछ अन्य नेता उन पर केंद्र सरकार के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगा रहे हैं। कुछ का कहना है कि दिल्ली में वे केंद्र की तारीफ करते हैं और कश्मीर आकर आलोचना शुरू कर देते हैं। इन आरोपों का जवाब देते हुए उमर ने कहा कि वे कभी भी स्थान के आधार पर अपनी बात नहीं बदलते। वे हमेशा से केंद्र की उदार फंडिंग की सराहना करते आए हैं और जहां गलती है, वहां आलोचना भी करते हैं। उमर अब्दुल्ला ने दोहराया कि वे विधानसभा हो या सार्वजनिक मंच, हर जगह एक ही बात कहते हैं। वे किसी के दबाव में या प्रसन्नता के लिए अपनी राय नहीं बदलते। उनकी यह स्पष्टवादिता उनकी राजनीतिक शैली का हिस्सा रही है, जो उन्हें अन्य नेताओं से अलग करती है। राज्य के विकास और केंद्र से सहयोग के मामले में वे सकारात्मक रुख रखते हैं, लेकिन पूर्ण राज्य दर्जे की मांग पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं है।

दिल्ली पहुंचे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री से मुलाकात की संभावना

नई दिल्ली। एजेंसी)। बिहार में हिजाब खींचने वाले मामले को लेकर देशभर में चल रही बयानबाजी और राजनीतिक चर्चा के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को दिल्ली पहुंचे हैं। ऐसे हालात में उनके दिल्ली आगमन को राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। दिल्ली में नीतीश कुमार की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात होने की भी संभावना है। दिल्ली पहुंचने पर सीएम नीतीश कुमार का एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता ललन सिंह ने स्वागत किया। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हो सकती है। हालांकि फिलहाल इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है। माना जा रहा है कि इस मुलाकात में बिहार से जुड़े विभिन्न मुद्दों के साथ-साथ वर्तमान राजनीतिक हालात पर भी चर्चा हो सकती है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में बिहार में हिजाब विवाद को लेकर देश भर में सियासी बयानबाजी तेज है। ऐसे समय में मुख्यमंत्री का दिल्ली पहुंचना और प्रधानमंत्री से संभावित मुलाकात कई तरह के राजनीतिक संकेत दे रही है।

नेशनल हेराल्ड मामले में जिस जज ने सोनिया को राहत दी उसी को हटाने पर अड़ा लालू परिवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत के विशेष जज को लेकर इन दिनों राजनीतिक और कानूनी हलचल तेज हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि जिस जज ने हाल ही में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को नेशनल हेराल्ड से जुड़े मामले में बड़ी राहत दी थी, उसी जज को बदलने की मांग राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव के परिवार की ओर से की गई। हालांकि अदालत ने इस मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की याचिका नामंजूर कर दी। राबड़ी देवी ने अपने और अपने परिवार के खिलाफ चल रहे मामलों को दूसरी अदालत में ट्रांसफर करने की मांग की थी। उनका आरोप था कि विशेष जज उनके मामलों में पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं। अदालत ने साफ कहा कि केवल आरोपों के आधार पर किसी जज को बदलने की मांग स्वीकार नहीं की जा सकती और सुनवाई तय कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही आगे बढ़ेगी।

लालू परिवार के खिलाफ ये मामले लैंड फॉर जॉब्स और आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े हैं। इनमें राबड़ी देवी के अलावा लालू प्रसाद

यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव और परिवार के अन्य सदस्य आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान जांच एजेंसियों ने ट्रांसफर याचिका का कड़ा विरोध किया। एजेंसियों का कहना था कि यह याचिका दुर्भावना से दायर की गई है और इसका मकसद न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना है। यह भी दलील दी गई कि जब तक आरोप तय हुए और मामला सबूतों के चरण में पहुंचा, तब तक किसी तरह के पक्षपात का मुद्दा नहीं उठाया गया। इसी बीच, वही विशेष जज एक अन्य अहम फैसले को लेकर भी चर्चा में हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। अदालत का कहना था कि यह शिकायत किसी अनुसूचित अपराध से जुड़ी एफआईआर पर आधारित नहीं है, इसलिए कानूनन टिकाऊ नहीं मानी जा सकती। इस आदेश को गांधी परिवार के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा गया। हालांकि इस फैसले से असंतुष्ट जांच एजेंसी ने अब हाईकोर्ट का रुख किया है। एजेंसी का कहना है कि मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत नया अभियोजन मामला दर्ज किया गया है और ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। इस पर जल्द सुनवाई होने की संभावना है।

नेशनल हेराल्ड मामला एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़ा है, जो पहले नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करती थी। आरोप है कि 2010 में 'यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' नाम की कंपनी ने एजेएल का कर्ज बहुत कम रकम में खरीद लिया और बाद में हजारों करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों पर नियंत्रण हासिल कर लिया। इस कंपनी में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की बड़ी हिस्सेदारी बताई जाती है। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस लेन-देन के जरिए पार्टी फंड का दुरुपयोग कर संपत्तियों पर कब्जा किया गया। हाल ही में इससे जुड़ी सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है।

जी राम जी बिल की तुलना मनरेगा से करने का फैसला करने कांग्रेस ने बुलाई बैठक

एनडीए सदस्यों ने जताया विरोध, राष्ट्रपति की मंजूरी से पहले फंसा पेंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनरेगा की जगह लेने वाले 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण (जीबी-जी राम जी) बिल-2025 को लेकर सियासी टकराव और तेज हो गया है। ग्रामीण विकास और पंचायती राज पर संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष और कांडेस सांसद सप्तगिरी शंकर उलाका ने 29 दिसंबर को समिति की बैठक बुलाई है। इस बैठक में बीबी जी राम जी बिल पर चर्चा और इसकी तुलना मनरेगा से करने का फैसला किया है। इस कदम को प्रस्तावित कानून पर राजनीतिक लड़ाई को और बढ़ाने वाला माना जा रहा है, जिस पर सत्तारूढ़ एनडीए के सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया है।

समिति के एजेंडे में ग्रामीण विकास मंत्रालय की तरफ से 'बीबी- जी राम जी बिल' पर प्रस्तुति और इसकी मनरेगा से तुलना शामिल है। कांग्रेस सांसद उलाका इस समिति के अध्यक्ष हैं। बीजेपी सांसदों को इस बात पर आपत्ति है कि यह बिल

संसद से पारित होने के बावजूद अभी राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहा है और गजट में अधिसूचना के बाद ही कानून बनेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समिति के सदस्य और बीजेपी सांसद विवेक ठाकुर ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह 'विचारहीनता' को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जब तक बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक इसे कानून नहीं माना जा सकता। बीजेपी के अन्य सांसदों का कहना है कि संसद से हाल ही में पारित किसी बिल पर समिति चर्चा नहीं कर सकती, बल्कि यह केवल उसके क्रियान्वयन की समीक्षा और सिफारिशें दे सकती है। एनडीए सदस्यों का आरोप है कि बिल की तुलना पूर्ववर्ती काल की मनरेगा योजना से करना मुद्दे का जानबूझकर राजनीतिकरण है। उनका कहना है कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस नए कानून की आलोचना करने के लिए एकजुट हैं। यह नया कानून उस पुराने कानून की जगह लेगा, जिसके तहत महात्मा गांधी के नाम पर ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना चलाई जा रही थी, और अब योजना के नाम से गांधी जी का नाम हटा दिया गया है।

यह पहली बार नहीं है जब इस समिति का एजेंडा विवादों में आया हो। इससे पहले जुलाई में भूमि अधिग्रहण कानून के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए समिति की बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर और अभिनेता प्रकाश राज को बुलाने के फैसले पर बीजेपी सदस्यों ने तीखा विरोध जताया था। मेधा पाटकर की मौजूदगी को लेकर बीजेपी सांसदों ने उन्हें 'विकास विरोधी' बताते हुए बैठक से वॉकआउट किया था, जिसके चलते बैठक बीच में ही समाप्त हो गई थी।

चीन भारत में ला सकता है बाढ़ या सूखा? ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर बना रहा ऐसा टाइम बम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कहते हैं कि चोर चोरी से जाए.....लेकिन सीनाजोरी से नहीं, यह कहावत चीन पर सटीक बैठती है। क्योंकि चीन अपनी चालबाजी से बाज नहीं आ रहा है। चीन तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर एक बड़ी जलविद्युत परियोजना को बनाने में जुटा है। इसके बारे में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भारत में नदी के निचले हिस्से में जल सुरक्षा, इकोसिस्टम और आजीविका को गंभीर रूप से खतरे में डाल सकता है। क्योंकि यह नदी ब्रह्मपुत्र के रूप में भारत में प्रवेश करती है, इसलिए नदी के ऊपरी हिस्से में किसी भी बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप को उन लाखों लोगों के लिए सीधा खतरा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित 168 अरब डॉलर की हाइड्रोपावर योजना बहुत बड़ी होगी। यह योजना करीब 2000 मीटर की खड़े ढलान का इस्तेमाल करके कई बांध, जलाशय, सुरंगें और अंडरग्राउंड पावर स्टेशन के द्वारा बिजली बनाएगी।

विदेश मामलों के राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि वे ब्रह्मपुत्र नदी से जुड़ी घटनाओं पर लगातार नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत ने तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपरी भाग) के निचले इलाकों पर चीन के मेगा डैम प्रोजेक्ट शुरू करने की खबरों का संज्ञान लिया है।

विदेश मंत्रालय ने राज्यसभा में बताया कि इस परियोजना को पहली बार 1986 में सार्वजनिक किया गया था और तब से चीन में इसकी तैयारियां कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार इस इलाके में भारतीय हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बयान में कहा गया है, सरकार ब्रह्मपुत्र नदी से संबंधित सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रखती है, इसमें चीन के हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के विकास की योजनाएं भी शामिल हैं, और अपने हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाती है।

रिपोर्ट में विशेषज्ञों का कहना है कि ऊपरी हिस्से में (चीन में) कोई छेड़छाड़ या प्रोजेक्ट होने से नदी का प्राकृतिक बहाव बिगड़ सकता है। यहां तक कि छोटे-छोटे बदलाव भी असम और अरुणाचल प्रदेश के उपजाऊ बाढ़ वाले मैदानों, मछली पालन और भूजल रिचार्ज को प्रभावित कर सकते हैं। ये इलाके पहले से ही जलवायु परिवर्तन के तनाव से कमजोर हैं। जहां चीन ने इन सभी चिंताओं को खारिज किया है। चीन के विदेश मंत्रालय का कहना है कि निचले इलाकों वाले देशों पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। इस प्रोजेक्ट का तकनीकी स्तर इतना जटिल है कि इससे डर बढ़ गया है।

भारत ने भी तेज किया अपना प्रोजेक्ट

इन ऊपरी प्रोजेक्ट्स को देखते हुए भारत की सबसे बड़ी सरकारी हाइड्रोपावर कंपनी ने ब्रह्मपुत्र पर अपना 11,200 मेगावाट का प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ाया है, ताकि रणनीतिक और पानी की सुरक्षा न

खो जाए। विशेषज्ञ कहते हैं कि एक ही नदी पर दोनों देशों के बड़े प्रोजेक्ट जोखिम बढ़ा सकते हैं। बिना सहयोग और पारदर्शिता के, भारत-चीन के बीच बांध बनाने की होड़ से ब्रह्मपुत्र और इसके लाखों निर्भर लोगों का भविष्य खतरे में पड़ सकता है।